फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 12 प्रभात जयपुर, सोमवार 12 अगस्त, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

1st BATTLE FOR INDEPENDENCE

The First War of Independence in 1857 was a watershed in India's history as it marked the end of the medieval era and the beginning of a new one.

Delicious Ways To Eat Watermelon

Here are our favourite ways to enjoy this delicious, hydrating summer fruit.

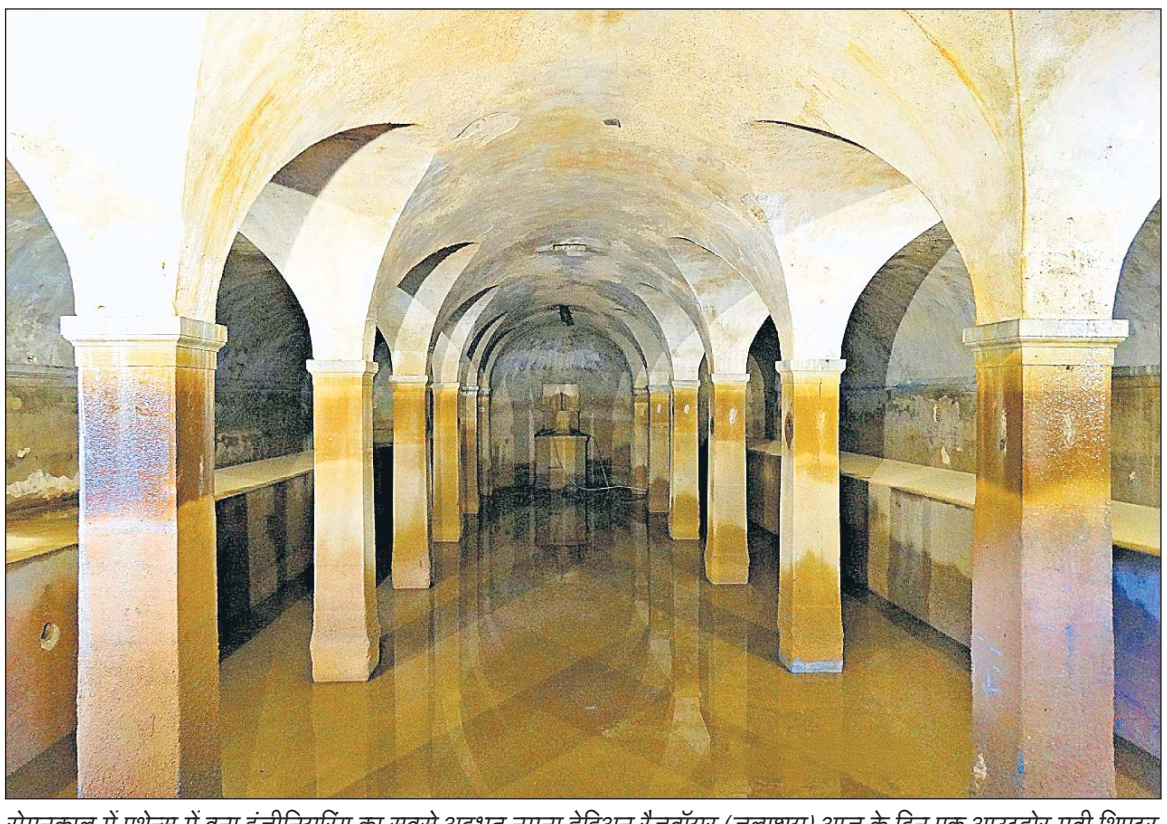

रोमनकाल में एथेन्स में बना इंजीनियरिंग का सबसे अद्भुत नमूना हेड्रिअन रैज़वॉयर (जलाशय) आज के दिन एक आउटडोर मूवी थिएटर के नीचे है। लगभग 2000 साल पुराने इस रैज़वॉयर के ऊपर खुली हवा में बैठकर लोग फिल्म देखते हैं। दूसरी सदी ईसवी में एथेन्स वासियों की बढ़ती हुई पानी की आवश्यकता पूरी करने के लिए, सम्राट हेड्रिअन ने एक जलाशय बनाने का आदेश दिया। इस तरह 125 ईसवी में पानी के परिवहन के लिए एक पाईप-लाइन का निर्माण शुरु हुआ, जो ''माउन्ट परनिथा'' से आरंभ होकर, 12 मील दूर ''माउन्ट लायकाबैटस'' की तलहटी तक जाती थी, जहाँ जलाशय का निर्माण किया गया। इस मानव निर्मित पाईप-लाइन का ज्यादातर हिस्सा भूमिगत सुरंग जैसा था, जिसे ठोस चट्टानों को काटकर बनाया गया था। इसका निर्माण 140 ईसवी में पूरा हो गया था। तब से आज तक यह एथेन्स का सबसे बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजैक्ट है। हेड्रिअन रैज़वॉयर, माउन्ट लायकाबैटस के पश्चिमी बेस पर स्थित है। यहाँ से निकलने वाले पाइपों के द्वारा 1000 वर्षों तक उस इलाके के निवासियों की पानी की ज़रुरतें पूरी हुईं। जलाशय, हेड्रिअन और उनके उत्तराधिकारी एन्टोनाइनस पायस को समर्पित था, जिनके शासनकाल में इसका निर्माण कार्य पूरा हुआ था। ऑटोमन साम्राज्य के शासनकाल में, इस जलाशय का परित्याग कर दिया गया था, जिसके कारण अधिकतर निवासियों को कुओं पर निर्भर होना पड़ा। फिर, वर्ष 1847 में जलाशय की पाइपलाइनों का जीर्णोद्धार शुरु हुआ, हालांकि 1929 में ''मैराथन बांध'' बनने के बाद यह जलाशय पानी का मुख्य स्रोत नहीं रहा। वर्तमान में जलाशय से पीने के पानी की सप्लाई नहीं होती है, लेकिन फिर भी जलाशय का थोड़ा सा पानी पाइपलाइन से होते हुए, अंतिम छोर पर एक गंदे नाले में गिरता है। इस स्थान पर अब सीढ़ियों का कुछ भाग तथा दो खंभों की नींव ही बची हुई है। जलाशय के प्रवेश द्वार के ढांचे का एक भाग भी अस्तित्व में है, लेकिन वह ''नेशनल गार्डन'' में रखा हुआ है।

अडानी के शेयरों के निवेशक अपनी गाढ़ी कमाई खो देते हैं तो उसका जिम्मेदार कौन?

राहुल गांधी ने हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट में सेबी अध्यक्ष और अडानी ग्रुप के बीच मिलीभगत के खुलासे के मामले में यह सवाल पूछा

नई दिल्ली, 11 अगस्त। अमेरिका की शॉर्ट-सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की नई रिपोर्ट को लेकर राहुल गांधी ने सरकार को आड़े हाथों लिया है। राहुल गांधी ने एक वीडियो शेयर कर पूछा है कि सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के बाद यदि निवेशक अपनी गाढ़ी कमाई खो देते हैं, तो किसे जवाबदेह किसे ठहराया जाएगा? राहुल गांधी इस मामले में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी, सेबी अध्यक्ष और उद्योगपति गौतम अडानी को भी लपेटा है।

राहुल गांधी के पूछा कि सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के बाद उन्होंने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया है। इसके अलावा राहुल गांधी ने कहा कि नए और गंभीर आरोपों को देखते हुए क्या सुप्रीम कोर्ट इस मामले में स्वतः संज्ञान लेगा? इसके साथ ही राहुल गांधी ने सवाल किया है कि अगर निवेशकों का पैसा डूब जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा-प्रधानमंत्री मोदी, माधबी पुरी बूच या गौतम अडानी।

- **राहुल गांधी के पूछा कि सेबी की अध्यक्ष माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों के बाद उन्होंने अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं दिया है। इसके अलावा राहुल गांधी ने कहा कि नए और गंभीर आरोपों को देखते हुए क्या सुप्रीम कोर्ट इस मामले में स्वतः संज्ञान लेगा?**
- **राहुल गांधी ने सवाल किया है कि अगर निवेशकों का पैसा डूब जाता है, तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा- प्रधानमंत्री मोदी, सेबी की अध्यक्ष माधबी बूच या फिर गौतम अडानी।**
- **राहुल गांधी ने इस मामले में जॉइन्ट पार्लियामेंट्री कमिटी की जांच का जिक्र करते हुये कहा कि ''प्रधानमंत्री मोदी एक जॉइंट पार्लियामेंट्री कमिटी जांच से डरते हैं और इस मामले का खुलासा क्यों नहीं हो रहा है, यह अब स्पष्ट हो चुका है।''**

जॉइंट पार्लियामेंट्री कमिटी की जांच का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी एक जॉइंट पार्लियामेंट्री कमिटी जांच से डरते हैं और इसका खुलासा क्यों नहीं हो रहा है, यह अब स्पष्ट हो चुका है।''

राहुल गांधी के बयान से पहले कांग्रेस ने इस मामले में रविवार को कहा कि सरकार को अडानी ग्रुप की विनायमक द्वारा की गयी जांच में हितों के सभी टकरावों को तत्काल दूर करना चाहिए। कांग्रेस ने इस मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की अपनी मांग भी दोहरायी।

विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि 'देश के शीर्ष अधिकारियों की कथित मिलीभगत' का समाधान केवल इस 'घोटाले' के पूरे दायरे की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति गठित करके ही किया जा सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सेबी ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष मोदी जी के करीबी मित्र अडानी को हिंडनबर्ग के जनवरी 2023 के खुलासों में 'क्लीनचिट' दी थी। उन्होंने कहा कि हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े ' परस्पर फायदा पहुंचाने' के नए आरोप सामने आए हैं।

खड़गे ने एक्स पर कहा, ''मध्यम वर्ग से संबंधित छोटे और मध्यम निवेशकों, जो अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में निवेश करते हैं, को संरक्षित करने की आवश्यकता है, क्योंकि वे सेबी पर विश्वास करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब तक इस महा-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बांग्लादेश के रणनीतिक द्वीप पर नियंत्रण के लिए अमेरिका ने हमें हटाने की साजिश रची'

बांग्लादेश की पूर्व प्र.मंत्री शेख हसीना ने अमेरिका पर बांग्लादेश में तख्तापलट की साजिश रचने के आरोप लगाये

ढाका, 11 अगस्त (वार्ता) बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने रविवार को प्रकाशित एक पत्र में अमेरिका पर सेंट मार्टिन के रणनीतिक द्वीप की संप्रभुता छोड़ने से इनकार करने के बाद उन्हें हटाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

'द इकोनॉमिक टाइम्स' को प्राप्त पत्र में लिखा है, अगर मैंने सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता को आत्मसमर्पण कर दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभुत्व रखने की अनुमति दी होती तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थी।

सुश्री हसीना ने पिछली गर्मियों में बिना किसी पार्टी का विवरण दिये कहा था कि बंगलादेश द्वीप को पट्टे (लीज) पर नहीं देगा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कुछ दिनों बाद कहा कि अमेरिका ने कभी भी द्वीप पर नियंत्रण लेने की योजना का उल्लेख नहीं किया था।

- **'द इकोनॉमिक टाइम्स' को प्राप्त पत्र में लिखा है, अगर मैंने सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता को आत्मसमर्पण कर दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभुत्व रखने की अनुमति दी होती तो मैं सत्ता में बनी रह सकती थी।**
- **गौरतलब है कि शेख हसीना ने पिछली गर्मियों में बिना किसी पार्टी का विवरण दिये कहा था कि बंगलादेश द्वीप को पट्टे (लीज) पर नहीं देगा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कुछ दिनों बाद कहा कि अमेरिका ने कभी भी द्वीप पर नियंत्रण लेने की योजना का उल्लेख नहीं किया था।**

हसीना ने कहा कि उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया 'ताकि मुझे शवों का जुलूस न देखना पड़े' और उन्होंने दक्षिण एशियाई राष्ट्र से कट्टरपंथियों के बहकावे में न आने का भी आग्रह किया।

उन्होंने लिखा, अगर मैं देश में रहती, तो और अधिक जानें जातीं, अधिक संसाधन नष्ट हो जाते। मैंने बाहर निकलने का बेहद कठिन निर्णय लिया। हसीना ने आगे कहा कि मैंने इसलिए इस्तीफा दिया ताकि देश में अमन-चैन कायम रहे। मैं नहीं चाहती थी कि वहां पर हिंसा हो। शेख हसीना ने कहा कि वह लोग छात्रों की लाशों पर सत्ता हासिल करना चाहते थे। लेकिन मैंने पहले ही इस्तीफा देकर ऐसी नौबत ही नहीं आने दी। गौरतलब है कि बांग्लादेश में राजनीतिक हालात काफी ज्यादा खराब हैं। पांच अगस्त को छात्रों का विरोध प्रदर्शन तेज हुआ था। यह लोग सरकारी नौकरी में विवादास्पद कोटा सिस्टम खत्म करने की मांग कर रहे थे। इसके बाद बढ़ती हिंसा से डरकर शेख हसीना मिलिट्री एयरक्राफ्ट में सवार होकर भारत पहुंच गईं। फिलहाल वह भारत में ही मौजूद हैं। बांग्लादेश में नोबल विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार चुनी गई है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर मैंने अमेरिका को बंगाल की खाड़ी में अधिकार दे दिए होते तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हरियाणाः जमीन विवाद में गोलियां चली, 8 घायल

सिरसा, 11 अगस्त। हरियाणा के सिरसा में रानियां में नामधारी डेरे की जमीन को लेकर दो गुटों में ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। इस घटना में 6 लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिन्हें पहले सिरसा के एक अस्पताल में दाखिल करवाया गया लेकिन उनकी गंभीर हालत को देखते हुए सभी को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रैफर कर दिया गया। सभी की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव पैदा हो गया। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

- **हरियाणा के सिरसा में रानियां में नामधारी डेरे की जमीन को लेकर दो गुटों में ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। यह मामला बीते कई दिनों से चल रहा है जो सरकार के लिए भी एक बड़ी चुनौती बन चुका है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कानोता बांध में 5 युवक डूबे, एक साथी बाहर निकला

शास्त्रीनगर और झोटवाड़ा के रहने वाले 6 युवक रविवार शाम कानोता बांध घूमने पहुंचे थे

जयपुर, 11, अगस्त । राजधानी जयपुर के नजदीक कानोता बांध में रविवार शाम 5 युवक डूब गए, जबकि उनका एक साथी सुरक्षित बाहर निकल गया। जानकारी मिलने पर एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद रैस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। देर रात दो युवकों के शव बाहर निकाल लिये गये, जबकि शेष तीन युवकों की तलाश चलती रहीं। ज्ञात रहे कि तेज बारिश के कारण कानोता बांध में करीब 5 दिन से पानी की चादर चल रही है।

जानकारी के मुताबिक जयपुर के शास्त्रीनगर और झोटवाड़ा के रहने वाले 6 युवक रविवार शाम कानोता बांध घूमने पहुंचे थे। सभी दोस्त नहाने लग गए, तभी एक युवक का पैर पाल पर फिसल गया और वह नीचे गिर गया। इस दौरान अन्य पांच युवक भी पानी में गिर गए। इनमें से एक युवक बाहर निकल आया। हादसे की सूचना मिलने के बाद कानोता थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफेंस की टीमों ने मौके पर सर्च की कार्यवाही शुरू की। बस्सी ए.सी.पी. मुकेश चौधरी ने बताया कि रविवार देर रात बांध में डूबे दो युवकों हर्ष नागौरा व अजय माहोर का शव बाहर निकाल लिया गया, जबकि शेष तीन युवकों की तलाश में एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफेंस टीम जुटी रही। बताया जा रहा है कि कानोता बांध में पानी का बहाव तेज होने के कारण टीम को रैस्क्यू में परेशानी आयी।

- **हादसे की सूचना के बाद एस.डी.आर.एफ. और सिविल डिफेंस टीम ने मौके पर पहुंचकर सर्च अभियान शुरू किया, देर रात तक युवकों का कोई अता-पता नहीं चल सका था।**

कानोता पुलिस ने बताया कि बांध में हर्ष नागौरा (20), विनय मीना (22), विवेक माहोर (22), अजय माहोर (22) और हरकेश मीना (24) डूब गए। वहीं, उनका एक साथी राज बृजवासी बच गया। दोस्तों को डूबते हुए देखकर उसने आवाज लगाकर लोगों से मदद मांगी। उनकी तलाश की जा रही है। ज्ञात रहे कि इस बार मानसून की तेज बारिश के कारण कानोता बांध 24 साल में दूसरी बार छलका (ओवरफ्लो हुआ) है। इसकी वजह से यहां रोज बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। लेकिन, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। इसकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने फसलों की 109 नई किस्में जारी की

नयी दिल्ली, 11 अगस्त (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उच्च उपज देने वाली, जलवायु अनुकूल और जैव-सशक्त विभिन्न फसलों की 109 किस्में जारी की।

इस अवसर पर मोदी ने किसानों और वैज्ञानिकों से बातचीत भी की। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर भी मौजूद रहे।

मोदी ने 61 फसलों की 109 किस्में जारी की।

- **प्र.मंत्री मोदी ने 61 फसलों की 109 किस्में जारी की। इनमें 34 खेत की और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं।**

इनमें 34 खेत की और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं। खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य फसलों सहित विभिन्न अनाजों के बीज जारी किए। बागवानी फसलों में फलों, सब्जियों, बागान फसलों, कंद फसलों, मसालों, फूलों और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में जारी हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि नयी फसल किस्म से कृषि में मूल्य संवर्धन होगा।

उन्होंने मोटे अनाज का उल्लेख किया और कहा कि लोग पोषक खानपान की ओर आकर्षित हो रहे है। श्री मोदी ने प्राकृतिक खेती के लाभों के बारे में बात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अडानी ग्रुप घोटाले की जांच के लिए जॉइन्ट पार्लियामैंट्री कमेटी जांच की जरूरत है'

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि जब तक इस मामले में अगर जे.पी.सी. जांच नहीं होती है तब तक यह संदेह बना रहेगा कि देश की संवैधानिक संस्थाओं की अस्मिता से समझौता करके मोदी अपने सहयोगियों को बचाते रहेंगे

नई दिल्ली, 11 अगस्त। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच के खिलाफ लगाए गए आरोपों के मद्देनजर कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इस बड़े घोटाले की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जे.पी.सी.) के गठन की जरूरत है। खड़गे ने आरोप लगाया कि जब तक जेपीसी इस मुद्दे की जांच नहीं करती, तब तक यह चिंता बनी रहेगी कि पिछले सात दशकों में कड़ी मेहनत कर बनाई गई भारत की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सहयोगी को बचाते रहेंगे। कांग्रेस ने कहा कि सरकार को अडानी समूह की नियामक की जांच में सभी हितों के टकराव को खत्म करने के लिए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने मामले की संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने की अपनी मांग दोहराई।

- **खड़गे ने एक्स पर लिखा, जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट के खुलासे के बाद सेबी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहयोगी अडानी को उच्चतम न्यायालय में क्लीन चिट दे दी थी। हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े एक लेन-देन के बारे में नए आरोप सामने आए हैं।**
- **खड़गे ने कहा कि मध्यम वर्ग के छोटे और मध्यम निवेशकों को संरक्षण दिए जाने की जरूरत है क्योंकि वे अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में लगाते हैं।**

खड़गे ने एक्स पर लिखा, जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट के खुलासे के बाद सेबी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहयोगी अडानी को उच्चतम न्यायालय में क्लीन चिट दे दी थी। हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े एक लेन-देन के बारे में नए आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग के छोटे और मध्यम निवेशकों को संरक्षण दिए जाने की जरूरत है क्योंकि वे अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में लगाते हैं और उनका सेबी पर भरोसा है। खड़गे ने कहा कि इस बड़े घोटाले की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराना आवश्यक है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा, तब तक यह चिंता बनी रहेगी कि पिछले सात दशकों में कड़ी मेहनत कर बनाई गई भारत की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सहयोगी को बचाते रहेंगे।

हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया है कि सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच और उनके पति के पास कथित अडानी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट विदेशी फंड में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने अडानी पर अपनी पिछली रिपोर्ट के 18

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाबः कार पानी में बही, नौ मरे

होशियारपुर,11अगस्त (वार्ता)। पंजाब में होशियारपुर के जैजो गांव की खड्ड में आई बाढ़ में एक इनोवा कार के पानी के बहाव में बह गई जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई, एक बच्चे को बचा लिया गया जबकि एक अभी लापता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हिमाचल प्रदेश के ऊना जिला के देहला गांव के एक ही परिवार के लोग शादी समारोह में भाग लेने होशियारपुर के महालपुर जा रहे थे। जैजो गांव के पास लगातार हो रही बारिश

- **पंजाब में होशियारपुर के जैजो गांव की खड्ड में आई बाढ़ में एक इनोवा कार के पानी के बहाव में बह गई जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई, एक बच्चे को बचा लिया गया जबकि एक अभी लापता है।**

से बाढ़ आ गई। मौके पर स्थानीय लोगों ने चालक को आगे जाने के लिए मना किया लेकिन चालक ने कार को पानी से निकालने की कोशिश की लेकिन पानी के तेज बहाव में कार बह गई। दीपक भाटिया को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान महालपुर गांव के सुरजीत, परमजीत कौर, सरूप चंद, बिंदर, शिन्नो, भावना (18), अंजू (20) और हरमीत (12) के रुप में की गयी हैं। घटना की सूचना पाकर प्रशासन और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर लापता की तलाश शुरू कर दी है।

विचार बिन्दु

ज्ञानी जन विवेक से सीखते हैं, साधारण मनुष्य अनुभव से, अज्ञानी पुरुष आवश्यकता से और पशु स्वभाव से। –कौटिल्य

छात्रसंघ चुनाव : दिल के खुश रखने को खयाल अच्छा है!

राजस्थान में इन दिनों शिक्षण संस्थाओं में छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग ज़ोर-शोर से की जा रही है। विभिन्न राजनीतिक दलों के नेतागण, और विभिन्न राजनीतिक दलों से संबद्ध विद्यार्थी संगठन भी इसी तरह की मांग करते हुए आंदोलित हैं। बहुत रोचक बात यह है कि राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने वर्ष 2023 में छात्र संघ चुनाव न कराने का फैसला किया था। तब प्रदेश भर के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने नई शिक्षा नीति 2020 लागू करने के साथ ही विश्वविद्यालयों में चल रही प्रवेश और परीक्षा प्रक्रिया का हवाला देते हुए छात्रसंघ चुनाव पर रोक लगाने की सलाह दी थी। इस सलाह को राज्य सरकार ने स्वीकार कर लिया था और तदनुसार उच्च शिक्षा विभाग ने एक आदेश में यह भी कहा था कि छात्र संघ चुनावों में धनबल और बाहुबल का खुलकर उपयोग किया जा रहा है, जो लिंगदोह कमिटी की सिफारिशों का उल्लंघन है। इस आदेश में यह भी कहा गया था कि यदि चुनाव कराए जाते हैं तो पढाई प्रभावित होगी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सेमेस्टर सिस्टम लागू नहीं हो सकेगा। बहुत रोचक बात है कि इसके लगभग एक बरस बाद, जब राजस्थान में कॉंग्रेस की नहीं, भाजपा की सरकार बन चुकी है और अशोक गहलोत का पदनाम भूतपूर्व मुख्यमंत्री हो गया है, वे कह रहे हैं कि छात्रसंघ के चुनाव करवाए जाने चाहियें क्योंकि छात्र संघ राजनीति की पहली पाठशाला होते हैं और इनके चुनाव करवाने से विद्यार्थियों में लोकतंत्र और संविधान के प्रति जागरूकता आती है। हमारे यहां राजनीति की जो रिवायत है उसके चलते यह आश्चर्यजनक नहीं लगता है कि जब आप किसी पद पर होते हैं तो आपका कर्म अलग होता है और जब आप पद पर नहीं होते हैं तो आपके विचार उसके एकदम विपरीत होते हैं। लेकिन यह बात बडी रोचक लग रही है कि जहां राज्य की सरकार छात्र संघ चुनाव को लेकर कुछ भी कहने से बच रही है वहीं उसके अपने दल के कई बड़े लोग खुलकर छात्र संघ चुनाव करवाने की मांग कर रहे हैं। कुछेक केंद्रीय मंत्री भी इस मांग के पक्ष में अपने बयान दे चुके हैं। जो न इधर हैं और न उधर, वे तो खुलकर इस मांग का समर्थन कर ही रहे हैं। कुल मिलाकर स्थिति यह है कि राजनीतिक दलों के लोग और राजनीति में रुचि रखने वाले विद्यार्थी छात्र संघ चुनाव की मांग कर रहे हैं और सरकार अभी इस मामले पर मौन धारण किए हुए है।

जो लोग छात्र संघ चुनाव की मांग करते हैं उनके मुख्य तर्क ये होते हैं कि इनसे विद्यार्थियों को लोकतंत्र का प्रशिक्षण मिलता है, उनमें नेतृत्व भावना का विकास होता है, उनमें से जिनमें भी राजनीति में जाने की आकांक्षा है उन्हें इस बात का प्रशिक्षण मिलता है और विद्यार्थियों को प्रशासन तक अपनी बात पहुंचाने और अपनी असुविधाओं का निवारण करवाने का एक उपयुक्त माध्यम मिलता है। इसी तरह के अन्य अनेक तर्क भी दिए जाते हैं, जैसे अशोक गहलोत जी ने कहा कि इनसे विद्यार्थियों में संविधान के प्रति जागरूकता उत्पन्न होती है। कितना अच्छा होता, अगर वे इतना और बता देते कि यह काम होता कैसे है! ऐसा नहीं है कि सारा विद्यार्थी समुदाय, सारा शैक्षिक तंत्र और सारा समाज इन चुनावों के पक्ष में ही है और इन्हें हितकारी मानता है। ऊपर हमने राजस्थान के उच्च शिक्षा विभाग के जिस आदेश का ज़िक्र किया है उसमें धनबल और बाहुबल की बात कह दी गई है। ऐसा तो है नहीं कि धनबल और बाहुबल का यह खेल केवल पिछले वर्ष ही खेला गया था, न तो इससे पहले खेला गया और न –अगर फिर से चुनाव हुए– इस वर्ष खेला जाएगा। जहां तक धनबल की बात है, अगर यह खेल पुराना न होता तो लिंगदोह समिति को अपनी रिपोर्ट ही नहीं देनी पडती। 23 मई, 2006 को ज़ारी इस 88 पन्नों की रिपोर्ट पर एक नज़र डालने से ही यह बात स्पष्ट हो जाती है कि छात्रसंघ चुनावों में बहुत सारी विकृतियं आ गई थीं। अब वे विकृतियां और बढ़ी हैं, कम नहीं हुई हैं। और बावजूद इस बात के कि इस रिपोर्ट की अनुशंसाएं अभी भी प्रभावी हैं, हर कोई जानता है कि वास्तव में तो उनका पालन नहीं होता है। सिर्फ़ दो बातों का ज़िक्र यहां करना चाहूंगा। इस रिपोर्ट में यह निर्देशित किया गया है कि छात्रसंघ के चुनावों में राजनीतिक दलों का हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। क्या वास्तव में ऐसा हो रहा है? हर राजनीतिक दल की अपनी विद्यार्थी इकाई है और वह बाकायदा टिकिट वितरित करती है। अपने प्रशासनिक अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूं कि सभी राजनीतिक दलों के बडे नेता इन चुनावों पर पैनी नज़र रखते हैं और इनमें खुलकर हस्तक्षेप करते हैं। जहां तक चुनाव पर होने वाले खर्च की बात है, लिंगदोह समिति ने अपनी अनुशंसा (6.6.1) में कहा है कि प्रत्येक प्रत्याशी के लिए खर्च की अधिकतम सीमा पांच हज़ार रुपये होगी। जहां तक मेरी जानकारी है, यह राशि अब भी यथावत है, इसमें कोई वृद्धि नहीं की गई है, और इसलिए हमें मान लेना चाहिए कि सारे लोग इस सीमा के भीतर खर्च करके चुनाव लड़ रहे हैं। अगर उन्होंने इससे ज़्यादा खर्च किया होता तो निश्चय ही उन पर कोई कार्रवाई हुई होती। अब ज़रा बाहुबल की भी बात कर ली जाए। चुनाव के दौरान, और अनेक बार उसके बाद भी विभिन्न छात्र समूह जो गैंग वॉर का मंज़र प्रस्तुत करते हैं, उसे याद करके समझा जा सकता है कि इन चुनावों में बाहुबल का कैसा और कितना उपयोग होता है।

अगर पूरे देश की राजनीति को देखें और यह जानने का प्रयास करें कि कुल कितने लोग इन चुनावों से आगे आए हैं, तो जो तस्वीर उभरेगी वह बहुत चमकदार तो नहीं ही होगी। और मान लीजिए कि कुछ लोग इन चुनावों की सीढ़ियां चढ़कर विधान सभाओं या लोकसभा तक पहुंच भी गए तो यह भी देखिए कि इसके लिए हमने कितनी कीमत चुकाई है!

क्या ये निर्वाचित संघ विद्यार्थियों की समस्याएं दूर करवा पाते हैं? क्या उनकी दिलचस्पी ऐसा करने में होती है? मैंने बहुत लम्बे समय तक शिक्षा के क्षेत्र में काम किया है, और अब उससे निवृत्त हो जाने के बाद भी उस क्षेत्र में मेरी रुचि बनी हुई है। मैं बहुत उत्सुकतापूर्वक अख़बारों को खंगालता हूं, यह जानने के लिए कि छात्र संघों के निर्वाचित पदाधिकारी अपने शैक्षिक प्रशासन के सामने विद्यार्थियों की कौन-कौन से समस्याएं लेकर जाते हैं। मैं बहुत क्षोभ के साथ लिख रहा हूं कि मैं ऐसे समाचार देखने-पढने को तरस गया हूं। उनकी मांग अपने लिए कमरों की, सुविधाओं की और शपथ ग्रहण समारोह में अपनी पार्टी या अपनी जाति के नेता को बुलाने की सीमा को शायद ही कभी पार करती हो। जहां बड़ा बजट होता है वहां उनकी नज़र उसके दुरुपयोग पर भी रहना अपवाद नहीं होता है। भले ही ऐसा सब न करते हों। अगर जुलाई अगस्त में चुनाव होते हैं तो दिसम्बर तक तो छात्र संघ का उद्घाटन होता है, और यदा कदा उससे पहले अध्यक्ष के कमरे के उद्घाटन का नया जुड़ा कार्यक्रम संपन्न होता है। और साल का दूसरा कार्यक्रम वार्षिक सांस्कृतिक समारोह और पुरस्कार वितरण का होता है, अगर हो पाए। प्रायः तो यह नहीं ही होता है। बस यह काम कुल मिलाकर निर्वाचित छात्र संघ करते हैं।

हां, इन चुनावों के बहाने कुछ लोग राजनीतिक दलों के नेताओं के निकट आ जाते हैं, बदले में राजनीतिक दलों को भी भावी या नए मतदाताओं तक पहुंचने का मौका मिल जाता है। जो लोग नेताओं के निकट आते हैं उनमें से कोई-कोई आगे जाकर कुछ बन जाता है और उसी का नाम बार-बार लेकर इन छात्र संघ चुनावों को लोकतंत्र की नर्सरी कहकर संबोधित कर दिया जाता है। अगर पूरे देश की राजनीति को देखें और यह जानने का प्रयास करें कि कुल कितने लोग इन चुनावों से आगे आए हैं, तो जो तस्वीर उभरेगी वह बहुत चमकदार तो नहीं ही होगी। और मान लीजिए कि कुछ लोग इन चुनावों की सीढ़ियां चढ़कर विधान सभाओं या लोकसभा तक पहुंच भी गए तो यह भी देखिए कि इसके लिए हमने कितनी कीमत चुकाई है! शैक्षिक संस्थानों का वातावरण इनकी वजह से कितना प्रदूषित हुआ है, कितनी अशांति वहां फैली है और इन चुनावों के नाम पर हमारे संभावनाशील युवाओं ने कितनी ग़लत बातें सीखी हैं।

असल में कुछ बातें हैं जो कहने-सुनने-पढने में बहुत भली लगती हैं, और इसीलिए उन्हें बार-बार दुहराया जाता है। लेकिन जैसा हमारे मरहूम चचा कह गए हैं:–

हम को मालूम है जन्नत की हक़ीक़त लेकिन
दिल के ख़ुश रखने को ग़ालिब ये ख़याल अच्छा है!

तो यह मानकर खुश हो लीजिए कि छात्र संघ के चुनाव विद्यार्थियों के लिए, शिक्षण संस्थाओं के लिए और समाज के लिए – सबके लिए बहुत हितकारी हैं!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

मेवाड़ संभाग स्तरीय प्रतिभावान सम्मान समारोह में पांच सौ से अधिक प्रतिभाएं सम्मानित

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान प्रदेश माली (सैनी) महासभा एवं माली सैनी समाज कर्मचारी एवं अधिकारी विकास संस्था के संयुक्त तत्वावधान में माली समाज का भीलवाड़ा शहर में नगर परिषद् स्थित टाउन हॉल में मेवाड़ संभाग का प्रतिभावान सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में 500 से भी अधिक प्रतिभाओं सहित समाज के कर्मचारियों, भामाशाहों एवं जन प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया।

सामाजिक अधिकारिता एवं न्याय विभाग मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के सामाजिक अधिकारिता एवं न्याय विभाग के केबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युवाओं का आईक्यू ही नहीं बढ़ा है, बल्कि वे शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहे हैं। अब विद्यार्थियों के 100 में से 100 नंबर आ रहे हैं। उनकी होशियारी भी बढ़ी है और दिमाग भी तेज हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि माली समाज के लोग मेहनती होने के साथ शिक्षा व अन्य क्षेत्र में भी अपने झण्डे गाढ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा से परिवार ही संस्कारित नहीं होता बल्कि देश का भी विकास होता है। उन्होंने समाज के लोगों से कुरीतियां दूर करने का आव्हान किया और कहा कि अपने समाज की कुरीतियां खुद मिटाएं।

समारोह की अध्यक्षता बांदीकुई विधायक भागचंद सैनी ने की। विशिष्ट अतिथि माण्डल विधायक उदयलाल भडाणा, राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद गहलोत, महात्मा फूले राष्ट्रीय संस्थान के अध्यक्ष अनुभव चंदेल, मोतीलाल सांखला, माली सैनी समाज कर्मचारी अधिकारी विकास संस्था के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश सैनी, पूर्व अध्यक्ष हनुमान प्रसाद सैनी, महासचिव मदनलाल सैनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुशील सैनी एवं ओंकार माली थे। राजस्थान प्रदेश माली (सैनी) महासभा के प्रदेश महामंत्री गोपाल लाल माली ने सम्मानित होने वाली सभी प्रतिभाओं को सम्मान के लिए बधाई देते हुए उनसे आग्रह किया कि वो हमेशा शिक्षा व सामाजिक क्षेत्र में आगे बढ़कर समाज का नाम रोशन करें। साथ ही संबोधित करते हुए समाज की तरफ से यह पीड़ा भी उजागर की कि भीलवाड़ा में माली समाज के लाखों वोटर होने के साथ ही राजनीतिक नियुक्तियों व पार्टियों में प्रतिनिधित्व न के बराबर हैं।

समारोह की शुरूआत महात्मा फूले व सावित्री बाई फूले की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवन के साथ हुई। तत्पश्चात् समाज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। समारोह में समाज के कई होनहार प्रतिभाओं को नकद पुरस्कार भी दिया गया। सम्मान होने वाली प्रतिभाओं में 10वीं कक्षा के 74, 12वीं कक्षा के 124, स्नातक, स्नातकोत्तर की 26 व खेल एवं राजनीतिक नियुक्तियों में चयनित 90 व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में श्रेष्ठ 30 प्रतिभाओं के साथ-साथ 150 से अधिक भामाशाहों व समाजसेवियों का सम्मान किया गया, जिनमें प्रमुख रूप से उदयलाल माली, सत्यनारायण डाबला, पांचू लाल माली, लादू लाल रागस्या, हरिश गहलोत, शंभूलाल माली, योगेश गहलोत, मुरलीधर सैनी, कन्हैयालाल माली, सम्पत माली, राजू माली, सीता देवी सैनी, नारायण लाल माली शामिल थे। समारोह में भीलवाड़ा जिले सहित चित्तौड़गढ़, राजसमंद, उदयपुर, अजमेर, पाली सहित आस-पास के जिलों से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे।

- **शिक्षा से परिवार ही संस्कारित नहीं होता बल्कि देश का भी विकास होता है : अविनाश गहलोत**

टीबा बसई में खेल मैदान की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर युवाओं व ग्रामीणों में आक्रोश

गांव के युवाओं ने चंदा एकत्रित कर वर्ष 2017 में जोहड़ को खेल मैदान का रूप दिया था

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के टीबा बसई के खेल मैदान पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा है। रविवार को युवाओं ने खेल मैदान में एकत्रित होकर प्रशासन से मैदान की सीमा ज्ञान करवाने की मांग की है।

युवाओं ने बताया कि पिला जोहड़ स्कूल के नाम से कटा हुआ खेल मैदान था। गांव के युवाओं ने आमजन से चंदा एकत्रित कर वर्ष 2017 में जोहड़ को खेल मैदान का रूप दिया, जिसके बाद खेल मैदान में युवा सेना की तैयारी तथा खेलों में भाग लेने की तैयारी कर रहे हैं। राज्य सरकार की ओर से टीबा गांव में शहीद श्योराम गुर्जर राजकीय स्कूल की नई बिल्डिंग बनाने की स्वीकृति दी है, जिसका कुछ दिन पहले ही विधायक की ओर से शिलान्यास भी किया गया है।

युवाओं ने बताया कि स्कूल प्रबंधन व ठेकेदार के द्वारा बनाए गए नक्शे में खेल मैदान स्कूल भवन के अंदर आ रहा है तथा मैदान का आधा हिस्सा स्कूल भवन की नई बनने वाली बिल्डिंग में चला जाएगा। खेल मैदान के सामने खाली जगह पड़ी हुई है। इसके बावजूद भी खेल मैदान में स्कूल भवन को बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यदि प्रशासन युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए मैदान के सामने खाली जगह में स्कूल भवन बनाया जाए तो युवाओं को तैयारी करने के लिए खेल मैदान बच सकता है।

युवाओं ने खेल मैदान में एकत्रित होकर प्रशासन से मैदान की सीमा ज्ञान करवाने की मांग की।

युवाओं ने बताया कि खेल मैदान के लिए ग्रामीणों की ओर से तहसीलदार व अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत भी करवाया जा चुका है, लेकिन स्कूल प्रबंधन व ठेकेदार खेल मैदान में भवन बनाने पर अड़े हुए हैं। इस दौरान युवाओं ने खेल मंत्री व तहसीलदार को पत्र भेजकर खेल मैदान की सीमा ज्ञान व खाली जगह में स्कूल भवन बनाने की मांग की है। युवाओं ने बताया कि यदि जल्द ही प्रशासन ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया तो युवाओं की ओर से खेल मैदान बचाने के लिए आंदोलन किया जाएगा।

इस मौके पर रामकिशन, मायाराम, महेंद्र सिंह, बलवान, अंकित, अजीत, राजेंद्र, संदीप, अनूप, आजाद, विक्की, दीपेंद्र, सोनू, मयंक, कुलदीप, विनोद कुमार, प्रदीप, सत्यवीर, शैलेश, सुनील, लोकेश सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

- **युवाओं ने खेल मंत्री व तहसीलदार को पत्र भेजकर खेल मैदान की सीमा ज्ञान व खाली जगह में स्कूल भवन बनाने की मांग की**

सांभर का पांच सौ वर्ष पुराना चारभुजानाथ का मंदिर गिरने के कगार पर

सांभरझील, (निसं)। सांभर का 500 वर्ष पुराना चारभुजा नाथ का मंदिर गिरने के अंतिम कगार पर है। प्रदेश में मानसून चरम पर है मंदिर की दीवारें लगातार कमजोर हो चली है और कभी भी पूरी तरह से मंदिर गिरकर खंडर में तब्दील हो सकता है, लेकिन तमाम जानकारी होने के बावजूद जिम्मेदार लोगों ने अपनी चुप्पी साध रखी है। यहां के चारभुजा नाथ मंदिर के सामने स्थित सार्वजनिक चौक निर्माण के लिए पूर्व विधायक निर्मल कुमावत की अनुशंषा पर 10 लाख रुपए का बजट निवर्तमान सरकार की ओर से मंजूर किए जाने तथा इसकी प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद भी करीब एक साल से यह मामला अटका पड़ा है।

जिला परिषद जयपुर के अधिशाषी अभियंता के.सी. मीना ने 1 अगस्त 2023 को यहां के लोकल बॉडी को पत्र जारी कर इसकी तकलीना रिपोर्ट मांगवाई गई थी, ताकि बजट की प्रक्रिया को अंजाम दिया जा सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक वर्ष की कालावधि के दौरान प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद भी लापरवाही के चलते यह कार्य अटका पड़ा है। भाजपा मंडल अध्यक्ष जितेंद्र डांगरा ने बताया कि मैंने खुद ने कई बार नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी से मिलकर इस प्रक्रिया को पूरा करवा दिया था और निर्माण कार्य के लिए टेंडर भी हो चुका है। अब समझ में नहीं आ रहा है इसके बाद भी काम चालू करने में आखिर दिक्कत क्या है। यह बताना जरूरी है कि जिस जगह चौक का निर्माण होना है, उसके ठीक सामने 500 वर्ष पुराना चारभुजा नाथ का प्राचीन मंदिर है जो कुछ माह पहले करीब 30 प्रतिशत ढह गया था और लगातार दरक रहा है।

जानकारी के अनुसार निवर्तमान सरकार की ओर से पर्यटन व पुरातत्व विभाग के माध्यम से यहां के धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार के लिए करोड़ों रुपए का बजट जारी किया था, लेकिन इस प्राचीन मंदिर के रखरखाव और जीर्णोद्धार को पूरी तरह से गौण कर दिया गया, जिसका यहां के लोगों ने विरोध किया तो बाद में विधायक निर्मल कुमावत के दबाव में थोड़ा बहुत काम हुआ, लेकिन पुरातत्व विभाग इसमें भी लीपापोती करके चला गया, यानी की वास्तविक रूप में जो काम होना चाहिए था वह हुआ ही नहीं। अब हालात यह है कि यहां के पुजारी राजेंद्र व्यास अब सुबह शाम मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जाते हैं तो सबसे पहले भगवान से दुआ करते हैं कि वह सुरक्षित वापस बाहर आ जाए। पालिका ने अपने स्तर पर इस मंदिर को लेकर कुछ ऐसा काम नहीं किया जो सराहनीय रहा हो।

सांभर में जीर्णोद्धार के अभाव में चारभुजानाथ का मंदिर गिरने के कगार पर है।

- **जानकारी होने के बावजूद जिम्मेदारों ने अपनी चुप्पी साध रखी है**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 12 अगस्त, 2024

सावन मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2081, स्वाती नक्षत्र प्रातः 8:33 तक, शुक्ल योग सांय 4:25 तक, वणिज करण प्रातः 7:56 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 4:15 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-तुला, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग प्रातः 8:32 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रातः 7:56 से रात्रि 8:44 तक रहेगी। आज सप्तमी तिथि में वृद्धि हुई है। आज दुर्वाष्टमी व्रत और चतुर्थ सावन वन सोमवार व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:38 तक, शुभ 9:16 से 10:54 तक, चर 2:10 से 3:47 तक, लाभ-अमृत 3:47 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:01, सूर्यास्त 7:03

मेष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कर्क
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी और परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

कन्या
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृश्चिक
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी।

धनु
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तेज रफ्तार कार ट्रक में घुसी, दो छात्रों सहित तीन की मौत

-कार्यालय संवाददाता-

- रामनगरिया इलाके में शनिवार-रविवार की मध्य रात्रि हुआ हादसा
- टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के आगे से परखच्चे उड़ गए। ड्राइवर का शव कार में बुरी तरह से फंस गया था, जिसे 1 घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया

जयपुर। रामनगरिया थाना इलाके में शनिवार-रविवार की मध्य रात्रि तेज रफ्तार कार ट्रक में जा घुसी। इस हादसे में दो छात्र सहित तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार एक छात्र लंदन से बीटेक तो दूसरा जयपुर के ही कॉलेज से बीबीए कर रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आगे से कार के परखच्चे उड़ गए। ड्राइवर का शव कार में बुरी तरह से फंस गया था। घंटेभर की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया कि रामनगरिया थाना इलाके में शनिवार-रविवार की मध्यरात्रि डेढ़ बजे एनआरआई सर्किल पर तेज रफतार से आ रही कार ट्रक से जा भिडी। इस हादसे में कार में अमिष (19) पुत्र राजीव वाधवा निवासी मानसरोवर और वेदांत (19) पुत्र गिरधर आहलूवालिया निवासी पाम कॉलोनी जगतपुरा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलि ने दोनों के शवों को अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया। जिनका रविवार सुबह पोस्टमार्टम कर परिजनो के हवाले कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया है कि गाडी वेदांत की है। वेदांत का कार चालक विकास का शव कार में बुरी तरह से फंसा गया था और एक घंटे की मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। विकास के शव को एसएमएस की मोर्चरी में रखवाया गया है। अमीश और वेदांत के परिवार वालों को पुलिस ने रात में ही सूचना दे दी थी। शवों का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया परिजनों को सौंप दिया गया है। विकास सीतापुरा में ही किराए के मकान में रहता था। पुलिस ने बताया कि प्रताप नगर से होते हुए जवाहर सर्किल की तरफ कार जा रही थी। ड्राइवर ट्रक को मोड़ रहा था। इतने में तेज रफ्तार से आ रही कार ट्रक से भिड़ गई। ट्रक में सब्जियां भरी थीं। मृतक वेदांत लंदन से बीटेक कर रहा था, वह छुट्टियों में जयपुर आया था। जबकि अमिष जयपुर इंजीनियरिंग कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर में बीबीए का स्टूडेंट था।

पहाड़ों ने ओढ़ी हरियाली की चादर

राजस्थान में मानसून को मेघ मल्हार चरम पर हैं। बारिश के बाद अरावली की पहाड़ियों से झरने बहने लगे हैं। सावन के इस हरियाली भरे मौसम में पहाड़ियों ने भी हरियाली की चादर ओढ़ ली। बारिश के बाद आसमां में धुंध छाये रहने से ऐसा लगने लगा है, जैसे बादल जमी पर उतर रहे हों। जयपुर के नजदीक सामोद की पहाड़ियों का ये दृश्य ऐसा लगता है कि जैसे कुल्लू-मनाली की पहाड़ियां हों।

'हर घर-प्रतिष्ठान तिरंगा वितरण' अभियान का शुभारंभ रविवार को उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने किया। उन्होंने सिटी पैलेस में सीकर रोड व्यापार महासंघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। उपमुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सभी संस्थाओं एवं नागरिकों को यह पर्व बड़ी धूमधाम से मनाना चाहिए। इस मौके पर सीकर रोड व्यापार महासंघ के अध्यक्ष दिनेश मित्तल, हरि ओम जन सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष पंकज गोयल और पार्षद सुरेश जांगिड़ मौजूद रहे।

नटवर सिंह के निधन पर संवेदना जताई

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री नटवर सिंह के निधन पर संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतृप्त परिजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

प्रॉपर्टी कारोबारी से एक करोड़ की ठगी

जयपुर। कोतवाली थाना इलाके में रुपए दुगने के नाम पर एक प्रॉपर्टी कारोबारी से एक करोड़ रुपए ठगने का मामला सामने आया है। थानाधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि दूदू निवासी कमलचंद जैन ने मामला दर्ज करवाया कि रुपए दुगने करने के नाम पर किशनपोल में चार-पांच लोगों ने अलग-अलग कर करीब एक करोड़ रुपए की राशि उससे ले ली।

प्रेमिका से बातचीत का विरोध करने पर 6 माह की गभर्ववती पत्नी को मौत के घाट उतारा

राजधानी जयपुर के जयसिंहपुरा खोर इलाके में सनसनीखेज वारदात सामने आयी

-कार्यालय संवाददाता-

- आरोपी पति ने परिजनों को गुमराह करके पत्नी के शव को दफना दिया, पुलिस ने जांच शुरू की तो हत्याकांड़ का पर्दाफाश हुआ

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर इलाके में प्रेमिका से बातचीत का विरोध करने पर एक युवक ने अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया और परिजनों के साथ मिलकर शव को दफना दिया। शंका होने पर परिजनों ने हत्या का मामला दर्ज करवाया। इस पर पुलिस ने जांच शुरू की तो सारी परतें खुलकर सामने आ गई। जांच में सामने आया कि महिला ने अपने पति को दूसरी लड़की से बात करने का विरोध किया था। इस पर पति ने अपनी पत्नी की हत्या करके शव को दफना दिया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने शव को कब्र से निकालकर जांच शुरू की तो हत्या की बात सामने आई। इस पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद अजहर को गिरफ्तार कर लिया।

सहायक पुलिस आयुक्त आमेर शिवरतन गोदारा ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर इलाके में अनम फातिमा की 29 जुलाई को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। महिला 6 महीने की प्रेग्नेंट भी थी। मृतक महिला के पति मोहम्मद अजहर ने परिजनों को गुमराह करके शव को कब्र में दफना दिया था। परिजन मृतका अनम फातिमा की हत्या की वारदात से अनजान थे। परिजनों को लगा कि प्रेग्नेंसी की वजह से मौत हुई है। परिजनों की ओर से पुलिस को सूचना भी नहीं दी गई। महिला के पति के साथ पूरा परिवार शोक का मातम मना रहा था। दफनाने से पहले परिवार के सदस्य ने महिला के गले पर चोट के निशान देख लिए, लेकिन पति मोहम्मद अजहर ने पूरे परिवार को गुमराह कर दिया। परिजनों को शक हुआ कि जिस बेटी से 4 घंटे पहले पूरा परिवार मिलकर आया था। अचानक उसकी तबीयत कैसे खराब हो गई और मौत भी हो गई।

शक की गहराइयों के बीच परिजनों ने जयसिंहपुरा खोर थाने में मुकदमा दर्ज करवा दिया। मामला दर्ज होने के बाद एसडीएम की मौजूदगी में महिला का शव कब्र से खोदकर बाहर निकाला गया। इसके बाद पोस्टमार्टम करवाया गया। पोस्टमार्टम के दौरान गला दबाकर हत्या करने का खुलासा हुआ। पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल की तो महिला का पति मोहम्मद अजहर हत्यारा निकला। गत 5 अगस्त को महिला के पिता मुन्ना खान ने थाने में मुकदमा दर्ज करवाया था। इससे पहले परिजन महिला के शव को कब्र में दफन कर चुके थे। पुलिस की जांच में सामने आया है कि मृतक महिला के पति अजहर मोहम्मद का एक अन्य महिला के साथ अफेयर चल रहा था। पत्नी ने अपने पति को फोन पर महिला से बात करते हुए सुन लिया था। दोनों के बीच इसी को लेकर झगड़ा हुआ। इस दौरान आरोपित ने अपनी पत्नी का गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी प्रेगनेंसी से तबीयत खराब होने का ड्रामा करता रहा, लेकिन पुलिस ने कड़ी पूछताछ के बाद आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

डबल शंकर की कावड़ कलश यात्रा में दिखी शिव भक्ति के साथ देश भक्ति की झलक

पूर्व मेयर ज्योति खण्डेलवाल की अगुवाई में 1100 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली।

जयपुर, (का.सं.)। कंधों पर कावड़ लिए भक्तों ने एवं पंचरंगा के रंग में रंगी सर पर कलश धारण किये महिलाओं ने जब एक स्वर में शिव के जयकारे लगाए तो अनायास ही छोटी काशी के रूप में विख्यात जयपुर नगरी भोले के रंग में रंगी दिखी। मौका था श्री डबल शंकर महादेव विकास समिति के तत्वाधान में रविवार को निकाली गई कावड़ व कलश यात्रा का, जिसमें भोले के भक्तों ने गलता व हरिद्वार से लाए गंगा के पवित्र मिश्रित जल से शिव का अभिषेक किया। कावड़ यात्रा में शामिल हर कोई अपने हाथों से बाबा का अभिषेक करने के लिए आतुर दिखा।

गलता तीर्थ से अलसुबह कावड़ में पवित्र जल भर कर रवाना हुए भक्तों का काफिला जैसे ही परकोटा क्षेत्र में पहुंचा तो शहरवासियों ने पलक पावंडे बिछा दिए। आयोजन समिति के संयोजक शरद खण्डेलवाल की अगुवाई में कावड़िये भोले की भक्ति के रंग में रंगे नजर आ रहे थे, उनका उत्साह देखते ही बन रहा था। भोले के जयकारों व देश भक्ति के जयघोष के साथ कावडिये झूम रहे थे और शिव का जयघोष कर रहे थे। कॉवड यात्रा में सजे धजे ऊंट, घोडे, ढोल-तासे शामिल थे। कावडियों का जगह जगह व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों व सर्वसमाज के प्रतिनिधियो ने फूल बरसा कर व आरती उतार कर स्वागत किया।

पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल की अगुवाई में 1100 महिलाओं ने धारण किया सिर पर मंगल कलश कावड़ यात्रा के साथ जब कलश यात्रा का संगम चौडा रास्ता स्थित द्वारकाधीश मंदिर के बाहर हुआ तो वहां मौजूद हर कोई भक्त भोले के जयघोष पर झूम उठा। चौड़ा रास्ते में पूर्व मंत्री व विधायक कालीचरण सर्राफ, हाथोज धाम के महन्त व हवामहल क्षेत्र के विधायक बालमुकुन्दाचार्य जी महाराज, अवधेशाचार्य महाराज, विधायक प्रत्याशी रवि नैयर, चन्द्रमोहन बटवाडा, व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, वैश्य महासम्मेलन के प्रदेशाध्यक्ष एन.के गुप्ता, प्रभारी ध्रुवदास अग्रवाल, कर्मचारी नेता संतोष विजय सहित अन्य गणमान्य ने कावड कलश यात्रा का स्वागत किया व कलश यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। पूर्व महापौर ज्योति खण्डलेवाल की अगुवाई में पंचरंगं की साडी पहने 1100 महिलाएं सिर पर मंगल कलश धारण कर आगे बढ़ी। ढोल ताशो व डमरू पर जमकर नाचे कावडिये-भक्तो ने केसरिया व तिरंगे ध्वज लहराये। कावड़ व कलश यात्रा के साथ चल रहे कावडियो ने ढोल ताशो व डमरू बजाकर माहौल शिवमय बना दिया । कावड व कलश यात्रा में शामिल भक्तो में कई भक्त भगवा व तिरंगा ध्वज लहराते हुए भोले का जयघोष कर रहे थे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नई दिल्ली में सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर से मुलाकात की। देवनानी ने माथुर को राज्यपाल बनने की बधाई दी। देवनानी ने माथुर को पुष्प गुच्छ और सम्राट पृथ्वीराज चौहान की तस्वीर भेंट की।

तिरंगा यात्रा का आयोजन

शिवदासपुरा। अगस्त क्रांति के अवसर पर तिरंगा यात्रा समिति सांगानेर द्वारा सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री के केम्प कार्यालय से विशाल दोपहर तिरंगा यात्रा का आयोजन हुआ। लगभग 500 वाहनों पर एवं खुली जीपों में यात्रा सुबह 8.30 बजे शुरू हुई। जो मानसरोवर मध्यम मार्ग होते हुए रिद्धि सिद्धि चौराहे से गोपालपुरा चौराहे होकर टोंक रोड से होते हुए अम्बेडकर चौराहे से अमर जवान ज्योति स्थल, जन पथ पर पहुँची, यात्रा पर बीच-बीच में पुष्प वर्षा होती रही। सड़क किनारे खड़े लोग जोश में देश भक्ति नारे लगाकर उत्साहित हो रहे थे, एकदम विहंगम एवं विशाल स्वरूप में यात्रा का अद्भुत दृश्य बन गया था।

यात्रा के प्रेरणास्त्रोत मेघेन्द्र शर्मा के साथ स्वामी प्रकाश दास महाराज ने यहाँ राष्ट्रभक्ति गीतों से सारे समूह में राष्ट्रप्रेम की ऊर्जा का संचार कर दिया इस वातावरण में युवा, मातृशक्ति एवं आयोजक सभी नृत्य करते हुए झूमने लगे। यात्रा मीडिया संयोजक मुकेश भारद्वाज ने बताया कि इस प्रकार की व्यवस्थित और दिव्य यात्रा पहली बार सांगानेर विधान सभा से निकली है जो सभी को एकता के सूत्र में बांधकर राष्ट्रभक्ति के लिए प्रेरित करेगी, इस भव्यता के लिए सभी आयोजक जिनमें कमलेश टाँक, विवेक गोयल, गोपाल शर्मा, गिर्राज शर्मा, अनिल मंगल, नरेंद्र हर्ष, मुकेश काका, सोमेश शर्मा, अतुल गुप्ता, ललित चाँदकोटिया, घनश्याम गुप्ता, अरविंद गुप्ता के डी सिंघल, रिंकू अग्रवाल, जीतू बना एवं दिवाकर मौजूद रहे।

Name and address Change Notice

I, Udai son of Vijai Vasandani, hereby declare that I have officially changed my name to Udai Vasandani. Additionally, My new address is 153/8 Shiprapath, Mansarovar, Jaipur, Pincode: 302020, From now on, I wish to be known and addressed by this new name only.

Udai Vasandani

इलेक्ट्रोपैथी को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : सी.एम.

- 'बोर्ड के गठन से इलेक्ट्रोपैथी पद्धति को मिलेगी गति'
- बजट घोषणाओं के लिए इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों ने मुख्यमंत्री का आभार और अभिनंदन किया

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत प्राचीन काल से ही कई पारंपरिक और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों का केंद्र रहा है। इन चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से 'यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज' के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि इन पद्धतियों में इलेक्ट्रोपैथी की विशेष महत्ता है और राज्य सरकार इसे प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों की आभार एवं अभिनंदन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दूरगामी निर्णय ले रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने अपने पहले बजट में ही पारंपरिक चिकित्सा पद्धति इलेक्ट्रोपैथी को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रोपैथी बोर्ड का गठन करने और इसके लिए प्रथम चरण में 5 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है। साथ ही, बजट में इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा के सम्बन्ध में परीक्षण कर नियम बनाने की महत्वपूर्ण घोषणा भी की गई है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं का निरन्तर विस्तार कर रही है। परिवर्तित बजट 2024-25 में स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वाधिक महत्व देते हुए लगभग 27 हजार 660 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है जो बजट का 8.26 प्रतिशत हिस्सा है। इससे आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हांगी एवं स्वास्थ्य ढ़ाचे का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण होगा। शर्मा ने कहा कि पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प के माध्यम से केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाएं अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को लाभांवित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति नागरिकों के कर्तव्य भी होते हैं। इसलिए नागरिक जरूरतमंद तक इन सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

"बाजे नौबत बाजा, म्हारा डिग्गीपुरी का राजा..."

जयपुर। गुलाबीनगर की फिजा में आज सुबह कल्याण धणी के जयकारे गूंज उठे। मौका था श्री कल्याणजी डिग्गीपुरी लक्खी पदयात्रा संघ, जयपुर के तत्वावधान में निकाले जाने वाली श्री डिग्गीपुरी कल्याणजी की 59वीं की लक्खी पैदल यात्रा का। पद यात्रा को संत महंतों व जनप्रतिनिधियों ने चौड़ा रास्ता स्थित ताड़केश्वरजी मंदिर से केसरिया ध्वज दिखाकर रवाना किया। यात्रा के संयोजक श्रीजी शर्मा जैसे ही मुख्य ध्वज ताडकेश्वर महादेव मंदिर से बाहर लेकर आए तो श्रद्धालुओं ने डिग्गी कल्याणजी के जयकारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। इस दौरान मौसम ने भी श्रद्धालुओं का साथ दिया। बाजे नौबत बाजा महारा डिग्गीपुरी का राजा..., कल्याण धणी को डंका बाज्यों जैसे भजनों की स्वर लहरियां... जयकारे और हजारों श्रद्धालुओं का कारवां आज सुबह डिग्गी कल्याणजी के लिए रवाना हुआ। पदयात्रा गाजे बाजे एवं पूरे लवाजमे के साथ न्यू गेट तक पहुंची।

कुछ पदयात्री भजनों पर थिरकते हुए चल रहे थे तो कुछ कनक दंडवत करते हुए आगे बढ रहे थे। चौडा रास्ता से पदयात्री रामनिवास बाग होते हुए मोतीडूंगरी गणेशजी के दर्शन कर जेएलएन मार्ग, टोंक रोड होते हुए आगे बढ़े। पद यात्रियों को अल्पाहार करा पुण्य कमाने की लिए लोगों में होड लगी रही। श्रद्धालुओं के लिए मार्ग जगह-जगह भंडारे लगाए गए। संस्थाओं के सदस्य हाथों में नाश्ता, फल लेकर पदयात्रियों की मनुहार करते नजर आए।

डिग्गी कल्याणजी की 59वीं लक्खी पदयात्रा रविवार को जयपुर के ताड़केश्वरजी मंदिर से जयकारों के बीच रवाना हुई।

नाम परिवर्तन

मेरे पुत्र के आर्मी रिकॉर्ड नंबर 3205162F में मेरा नाम विमलादेवी, जन्मतिथि 01.05.1968 दर्ज है, जो गलत है। मेरे पैनकार्ड, आधारकार्ड में मेरा नाम विमला, जन्मतिथि 01.01.967 है, जो सही है। मेरे पुत्र के रिकॉर्ड में सही दर्ज किया जावे। मैं विमला माता राजेन्द्र कुमार गढवाल गांव लक्ष्मणकाबास कटराथल, सीकर (राज.)

मेरे पुत्र के आर्मी रिकॉर्ड नंबर 3205162F में मेरा नाम प्रतापसिंह गढवाल, जन्मतिथि 30.05.1966 दर्ज है, जो गलत है। मेरे पैनकार्ड, आधारकार्ड में मेरा नाम प्रतापसिंह, जन्मतिथि 02.04.1966 है, जो सही है। मेरे पुत्र के रिकॉर्ड में सही दर्ज किया जावे। मैं प्रतापसिंह पिता राजेन्द्र कुमार गढवाल गांव लक्ष्मणकाबास कटराथल, सीकर (राज.)

मूसलाधार बारिश से प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात

राजस्थान के भरतपुर, जयपुर, अलवर, करौली, गंगापुरसिटी, हिण्डौन, चौमूं सहित कई शहरों व गांवों में तेज बरसात हुई

पांचना बांध के छह गेट खोलकर गम्भीर नदी में 35 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा

भरतपुर, (निसं)। अधिक वर्षा के कारण करौली जिले से निकलने वाली गम्भीर नदी में पांचना बांध से छह गेट खोलकर 35 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसके चलते जिले के बयाना एवं रूपवास तहसील के गम्भीर नदी के तटीय क्षेत्र में बसे गांवों के नागरिकों को इस दौरान नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाने की अपील की गई है।

जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. अमित यादव ने बताया कि गम्भीर नदी में पांचना बांध से पानी छोड़े जाने के कारण नदी के तटीय क्षेत्रों में बसे गांवों के नागरिकों को सावचेत रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि सम्बंधित गांवों में स्थानीय पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से लोगों को सूचित कर पानी के तेज बहाव को देखते हुए नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाने के लिए पाबंद किया है। उन्होंने बताया कि लगातार वर्षा की चेतावनी को देखते हुए नदी के तटीय क्षेत्र के सभी गांवों को अपने पशुधन को भी नदी के आसपास नहीं छोड़ने की अपील की है। उन्होंने आमजन को नदी के बहाव क्षेत्र में पानी की आवक को देखते हुए संसाधनों को बहाव क्षेत्र से हटाने, महिलाओं, बच्चों को इस दौरान नदी के आसपास नहीं जाने देने के लिए आह्वान किया है। जिला कलेक्टर ने लगातार बरसात की चेतावनी एवं गम्भीर नदी में पांचना बांध से पानी छोड़े जाने को देखते हुए एसडीआरएफ की टीम, जल संसाधन विभाग, पंचायतीराज विभाग, चिकित्सा विभाग एवं उपखण्ड प्रशासन रूपवास एवं बयाना को मय आवश्यक संसाधनों के अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं।

पांचना बांध से पानी छोड़ने से गम्भीर नदी में पानी की आवक हुई।

- बयाना एवं रूपवास तहसील के गम्भीर नदी के तटीय क्षेत्र में बसे गांवों के नागरिकों को नदी के बहाव क्षेत्र में नहीं जाने की अपील
- एसडीआरएफ की टीम, जल संसाधन विभाग, पंचायतीराज विभाग, चिकित्सा विभाग एवं उपखण्ड प्रशासन रूपवास एवं बयाना को मय आवश्यक संसाधनों के अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश

अधीक्षण अभियंता जल संसाधन देवीसिंह बेनीवाल ने बताया कि गम्भीर नदी में पानी की अधिक आवक होने पर तहसील बयाना के चीखरू, पीपरिया, धुरेरी, मावली, महरावर, नहरौली, चक बीछी, सिंघाडा, शीदपुर, नदी का गांव प्रभावित होंगे तथा तहसील रूपवास में दाहिना गांव, महलपुर काछी, मुर्रिका, कांधौली, दौलतगढ़, सिकरौदा, पिचूना, रसीलपुर, मिल्सवां, देवरी, पांड्री, मैरथा गांव प्रभावित होंगे।

अधीक्षण अभियंता जल संसाधन देवीसिंह बेनीवाल ने बताया कि अजान बांध के पास बसे हुए गांव सैदपुरा, हरिनगर, नगला कल्यानपुर, अघापुर, अजान इत्यादि में भी आमजन को सतर्क रहने हेतु स्थानीय कार्मिकों के माध्यम से मुनादी करा दी गई है। उन्होंने बताया कि नदी, कैनाल के बहाव में निर्मित रपट-नदीगांव-सालाबाद रोड पर नदीगांव के पास स्थित, चौखण्डा लहचोरा मार्ग, सेवला, सीदपुर-बयाना मार्ग, बयाना थानाडांग रोड (गऊ घाट), ईटखेड़ा-चीखरू मार्ग पर आमजन एवं स्कूली बच्चों को नदी पार नहीं करने के लिए आगाह किया गया है।

भरतपुर में तीन इंच बारिश दर्ज, घरों में दो फीट तक पानी भरा

भरतपुर में भारी बारिश से दर्जनों कॉलोनियों में पानी भर गया।

भरतपुर, (निसं)। पिछले तीन दिनों से बरसात का दौर जारी है। बरसात के चलते जन जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। बताया गया है कि रविवार को करीब तीन इंच बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश की संभावना को देखते हुए जिला कलेक्टर ने कक्षा एक से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के समस्त राजकीय व निजी स्कूलों में एक दिन का अवकाश घोषित किया है।

शहर की दर्जनों कॉलोनियां जलभराव की समस्या से जूझ रही हैं। कई कॉलोनियों में बरसात के चलते जलभराव के कारण बरसात का पानी घरों में दो-दो फीट तक घुस गया। नगर निगम के आयुक्त के निर्देश पर कई कॉलोनियों में पम्प लगाकर पानी निकालने की कवायद की जा रही है। बरसात से शहर के निचले क्षेत्रों में सूरजमल नगर, श्याम नगर, राम नगर, रूंधिया नगर, वासन गेट नमक कटरा, सुभाष नगर, विजय नगर, नीमदा गेट, अटल बंद, सिमको लेवर कॉलोनी व शहर के बाजार में सभी जगह पानी से सड़कें नदी के समान नजर आ रही हैं। जिन घरों में जमीन से पानी निकला उन घरों में खाना बनाने तक की जगह नहीं बची। बच्चे भयभीत हो गये। बच्चों की किताबें पानी से भीग गई। अधिकांश घरों में पानी को निकालने के लिए टिल्लू व मोटर्स से निकाल रहे थे। वहीं नगर निगम आयुक्त व सीएसआई ने मौका मुआयना किया।

बारिश के बाद मकान ढहा, पिता-पुत्र की मौत

करौली, (निसं)। करौली क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश के कारण करौली शहर में करीब आधा दर्जन मकान, दुकान,भवन और दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। मकान के ढहने से पिता-पुत्र की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए करौली अस्पताल में भर्ती कराया है। जबकि मृतकों के शव कर पोस्टमार्टम परिजनो के सुपुर्द कर दिया। सूचना पर सिविल डिफेंस और पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा घटना की जानकारी और क्षतिग्रस्त घर में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

करौली शहर चौकी प्रभारी महेश शर्मा ने बताया कि नदी दरवाजा क्षेत्र स्थित फराजपाड़ा में सुबह करीब 5:30 बजे एक पुराने मकान में बनी नाली दीवार सहित दूसरे मकान पर गिर गई, जिससे घर की छत की पट्टियां टूट गई और वहां सो रहे लोग दब गए। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए और घर में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इस दौरान पुलिस चौकी पर भी सूचना दी। घायल लोगों को करौली अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद जाकिर पुत्र छोटे और जिया पुत्र जाकिर को मृत घोषित कर दिया, जबकि राशिद पुत्र सईद और शौकीन का करौली अस्पताल में उपचार चल रहा है। बारिश के कारण इसी प्रकार बड़ी हटरिया क्षेत्र स्थित भट्टन की गली में एक दीवार गली के दूसरी ओर स्थित निजी स्कूलों पर जा गिरी। जिससे स्कूल भी क्षतिग्रस्त हो गया और रास्ता अवरुद्ध हो गया। छुट्टी का दिन होने के कारण बड़ा हादसा टल गया। इसी प्रकार चीकना फर्श क्षेत्र में अनुपयोगी पड़ी नंबर 6 स्कूल का भवन क्षतिग्रस्त हो गया। चौबेपाड़ा के नीचे एक मकान क्षीतग्रस्त हो गया घर क्षतिग्रस्त होने से मलबे में दो-तीन मोटरसाइकिल भी दब गई। इसी प्रकार चौधरी पाड़ा क्षेत्र में एक दुकान की दीवार भी क्षतिग्रस्त हो गई।

अलवर में लगातार हो रही बारिश ने 20 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

विश्व प्रसिद्ध सिलीसेढ बांध में 25 फीट पानी आ चुका है, इस बांध की भराव क्षमता 28 फीट है

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में लगातार हो रही बारिश ने करीब 20 साल का रिकार्ड तोड़ दिया है जिले में चारों तरफ नदी-नालों में उफान है। सरिस्का क्षेत्र व अरावली की पहाड़ियों पर हुई भारी बरसात ने अलवर जिले की इस मानसून की भरपाई कर दी है। प्रशासन व पुलिस अलर्ट मोड पर आ चुके हैं। लोगों को जल बहाव क्षेत्र पर जाने से पुलिस रोक रही है ताकि कोई अनहोनी ना हो जाए। अभी अलवर को मौसम विभाग ने यलो अलर्ट घोषित किया हुआ है। अगले तीन-दिन और भारी बारिश के संकेत दिए गए हैं। अगर ऐसी ही बारिश हो गई तो अलवर में तबाही भी आ सकती है।

अलवर के बांध और तालाब पिछले कई सालों से सूखे पड़े थे। थोड़ी मात्रा में सिलीसेढ में पानी मौजूद रहा। ऐसे में पेयजल के सभी श्रोत सूख चुके थे जिसका नतीजा हर साल पानी के लिए जनता हाहाकार करती थी। अब इतना पानी तालाबों और बांधों में आ चुका है जिससे अलवर की जनता को आगामी पांच साल पानी के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। अलवर की वो नदियां इस बार कलकलाती बह निकली जिनमें बीस सालों से कभी पानी आया तक नहीं, वहीं पूर्व कलेक्टर जितेन्द्र सोनी और सिंचाई विभाग के एक्सईएन संजय खत्री की पहल पर जयसाबंध झील पर किए अतिक्रमण को हटाने से इस बांध में इस बार पानी की अच्छी आवक हो रही है। अब तक इस बांध में साढे आठ फीट पानी आ चुका है, इसकी भराव क्षमता 23 फीट है। वहीं विश्व प्रसिद्ध सिलीसेढ बांध में 25 फीट पानी आ चुका है। इस बांध की भराव क्षमता 28 फीट है। सिंचाई विभाग के एक्सईएन संजय खत्री ने बताया कि अगर ऐसे ही बारिश हुई तो जल्दी ही सिलीसेढ में काफी सालों बाद चादर चल सकती है।

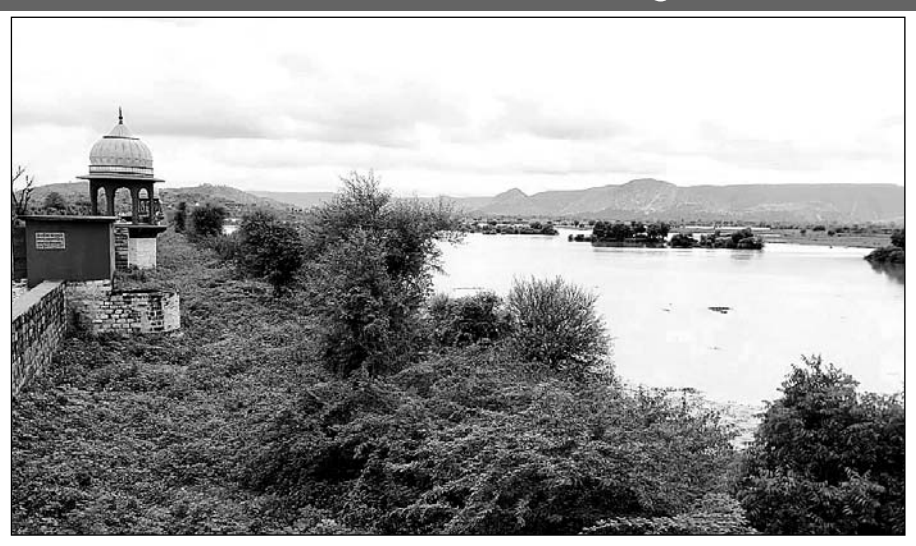

बरसात होने से अलवर के बांधों में पानी की आवक हुई।

- भारी बारिश से अलवर में नदी-नालों में उफान आया, दो बांध ओवरफ्लो हुये
- अलवर में यलो अलर्ट के चलते पुलिस व प्रशासन ने अनहोनी के डर से नदी-नालों पर सैलानियों को जाने से रोका

जबकि जिले में दो बांध जेतपुर और मानसरोवर ओवर फ्लों हो चुके हैं। जबकि रूपारेल नदी में पानी का बहाव सात से आठ फीट चल रहा है। शाम पांच बजे तक सिलीसेढ में 44एमएम बारिश दर्ज की गई। रविवार के दिन छुट्टी का आनंद लेने लोग पिकनिक मनाने सिलीसेढ, जयसाबंध, सागर और किशनकुण्ड पर भारी संख्या में देखे गए। वहीं भारी बरसात के चलते पुलिस प्रशासन ने लोगों बहाव क्षेत्रा पर जाने से रोक लिया।

करौली में लोगों ने छतों पर जाकर जान बचाई

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय पर लगातार दूसरे दिन मूसलाधार बारिश का कहर जारी रहा। इस दौरान शहर कि करीब एक दर्जन गली, मोहल्ले और कॉलोनियों में जल भराव हो गया। इस दौरान करीब तीन दर्जन लोगों को सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ और स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। प्रात: चार बजे शुरू हुआ बारिश का दौर दोपहर लगभग बारह बजे तक जारी रहा।

झमाझम बारिश के चलते करौली के रणगमा तालाब, इमली वाला ताल और बड़ वाले तालाब भी ओवरफ्लो होकर बहने लगे। ओवरफ्लो का पानी करौली शहर के मंडरायल रोड स्थित पुलिया के पास कई कॉलोनियों के घरों में घुस गया, जिससे बड़ी संख्या में लोगों ने घरों छत पर पहुंच कर अपनी जान बचाने के लिए मजबूर होना पड़ा।सूचना पर सिविल डिफेंस और स्थानीय लोगों ने रामद्वारा क्षेत्र, बग्गी खाना,पावर हाउस, वीर हनुमान क्षेत्र से रेस्क्यू का सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा। इसी प्रकार तीन दरवाजा क्षेत्र स्थित आलोक शर्मा अपने परिवार के साथ जल भराव के चलते पाटौरपोश घर की छत पर फंस गए। करीब 3 घंटे बाद स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद ट्यूब और रस्सी की मदद से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। सूचना पर सिविल डिफेंस की टीम भी मौके पर पहुंची और परिवार को सुरक्षित पहुंचाया।

कलेक्टर नीलाभ सक्सेना, एएसपी शंकर लाल मीणा सहित अन्य पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों ने भी प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर घटनाक्रम की जानकारी ली है। जल भराव से प्रभावित लोगों को ट्रक यूनियन स्थित बालिका विद्यालय, महात्मा गांधी मॉडल स्कूल गणेश गेट एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय नंबर सात में ठहरने के लिए प्रबंध किए।

तीन दर्जन लोगों को सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ और लोगों ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया

- करौली में बारिश का कहर जारी

गंगापुर सिटी में सड़कों पर चार फीट तक पानी भरा

गंगापुर सिटी, (निसं)। जिला मुख्यालय क्षेत्र में मेघों ने जमकर मल्हार गाया। यहां शनिवार रातभर से रुक-रुककर बारिश का दौर शुरू हुआ जो दूसरे दिन रविवार दोपहर तक जारी रहा। बारिश से शहर में सड़कों पर घुटनों तक पानी हो गया। वहीं गांवों में खेत भी लबालब हो गए। रविवार सुबह 8 बजे तक तो रिमझिम बारिश होती रही लेकिन इसके बाद तेज बारिश का दौर शुरू हो गया। बारिश के कारण शहर की अधिकांश कॉलोनियों और सड़कों पर बारिश का काफी मात्रा में पानी भर गया। नया बाजार में तो दरिया जैसी स्थिति दिखाई थी। तहसील कानूनगो राजेन्द्र जायसवाल ने बताया कि गंगापुर सिटी क्षेत्र में रविवार सुबह 8 बजे 11 मिमी बारिश दर्ज की गई, लेकिन इसके बाद ही जोरदार बारिश होने लगी और बारिश का यह दौर करीब 11 बजे तक जारी रहा। इसके बाद रुक-रुककर बारिश होती रही। इसे एक दिन पहले शनिवार को करीब 3 इंच बारिश हुई थी। क्षेत्र में एक जून से अब तक 648 मिमी बारिश दर्ज की जा चुकी है। गंगापुर सिटी में मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया हुआ है। एक सप्ताह से जिले में चल रही बरसात से जन जीवन पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो गया है।

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

केंन्द्रीकृत रोजगार सूचना संख्या 04/2024

सांकेतिक सूचना

पेरामेडिकल श्रेणियों के विभिन्न पदों की भर्ती

नीचे दी गई तालिका में पेरामेडिकल श्रेणियों के विभिन्न पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 16.09.2024 है। आवेदन (सभी तरह से पूर्ण) केवल ऑनलाइन ही जमा किया जाना चाहिए।

आवेदन आरंभ होने की तिथि: 17.08.2024
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 16.09.2024

पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	प्रारंभिक वेतन (₹)	चिकित्सा मानक	01.01.2025 को आयु	कुल रिक्तियां (सभी आरआरबी)
डाइटिशियन (लेवल 7)	7	44900	C2	18–36	05
नर्सिंग अधीक्षक	7	44900	C1	20–43	713
ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच थेरेपिस्ट	6	35400	B1	21–33	04
क्लिनिकल साइको लोजिस्ट	6	35400	B1	18–36	07
डेंटल हाईजिनिस्ट	6	35400	C2	18–36	03
डाईलिसिस टेक्नीशियन	6	35400	B1	20–36	20
स्वास्थ्य एवं मलेरिया निरीक्षक ग्रेड II	6	35400	C1	18–36	126
लेबोरेटरी अधीक्षक	6	35400	B1	18–36	27
परफ्यूसिनिस्ट	6	35400	B1	21–43	02
फिजियोथेरेपिस्ट ग्रेड II	6	35400	C1	18–36	20
ऑक्यूपेशनल थेरेपिस्ट	6	35400	C1	18–36	02
कैथ लेबोरेटरी टेक्नीशियन	6	35400	B1	18–36	02
फार्मासिस्ट(एंट्री ग्रेड)	5	29200	C2	20–38	246
रेडियोग्राफर एक्स–रे टेक्नीशियन	5	29200	B1	19–36	64
स्पीच थेरेपिस्ट	5	29200	B1	18–36	01
कार्डियक टेक्नीशियन	4	25500	B1	18–36	04
ऑप्टोमेट्रिस्ट	4	25500	B1	18–36	04
ईसीजी टेक्नीशियन	4	25500	C1	18–36	13
लेबोरेटरी सहायक ग्रेड II	3	21700	B1	18–36	94
फील्ड वर्कर	2	19900	C2	18–33	19
			कुल योग		1376

इसमें कोविड–19 महामारी के कारण एक बार के रूप में निर्धारित आयु सीमा से परे 3 वर्ष की छूट शामिल है"।
कृपया विस्तृत जानकारी के लिए आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध सीईएन 04/2024 देखें।

सीईएन 04/2024 में भाग लेने वाले आरआरबी की वेबसाइटें

अहमदाबाद www.rrbahmedabad.gov.in	चेन्नई www.rrbchennai.gov.in	मुजफ्फरपुर www.rrbmuzaffarpur.gov.in
अजमेर www.rrbajmer.gov.in	गोरखपुर www.rrbgkp.gov.in	पटना www.rrbpatna.gov.in
बेंगलुरु www.rrbbnc.gov.in	गुवाहाटी www.rrbguwahati.gov.in	प्रयागराज www.rrbald.gov.in
भोपाल www.rrbbhopal.gov.in	जम्मू–श्रीनगर www.rrbjammu.nic.in	रांची www.rrbranchi.gov.in
भुबनेश्वर www.rrbbbs.gov.in	कोलकाता www.rrbkolkata.gov.in	सिकंदराबाद www.rrbsecunderabad.gov.in
बिलासपुर www.rrbbilaspur.gov.in	मालदा www.rrbmalda.gov.in	सिलीगुड़ी www.rrbsiliguri.gov.in
चंडीगढ़ www.rrbcdg.gov.in	मुंबई www.rrbmumbai.gov.in	थिरुवानान्थापुरम www.rrbthiruvananthapuram.gov.in

यह अधिसूचना पूर्णत सांकेतिक प्रकार का है। उम्मीदवारों को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत सीईएन 04/2024 की पोस्ट पैरामीटर तालिका और रिक्ति तालिका को देखना आवश्यक है। उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धि–पत्र समय/परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय पर केवल आरआरबी की उपरोक्त वेबसाइटों पर जारी की जाएगी।

संख्या: RRB/All/Advt./CEN04/2024(Paramedical) अध्यक्ष
दिनांक: 12.08.2024 रेलवे भर्ती बोर्ड

दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें।

हिंडौन में साढ़े चार इंच बारिश, जनजीवन प्रभावित

हिंडौन सिटी, (निसं)। शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में रविवार को दूसरे दिन साढ़े चार इंच बारिश दर्ज की गई, जिससे शहर में बाढ़ की हालात बने हुए हैं तो वहीं ग्रामीण क्षेत्र के रास्ते अवरूद्ध हो गए हैं। हालांकि इस समस्या को लेकर देरी से हरकत में आए प्रशासन के अधिकारियों ने नाव में बैठकर शहर के जलमग्न इलाकों का दौरा किया।

जानकारी के अनुसार गत एक सप्ताह से अधिक समय से क्षेत्र में मानसून मेहरबान है। जिसके चलते गत दिवस की सबसे ज्यादा 4 इंच बारिश दर्ज हुई, जिससे घरों व दुकानों में पानी भरने से लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बाजार में सड़कों पर 4 से 5 फीट पानी भरा होने से दुकानों तक पहुंचने में समस्याएं आ रही है। शनिवार को दोपहर 12 बजे तक 99 एमएम बारिश से शहर में जलभराव हुआ। फुलवाड़ा के बांध का पूरा में तालाब का ओवरफ्लो होकर जाट के तालाब तक पहुंचे पानी ने शहर में आफत मचा दी।

नगर परिषद के कनिष्ठ अभियंता राजीव धाकड़ ने बताया कि रविवार को जल निकासी व पहाड़ी क्षेत्रों से सपाट व अन्य मार्गों से शहर में प्रवेश कर वर्षा के पानी को रोकने व अन्य राहत के लिए सीताबाड़ी, खटीक पाडा की पुलिया, करौली रोड पर अलग अलग टीम भेजी गई है। जेसीबी के माध्यम से खारी नाले में रुकावट को हटाया जा रहा है। वहीं जलभराव क्षेत्र में फंसे लोगों के आवास के लिए आश्रय स्थलों में व भोजन के लिए अन्नपूर्णा रसोई में व्यवस्था की गई है। एसडीआरएफ की टीम भी पहुंच गई है। एसडीआरएफ टीम की मदद से नाव में सवार होकर संभागीय आयुक्त सांवर मल वर्मा, आईजी राहुल प्रकाश व एसडीएम ने जलभराव क्षेत्रों का निरीक्षण किया।

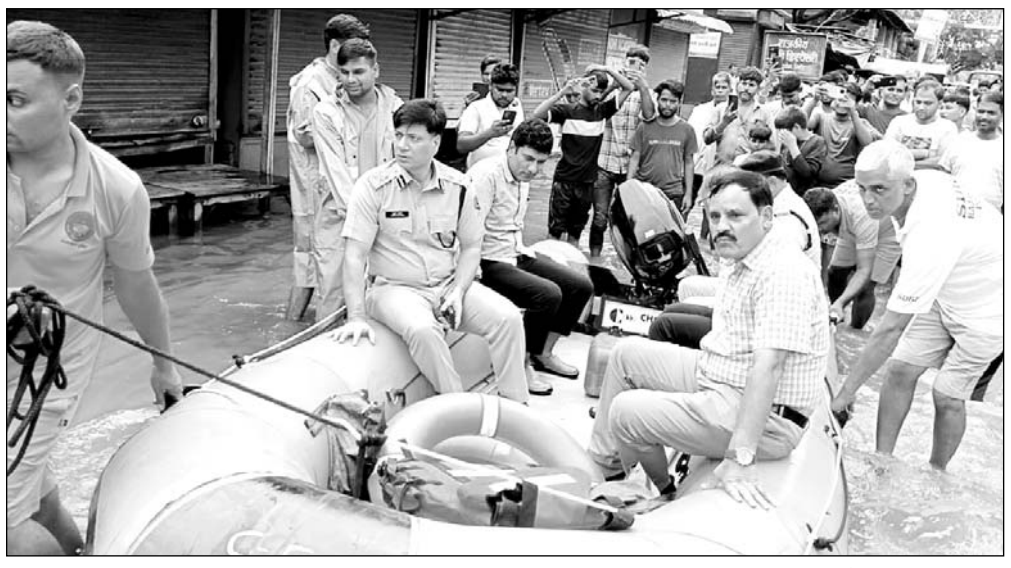

एसडीआरएफ टीम की मदद से नाव में सवार होकर संभागीय आयुक्त, आईजी व एसडीएम ने दौरा किया।

- कॉलोनियों और बाजार में पांच फीट तक भरा पानी, रेस्क्यू टीमें नांव के साथ राहत कार्य में जुटी
- फुलवाड़ा के बांध का पूरा में तालाब का ओवरफ्लो होकर जाट के तालाब तक पहुंचे पानी ने शहर में आफत मचा दी

भारी बारिश के 'रेड अलर्ट' के बीच जयपुर में 3 इंच बरसात

अलसुबह से देर रात तक हुई बारिश के कारण अधिकांश सड़कें जलमग्न हुईं, दिनभर रहा ट्रेफिक जाम

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर में भारी बारिश के रेड अलर्ट के बीच रविवार को 3 इंच बरसात हुई। अलसुबह से लेकर देर रात तक झमाझम बारिश का दौर चला। कभी तेज तो कभी मध्यम बारिश की फुंहारों से जहां मौसम सुहावना रहा, वहीं सड़कों पर हालात बदत्तर हो गए।

जयपुर-दिल्ली एक्सप्रेस हाईवे और जयपुर-सीकर हाईवे के साथ-साथ सीकर रोड पर ढेहर के बालाजी, निवारू, कालवाड़ व सिरसी रोड, जलमहल और जयपुर परकोटा समेत कई इलाकों में सड़कें पूरी तरह जलमग्न हो गयी। एम.आई.रोड पर भी करीब 2 से 3 फीट तक पानी बहता रहा। परकोटे के कई घरों में सीवरेज का गंदा पानी घुस गया, जबकि महेश नगर समेत कई इलाकों में सड़कें धंस गयी। जलमहल का पानी पाल को पार करके

- **महेश नगर में गणेश मार्ग स्थित 60 फीट रोड 15 फीट चौड़ा गड्ढ़ा हुआ**
- **जेकेलोन अस्पताल परिसर और सुभाष चौक इलाके के घरों में सीवरेज का पानी घुसा**

सड़क पर आ गया। वहीं जेकेलोन अस्पताल के अंदर भी पानी भरने से परेशानी हुई। दिनभर की बारिश के बीच शहर में जगह-जगह सड़कों पर भारी ट्रेफिक जाम लगा रहा, जिसे खुलवाने में यातायात पुलिस को भारी मशक्कत करनी पड़ी।

जयपुर जिला कलेक्ट्रेट स्थित कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक कलेक्ट्री पर 64 मिलीमीटर, आमेर में 10, सांगानेर में 38, कालवाड़ में 25, चौमूं में 40 व चाकसू में 63 एम.एम. बारिश दर्ज की गई। उधर मौसम विभाग ने जयपुर शहर, दौसा, सवाईमाधोपुर, करौली और टोंक के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश तथा कुछ स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी दी है।

रविवार को बारिश के दौरान जयपुर परकोटे में सड़कों पर 3 फीट ऊंचाई तक पानी बहता नजर आया। सुभाष चौक इलाके में सीवरेज का पानी लोगों के घरों में घुस गया। लोगों का कहना है कि प्रशासन ने यहां सड़क इतनी ऊंची कर दी गई है कि अब लोगों के घरों में बारिश व सीवरेज का पानी घुसने लगा है। तेज बारिश के बीच जेएलएन मार्ग के सीवरेज का पानी जेकेलोन हॉस्पिटल परिसर में आ गया। इमरजेंसी के सामने बने वार्ड, आईसीयू और ग्राउंड फ्लोर पर बारिश का पानी भरने से अस्पताल में मरीज परेशान हो गए।

आईसीयू, सोनोग्राफी वार्ड, एक्सरे रूम में सीवरेज का गंदा पानी आने से संक्रमण का खतरा बढ़ गया। हालांकि कुछ समय बाद अस्पताल परिसर में जमा पानी साफ करवा दिया। साथ ही हॉस्पिटल के सामने मिट्टी के कट्टे रखवाए गए।

वहीं जलमहल का पानी भी बाहर सड़क तक पहुंच गया, इस कारण सड़क पर करीब 2 फीट से ज्यादा पानी भरा रहा। जलमहल की पाल पर लगने वाले ठेले पानी में डूबे नजर आए। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस ने बड़ी चौपड़ से जल महल जाने वाले रास्ते को बंद कर दिया।

उधर कालवाड़ रोड, निवारू रोड, खिरणी फाटक व सिरसी रोड पर मुख्य सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण दिनभर भारी ट्रेफिक जाम लगा रहता है। सुबह गोविंदपुरा चौराहे पर करीब 1 घंटे वाहन फंसे रहे, इसके बाद दिन में भी कई बार ट्रेफिक जाम की स्थिति बनी रही। ऐसा ही हाल झोटवाड़ा पुलिया से चौमूं सर्किल तक रहा। यहां भी वाहनों का लंबा रैला सड़क पर नजर आया। चौमूं सर्किल से मुरलीपुरा, सीकर रोड जाने वाले रास्ते में पानी भरा होने के कारण यहां भी जाम की स्थिति बनी।

वहीं दूसरी ओर महेश नगर के गणेश मार्ग स्थित 60 फीट रोड पर अचानक सड़क धंस गई। यहां करीब 6 से 7 फीट गहरा और 15 से 20 फीट चौड़ा गड्ढा हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सीवरेज में पानी का रिसाव हो गया था, इस कारण सड़क धंस गई। लोगों की शिकायत पर प्रशासन ने महज 50-60 मिट्टी के कट्टे भिजवाए, सड़क पर गड्ढा होने से सिंगल लाइन पर ही वाहनों की आवाजाही होने से जाम की स्थिति भी बन रही है। उधर गुर्जर घाटी स्थित प्रभात जी का खोला में बारिश से झरना चलने लगा। रविवार को लोग बड़ी संख्या में यहां पहुंचे। झरने के पानी में नहाते दिखे। यहां सुरक्षा के नाम पर कोई व्यवस्था नहीं थी।

रविवार को दिनभर हुई तेज बारिश के कारण जयपुर-दिल्ली एक्सप्रेस हाईवे पुलिया पर भी पानी भर गया। हालात ऐसे थे कि जलभराव के कारण सड़क का किनारा तक नजर नहीं आ रहा था, ऐसे में यहां से गुजरने वाले ट्रक चालकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

सीकर रोड स्थित केडिया पैलेस चौराहे पर जलभराव से गुजरने वाहन चालक।

बारिश के कारण जयपुर जिले के स्कूलों में आज रहेगा अवकाश

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर शहर और जयपुर ग्रामीण में भारी बारिश को देखते हुए जिला कलेक्टर ने 12 अगस्त को सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया है।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मंजू शर्मा ने आदेश जारी किया है कि जयपुर शहर और जयपुर ग्रामीण के सभी राजकीय और गैर राजकीय विद्यालयों में कक्षा एक से 12 तक सभी छात्र-छात्राओं का सोमवार का अवकाश घोषित किया जाता है। सभी संस्था प्रधान इस आदेश की पालना सुनिश्चित करेंगे।

जयपुर-सीकर हाई-वे पर हरमाड़ा से ढहर के बालाजी तक भारी जलभराव और टूटी सड़क के कारण दिनभर ट्रेफिक जाम लगा रहा। बारिश के पानी के बीच कई वाहन बंद पड़े, जिन्हें धक्का देकर बाहर निकालना पड़ा। फोटो-राष्ट्रदूत

कलेक्टर राजपुरोहित ने जलभराव से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया

बाढ़ नियंत्रण कक्ष पहुंचकर भी राहत कार्यों की व्यवस्थाएं भी जांची

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर में रविवार को तेज बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने जल भराव से प्रभावित इलाकों में घूम-घूमकर स्थिति का जायजा लिया। कलक्टर ने वीकेआई और कांवटिया अस्पताल स्थित बाढ़ नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण भी किया। उन्होंने नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली, संसाधनों की उपलब्धता व सूचनाओं पर कार्य प्रगति की जानकारी ली।

कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने अधिकारियों को जलभराव प्रभावित इलाकों में जल्द से जल्द राहत पहुंचाने एवं जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने आमजन से भी जलभराव की स्थिति में जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष (दूरभाष नंबर 0141-2204475, 0141-2204476) में संपर्क करने की अपील की। कलक्टर ने बताया कि आमजन जयपुर नगर निगम द्वारा अग्निशमन केंद्रों पर संचालित घाटगेट बाढ्र नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर-8279179063, आमेर बाढ़ नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर-8279179060, वीकेआई बाढ़ नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर-8764880070, मालवीय नगर बाढ़ नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर-8764880030, मानसरोवर बाढ़ नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर-8764880060 एवं बनीपार्क बाढ़ नियंत्रण कक्ष (कांवटिया चिकित्सालय के पीछे) मोबाइल नंबर-8279179150 पर संपर्क किया जा सकते हैं।

लिपिक ग्रेड द्वितीय व कनिष्ठ सहायक परीक्षा में पहुंचे 70 फीसदी अभ्यर्थी

जयपुर । राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से 11 अगस्त को लिपिक ग्रेड द्वितीय, कनिष्ठ सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2024 का आयोजन हुआ। भर्ती परीक्षा का आयोजन दो पारियों में (प्रथम पारी- प्रात: 9 बजे से दोपहर 12 बजे, द्वितीय पारी- दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक) जयपुर शहर के 84 केन्द्रों पर हुआ। जिसमें कुल 23 हजार 907 अभ्यर्थी पंजीकृत थे।

अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) सुमन पंवार ने बताया कि जयपुर शहर के केन्द्रों पर पहली पारी में 70.42 फीसदी से अधिक अभ्यर्थियों ने अपनी मेहनत एवं किस्मत को आजमाया। जयपुर में कुल पंजीकृत 23 हजार 907 अभ्यर्थियों में से 16 हजार 837 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित रहे। वहीं, 7 हजार 70 अभ्यर्थी परीक्षा में अनुपस्थित पाए गए। उन्होंने बताया कि दूसरी पारी में जयपुर शहर के केन्द्रों पर 70.07 फीसदी से अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित रहे। दूसरी पारी में 16 हजार 752 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित रहे।

युवक टायलेट करने रुका तो बदमाश ले भागे बाइक

जयपुर (कासं)। सदर थाना इलाके में एक युवक को बाइक सड़क किनारे लगा कर टॉयलेट करना महंगा पड़ गया। बाइक सवार दो बदमाश आए और युवक की बाइक तथा उस पर रखा बैग लेकर रफूचक्कर हो गए। बैग में नकदी, मोबाइल व तिरपाल रखे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

- **राम मंदिर रेलवे स्टेशन के पास हुई वारदात, युवक के बैग में नकदी, दो फोन और तिरपाल रखा हुआ था**

पुलिस के अनुसार कलवाड़ा सेज निवासी कुलजीत जाटव ने मामला दर्ज करवाया कि वह बाइक से जा रहा था राममंदिर रेलवे स्टेशन के पास वह टॉयलेट करने रुका। वह टॉयलेट कर ही रहा था कि बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आए और एक बदमाश उसकी बाइक और बैग लेकर भाग निकला। उसने कुछ दूर बदमाशों का पैदल पीछा भी किया, लेकिन बदमाश तेज गति से बाइक चलाकर गलियों में ओझल हो गए। बैग में 500 रुपए, एक मोबाइल और दो तिरपाल रखे थे। इस पर पीड़ित ने थाने पहुंच कर शिकायत दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वहीं महेश नगर थाना इलाके में बाइक सवार दो बदमाश एक युवक के हाथ पर झपट्टा मार कर मोबाइल छीनकर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस के अनुसार महेश नगर फाटक निवासी सतीश प्रजापत ने मामला दर्ज करवाया कि वह बाजार जा रहा था इसी दौरान शिव निवास मैरिज गार्डन के पास पीछे से बाइक सवार दो बदमाश आए और उसके हाथ पर झपट्टा मार कर मोबाइल छीनकर ले गए। इस अप्रत्याशित घटना में पीड़ित कुछ समझ पाता तब तक बदमाश तेज गति से बाइक चलाकर गलियों में ओझल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

सार-समाचार

जैन बैंकर्स फोरम ने वृक्षारोपण किया

जयपुर । अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर की ओर से 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक के अवसर पर पंडित विजैलाल जी पांड्या की नसियां, आमेर रोड में प्रबंध समिति के साथ मिलकर अभिषेक, शांतिधारा, पूजापाठ किया गया। इस अवसर पर नसियां परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत अशोक के वृक्ष लगाकर पर्यावरण रक्षण का आव्हान किया । अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम जयपुर के अध्यक्ष भागचंद जैन मित्रपुरा ने बताया कि आज विश्व जल, वायु, ध्वनि व मृदा प्रदूषण से ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से जूझ रहा है। इसके निराकरण हेतु वृक्षारोपण ही एकमात्र सहज और सरल उपाय है। कार्यक्रम में भारतवर्षीय दिगंबर जैन(धर्म संरक्षिणी) महासभा राजस्थान के अध्यक्ष कमलबाबू-कला, शिखर चंद-कुसुम कासलीवाल साईवाड़ वाले, प्रकाश-मनोरमा चांदवाड, हीराचंद-आशा गर्ग, सुनील-माया संगही, सुधीर-पुष्पा बिलाला, संजीव-नीलम, मनोज-स्मिता, सुनील-सुशीला काला एवं जैन बैंकर्स फोरम से पूर्व चेयरमैन आरएमजीबी ज्ञानेंद्र जैन, सुकेश काला, मुकेश पांड्या, भागचंद जैन मित्रपुरा आदि ने सक्रिय भाग लिया।

पुलिस ने हुक्का बार पर मारा छापा मारा

जयपुर । शिप्रापथ थाना पुलिस ने हुक्का बार पर कार्रवाई करते हुए 60 से अधिक युवक और युवतियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई स्काई टेरेसा बिल्डिंग बने जयपुर वाइन कैफे पर की। पुलिस कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद युवक और युवतियों ने भागने की कोशिश की। लेकिन पुलिस ने सभी को डिटेन कर लिया। पुलिस कार्रवाई को देख कर संचालक कान्हा और कृष्णा मौके से फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी की जयपुर वाइन कैफे की आड़ में युवक-युवतियों को हुक्का परोसा जा रहा है। सूचना पर मुखबिर को मौके पर भेजा गया। मुखबिर से जानकारी सही पाए जाने की सूचना के बाद पुलिस टीम ने हुक्का बार पर रेड की। इस दौरान 60 से अधिक युवक और युवती बार में हुक्के का सेवन करते मिले। इसके अलावा पुलिस ने 13 युवतियों को मौके पर ही रिलीज कर दिया। वहीं 60 युवकों को डिटेन कर थाने लेकर आई। पुलिस की कार्रवाई को देख कर कैफे का संचालक कान्हा व कृष्णा मौके से भाग निकले और पुलिस की ओर से इस मुकदमे में दोनों को गिरफ्तार किया जाएगा।

बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जयपुर । खोह नागोरियान थाना इलाके में स्थित आगरा रोड पर एक बस ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि महिला गंभीर रुप से घायल हो गई। पुलिस के अनुसार इंद्रप्रस्थ कॉलोनी आगरा रोड निवासी कौशल कुमार सोनी अपनी मां राजन देवी के साथ सोडाला से घर लौट रहा था। जहां मुरलीवाला गार्डन के सामने एक बस ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे कौशल कुमार और राजन देवी घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंच कर पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां पर कौशल कुमार की मौत हो गई। पुलिस ने बस को जब्त कर थाने पर खड़ा करवा दिया है।

7 तीर्थों के जल से आज होगा 'महाशिवाभिषेक'

जयपुर । सावन के चौथे सोमवार को छोटीकाशी के शिवालयों में एक बार फिर हर-हर महादेव का जयघोष होगा। बोल बम ताडक़ बम के साथ भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। इसी कड़ी में धार्मिक जागरूकता के प्रसार-प्रसार, सामाजिक समरसता, आध्यात्मिक उन्नित और परंपराओं का संरक्षण के लिए स्वेज फार्म सोडाला के सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में सोमवार, 12 अगस्त को सुबह पांच से दोपहर दो बजे तक मंदिर महंत अवधेश दास महाराज के सान्निध्य में हरिद्वार से लाए गंगाजल से अभिषेक किया जाएगा। शनिवार को आयोजक राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी पंकज ओझा और गब्बर कटारा ने सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा को कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया। उन्होंने आमंत्रण स्वीकार कर पोस्टर का विमोचन किया।

गंगाजल के अलावा अन्य पवित्र तीर्थों के जल, दिव्य औषधियों से भी भोलेनाथ महाशिवाभिषेक किया जाएगा। कार्यक्रम सभी भक्त शामिल हो सकेंगे। इसमें भाग लेने वाले किसी भी श्रद्धाल से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। सुबह 5 बजे भगवान शिव आरती एवं मंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। अभिषेक के दौरान भजनों स्वर लहरियां गूंजती रहेगी। अभिषेक में 7 तीर्थों का जल उपयोग में लिया जाएगा हरिद्वार का गंगाजल, कैलाश मानसरोवर का जल, गंगासागर का जल, रामेस्वरम का जल,नर्मदा का जल, सरयू नदी का जल, पुष्कर का जल शामिल है। नाग केशर प्रियंगु, भांग, शमी पत्र, आकड़ा, सात प्रकार के रस और गौ दुग्ध धारा से अभिषेक किया जाएगा। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल बड़े टैंकर में भरकर जयपुर लाया जाएगा। जयपुर में गंगाजल का स्वागत ढोल-नगाड़ों के साथ किया जाएगा। गंगाजल में प्रमुख नदियों एवं सरोवरों का जल मिलाकर अभिषेक किया जाएगा। भक्तों को गंगाजल जल भरा कलश, बेल पत्र और पुष्प उपलब्ध करवाए जाएंगे। जो लोग पवित्र स्थान से कावड़ नहीं ला सकते वे टैंकर से कावड़ में जल भरकर ले जा सकेंगे।

हनीट्रेप में फंसाने की धमकी देकर 70 हजार रु.ऐंठे

जयपुर । जवाहर सर्किल इलाके में एक व्यवसायी को हनीट्रैप में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। जानकारी में सामने आया है कि इमोशनल ब्लैकमेल कर व्यवसायी से 70 हजार रुपए ऐंठे गए। हनी ट्रैप केस में जेल भेजने की धमकी देकर पन्द्रह लाख रुपए की डिमांड की गई। पुलिस ने बताया कि सिविल लाइन निवासी व्यवसायी ने मामला दर्ज करवाया कि मालवीय नगर में उनकी कंपनी है। मई-2024 में कंपनी में एक युवती को नौकरी पर रखा था। करीब 2 महीने नौकरी करने के दौरान रुपयों की जरूरत होने की कहकर 2 लाख रुपए मांगे। सैलेरी के अनुसार ही रुपए देने की कहने पर मजबूरी बताने पर 20 हजार रुपए दे दिए। कुछ दिनों बाद रोते हुए इमोशनल ब्लैकमेल कर 50 हजार रुपए ओर ले लिए। आरोप है कि उसके बाद नीतू के जानकारों ने कॉल कर उसे धमकाना शुरू कर दिया। हनीट्रेप केस में फंसाने की धमकी देकर 15 लाख रुपए की डिमांड की। इस पर पीड़ित ने मामला दर्ज कराया।

डिग्गी-कल्याणजी पदयात्रा के लिए भंडारा

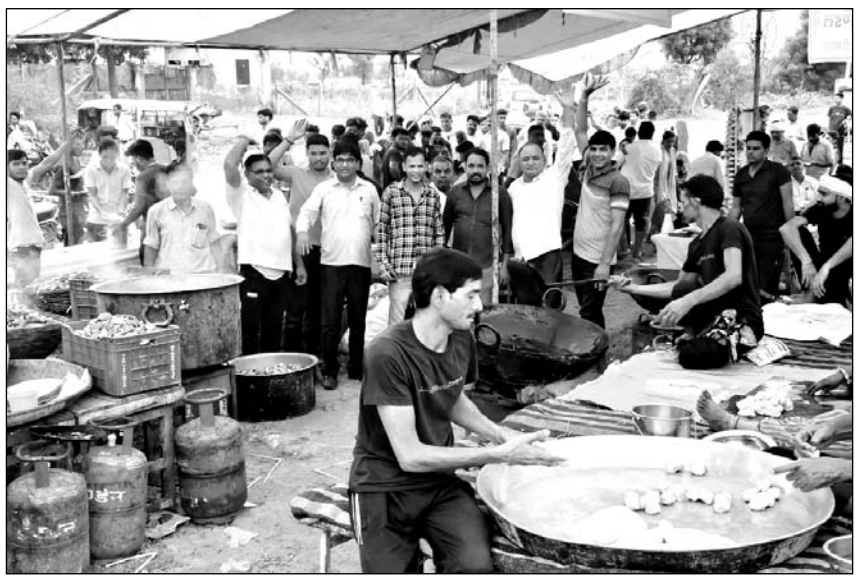

श्री श्याम भक्त मंडल गोपालपुर गांव, त्रिवेणी मोड़ जयपुर की ओर से प्रतिवर्ष भांति 23 वां विशाल भंडारा डिग्गी रोड डेचवास स्टेशन, मासी नदी, चोचला पर लगाया गया है। यह भंडारा डिग्गी कल्याणजी के पदयात्रियों के लिए 11 से 13 अगस्त तक 3 दिन चलेगा। श्री श्याम भक्त मंडल की ओर से इस भंडारे में कल्याणजी की पदयात्रा में शामिल होने वाले जातरूओं के लिए भोजन-पानी की व्यवस्था की गई है।

ARBiT
it happens here...

World Elephant Day

They're intelligent. They're family-oriented. They have great memories. They are capable of feeling a wide range of deep emotions, from intense grief to joy bordering on elation, as well as empathy and stunning self-awareness. They create complex, supportive societies much like our own. Still, countless elephants are brutally killed every year for their ivory by greedy poachers, who then leave their carcasses to rot in the sun. *World Elephant Day* is the perfect time to find out more about these amazing animals and what we can do to preserve and protect them so that they do not go the way of the mammoth.

राष्ट्रदूत
MONDAY
12 August 2024
A-B

#FOOD-TALK

Delicious Ways To Eat Watermelon

Here are our favourite ways to enjoy this delicious, hydrating summer fruit.

Most of us enjoy watermelon the old-fashioned way, sliced into triangles and eaten fresh. But there are many other ways to enjoy watermelon. It can be kept raw, frozen, or puréed and strained to create juice. You can also eat the rind and seeds to eliminate food waste even further! Here are some of our favourite ways to use watermelon.

- **Salads:** Watermelon and feta salads are one of the most popular ways to enjoy this fruit, and for good reason. The sweet watermelon and briny feta are a perfect pair. Try adding other ingredients like tender butter lettuce, seasonal heirloom tomatoes, or orange segments to the mix. You can also play around with different cheeses. Creamy Goat cheese and Salty Ricotta Salata are great options.
- **Gazpacho:** What grows together goes together. That's why watermelon is the perfect accompaniment to tomatoes, cucumbers, and sweet bell peppers in a cooling bowl of gazpacho.
- **Appetizers:** Don't let cantaloupe have all the appetizer fun, watermelon deserves its day in the sun. Wrap thin slices of prosciutto around fingers of watermelon, or use it on a platter with mozzarella balls, cured meats, and fresh basil.
- **Soaked in Booze:** Whichever way you slice it, watermelon is at its peak when soaked in alcohol. Cut the melon into cubes, triangles, or fingers, then, choose your booze. Tequila, Vodka, and Gin all work well. Leave the melon, soaking in the refrigerator, for at least six hours to maximize the boozy benefits.
- **Caprese Salad:** Watermelon can be used in place of or in addition to tomatoes in a traditional caprese salad. The crunch of the watermelon adds a new level of texture to the dish.
- **Salsa:** You see salsas made with fruits like strawberries, mango, and pineapple, why not watermelon? It's equally as sweet and has the added benefit of adding a bit of crunch. Toss diced watermelon with some lime juice, sliced chillies, and fresh cilantro. Then, spoon it over your favourite grilled protein.
- **With Spices:** Spice mixes really help bring out the sweetness in watermelon. For snacking, drizzle sliced or cubed watermelon with some fresh lemon or lime juice, then, go as heavy with the spices as you can handle. Try fiery ones like Tajin, chili powder, or cayenne. We also love a heavy dusting of toasted sesame seeds or dukkah.
- **Fruit Salad:** What would a fruit salad be without melon? While watermelon is ripe during the summer, incorporate it into a colourful fruit salad with your other favourites like pineapple, strawberries, and blueberries.
- **Fruit Leather:** You can turn any fruit into homemade fruit leather. Essentially, you're dehydrating the fruit to remove the moisture, which leaves it extra sweet. Try it with watermelon and any other seasonal fruits.
- **Dessert Pizza:** Watermelon pizza is a healthy way to enjoy dessert, and kids love it. Cut a thick round from a watermelon, spread one side with yogurt or ricotta, and sprinkle on your favourite toppings such as granola, chocolate chips, and other fresh fruit.

Another legend is that Bahadur Shah Zafar was determined not to lead the rebel sepoys, who had promised him the wealth of India to fill up his depleted coffers, but a dream made him change his stance. According to his private secretary, Jivan Lal, the King was told, in a vision, by his grandfather (Shah Alam) that the time had come to undo what had happened at the Battle of Plassey, 100 years ago and that he should lead the rebellion. But at 82, Bahadur Shah hardly slept at night because of a persistent cough and dreams had long ceased to be part of his sleep.

India's First War of Independence.

1st BATTLE FOR INDEPENDENCE

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

#AZADI-GATHA

Though Jaipur State did not take active part in the 'Mutiny' of 1857, it did give refuge to a number of freedom fighters, who escaped the British wrath. Earlier, even *Firangi* fugitives from Delhi and Agra sought protection in Jaipur. Among them was Sir Theophilus Metcalfe, who fled on a horse, wearing Indian clothes provided by the *Thanedar* of Paharganj. He stayed on in the city till the British forces had recaptured Delhi, and was most thankful to *Maharaja* Sawai Ram Singh II for saving his life, after a *Gujjar* mob raided Metcalfe House in North Delhi, and chased him half-naked upto Daryaganj. He died in 1883, three years after the *Maharaja*, who ruled from 1835 to 1880, part of which period coincided with the 'Mutiny' or the First War of Independence.

The First War of Independence in 1857 was a watershed in India's history as it marked the end of the medieval era and the beginning of a new one, the precursor of the modern age. That was also the time when legends and superstitions played a big part in guiding the destinies of both, the British and Indian contestants. The late Lala Hanwant Sahai's grandfather had heard in *Chandni Chowk* that when the new moon would come right above the ramparts of the Red Fort, its moat would be filled up with the blood of the *Feringis*, but if the blood made its way to the Yamuna and polluted the river, the British would win back what they had lost.

Hanwant Sahai was one of those held for conspiracy in the *Hardinge Bomb case* of 1912 but by then, his grandfather was dead. The *Maulvi* of Faizabad, Ahmadullah Shah, who had made the prophecy of the new moon, had done so not in Delhi, but in the main market of Meerut, where '*Sab lal hoga*' slogans, in crimson dye, were daubed on walls and stables. To counter Sir Charles Napier's assertion that if he became Governor General, 'Christianity would become the State religion as Providence had entrusted India to England,' the *Maulvi* had called upon Muslims and Hindus to combine and protect the faith of their forefathers. His deep-set eyes and fierce mien had the desired effect when he told the sepoys in Sadar Bazar, Meerut that the Queen's Rifles had been ordered to disarm them. With a loud shout of '*Maro ferenghi ko*,' the sepoys ran to the cantonments and set the bungalows of the British ablaze. Col John Finnis, a veteran of 40 years, who tried to stop them, was shot through the head, the first of many killed from Sunday, May 10 till Monday, when the sepoys left for Delhi.

On the way, they saw a *bluejay* (*neelkanth*) flying towards their destination and the Hindus among them shouted, "There goes *Lord Shiva's sentinel* to guide our way." Soon after, a white-bearded *fakir* was sighted sitting on a mound and reciting the *Kalma*, which the *Mussalman* soldiers took as a propitious sign. However, the *fakir* was disturbed in his recitation by a king cobra, with hood raised, that threatened to strike him. The *Pathan* sepoys picked up stones to kill it, but their *Brahmin* and *Rajput* comrades forbade them, saying that it, too, was a sign of Shivji's blessing to the cause. The alarmed *fakir* suddenly stood up, with his '*chimta*', tongs of bent iron, and the snake, taking fright, slithered away into the thicket.

Rare pic of Emperor Bahadur Shah Zafar, with sons, at his renovated tomb in Yangon.

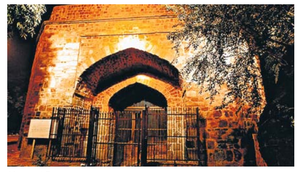

Khooni Darwaza.

Zafar Mahal.

Another legend is that Bahadur Shah Zafar was determined not to lead the rebel sepoys, who had promised him the wealth of India to fill up his depleted coffers, but a dream made him change his stance. According to his private secretary, Jivan Lal, the King was told, in a vision, by his grandfather (Shah Alam) that the time had come to undo what had happened at the Battle of Plassey, 100 years ago, and that he should lead the rebellion. But at 82, Bahadur Shah hardly slept at night because of a persistent cough and dreams had long ceased to be part of his sleep. It was his queen, Zinat Mahal, who later won him over to support the freedom fighters.

The *Angel of Death* was seen hovering over the Red Fort, an apparition also witnessed before the death of Aurangzeb, in Feb 1707. A headless warrior riding a horse startled many a belated traveller near the Kashmere Gate. He came to be known as the *Dund* or man with just a neck sticking out above his shoulders. The *Dund* was also seen in Bareilly, Agra, Lucknow, Jaipur and Faizabad. And wherever he went, there was bloodshed. In Agra, reported *The Statesman*, before the onset of the summer of 1857, a sheet of blood was seen on several nights in the sky that seemed to extend right up to Delhi and beyond.

Strange sightings were reported on the Ridge, too, by English soldiers. One of them saw a long line of kings, silently trooping down to the city and then disappearing (end of the Mughal dynasty?). Another soldier saw his dead father wagging his finger, as though warning him of lurking dangers. A British woman, Harriet Tytler, wife of Capt Robert Tytler, dreamt that the baby, she was carrying in her womb, would have to pass through a harrowing time until both, she and her child, were rescued by *Punjabi* or *Pathan* sepoys. Harriet did, in fact, give birth on the Delhi Ridge and her baby nearly died of dysentery during the rains that followed. However, she was able to take the child safely to Karnal. In Shahjahanpur, the daughter of a Protestant priest had a nightmare, in which she saw a whole lot of people being shot, among them her father. She also saw a man in black, walking in her house after midnight. The spectre would always disappear near the staircase. Her dream came true as on a May morning in 1857, rebel sepoys attacked and killed many *Firengis* including the girl's father. But she and her mother escaped.

In Chandni Chowk, a *Sikh sewadar* saw a vision of men hanging from gibbets that extended from *Lal Mandir* to *Fatehpuri Mosque*. Later, it turned out that the avenging British did hang many sepoys and others whom they suspected of taking part in the revolt from gibbets in the Chowk. The grandmother of Haji Zahur was troubled by dreams, in which she saw dead bodies rotting in front of *Gurudwara Sis Ganj*, with an overwhelming stench that seemed to persist even after she woke up. As it turned out, the bodies of two sons and a grandson of Bahadur Shah Zafar, who had been killed by Lt. Hodson at the *Khooni Darwaza*, were thrown to rot in front of the *gurudwara* at the spot now marked by Northbrook Fountain.

In Daryaganj, the '*nehar*' or canal, that flowed through it, was reportedly seen to be covered with blood by a relative of Sir Sayyid Ahmad Khan, or this is what his dream foretold. When Sir Sayyid, then 40-years-old, came to inspect his house after the disturbances were quelled, he found it in bad shape but whether the relative escaped is not known. At the *Khooni Darwaza* or *Lal Darwaza* of Alauddin, a man walking towards the Delhi Gate, one evening, saw blood trickling down, as though somebody had been murdered there. And at a shrine near the Jamuna, a naked *faqir* was heard chanting '*Mar, mar*' at the beginning of May 1857. Another *faqir* in Shahjahanpur made his *takia* (abode) ring with the same chant as did a *sadhu* in Jaipur's old cremation ground.

What does one make of these uncanny happenings? Do coming events cast their shadow, especially of macabre incidents? One doesn't know but then, all the witnesses couldn't be lying. Incidentally, modern research has proved that the mind has infinite capacities of foresight. May be, what are termed as gloomy 'Pre-Mutiny' yarns were not just balderdash.

Ballimaran, the *haveli* of Hakim Ahsanullah Khan can still be seen with its old ambience preserved. The *hakim* was not only the personal doctor of Bahadur Shah Zafar, but also his closest adviser. Some distance away at *Lal Kuan* is the *Zeenat Mahal*, ancestral home of the emperor's youngest wife, now turned into a school, and not far from *Mubarak Masjid*, built by the Bibi of Gen Ochterlony, an ex-dancing girl. She, later, married a Mughal soldier, Wilayat Khan and took active part in the First War of Independence. In Karol Bagh, Rao Tula Ram School is a reminder of the brave ruler of *Rewari*, whose ancestor, Rao Tej Singh sided with Scindia at the Battle of Patparganj in 1803, which Lord Lake won for the British. After Tula Ram's defeat at the battle of Narnaul in November 1857, the gallant ruler joined Tantya Tope and in 1862, escaped to Russia. (Something that Netaji Subhas Chandra Bose was to emulate at the outbreak of World War II.) Another hero of the Revolt was Raja Nahar Singh of Ballabgarh, who blocked the road to Delhi. "This Barrier of Delhi," admitted Sir John Lawrence to the Governor-General, Lord Canning, "was very difficult to break unless we receive reinforcements from China or England." According to Purushottam Salvi's book, *A Long Drawn War of Freedom*, Nahar Singh tried to persuade Bahadur Shah to take refuge in Ballabgarh, but the emperor refused, and was captured at Humayun's tomb. However, Nahar Singh avenged the death of Zafar's sons and grandson at the hands of Hodson by killing a large number of *firangi* soldiers. Eventually, Nahar Singh was lured by the British to Delhi on the pretext of helping them reach an agreement with Zafar. Once he entered the city, he was captured and as he did not accept the hand of friendship extended to him, was hanged on his 35th birthday, Sept 21, 1858.

One prince, who escaped the vengeful British, was Feroz Shah, who had been away on *Haj* when the Revolt broke out. On his way to Delhi on Aug 26, 1857, the troops in Gwalior pleaded with him to lead them. The prince agreed and captured Dhar but was later defeated and, after joining Tope, managed to escape to Nepal. His not so fortunate younger brother was Mirza Nasir-ul-Mulk, who became a cripple and was reduced to begging. Besides the more famous events of 1857, these remain half-forgotten episodes of those tumultuous times, when Independence was almost achieved by the rebel sepoys and the marks of cannonading on the walls of the Kashmere Gate and the spot where the British magazine or ammunition store was blown up are evidence of this.

rajeshsharma1049@gmail.com

Rebel sepoys at Delhi, India, at the outbreak of the Indian Rebellion.

The storming of the Kashmere Gate in 1857, during the siege of Delhi by British forces, was one of the great feat of arms of the bloody conflict.

#NEUROSCIENCE

How Your Brain Remembers

The findings reveal insights into how the brain organizes personal experiences and maintains stability despite constant updates

Researchers developed a computer model that mimics how the hippocampus stores new episodic memories without erasing old ones. This model demonstrates that the CA3 region of the hippocampus serves as an anchor point for memories, allowing efficient storage in surrounding regions.

The findings reveal insights into how the brain organizes personal experiences and maintains stability despite constant updates. The model shows promise for enhancing our understanding of memory retention and cognitive processing.

Key Facts

- *Episodic Memory Function:* Episodic memory allows individuals to store unique personal experiences in a temporal and spatial context, forming a foundation for personal identity.
- *Hippocampus Role:* The study redefines the function of the hippocampal CA3 region, suggesting that it acts as an anchor for memories rather than storing them directly.
- *Memory Stability:* The model maintains memory stability by organizing new experiences without disrupting existing ones, akin to adding books to a well-organized library.

The brain is constantly storing new experiences that it has to integrate into the jumble of existing memories. Surprisingly, it does not overwrite previous memory traces in the process.

The first day of school, entering the classroom for the first time, the excited feeling in your stomach and the joy of having a school bag, these are all typical examples of memories from our episodic memory. It stores unique personal episodes in a temporal and spatial order and links them to subjective experiences.

In a study at the Institut für Neuroinformatik at the Faculty of Computer Science of Ruhr University Bochum, Germany, a team, led by Professor Laurenz Wiskott, has developed a new computer model of episodic memory and thus made significant progress in understanding the hippocampus, the region of the brain that is crucial for the formation of new episodic memories.

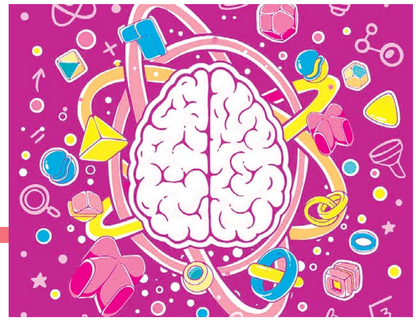

Episodic memory is an important basis for our personal life story. It helps us to form our identity by storing and connecting past experiences and events in the right order.

"This happens through changes in the connections between the nerve cells in our brain," explains Laurenz Wiskott.

"A so-far unexplained phenomenon was how the human brain is able to make these changes without forgetting other memories, even though, the experience is only seen exactly once and therefore cannot be slowly and carefully integrated into the circuit diagram of the nerve cells."

The Bochum researchers' innovative computer model makes it possible to recreate precisely this natural ability of the human brain, to reliably store sequences after a single presentation without destroying previous memories.

The model focuses on the principles of self-organization in the hippocampus and is based on the CRISP theory of Professor Sen Cheng, also a researcher at Ruhr University Bochum. The abbreviation stands for Content Representation, Intrinsic Sequences, and Pattern Completion.

In particular, the model redefines the function of the so-called CA3 region in the hippocampus. "Previously, it was assumed that episodic memories were stored directly in the CA3 network," says first author Dr. Jan Melchior.

"However, we now use the CA3 region only as a kind of anchor point for memory. Storing takes place in the regions that come before and after CA3."

To achieve this, the research team trained the CA3 region in their model with pre-information and thus, figuratively speaking, set up a well-organized library in CA3.

"When new books, i.e., new experiences, are added, the library does not have to be completely reorganized. Instead, new books are added to the existing structure and linked to existing shelves and categories," continues Jan Melchior. This saves time and keeps the library well organized.

The CA3 region remains stable in the model and can work efficiently without the need to constantly adapt its internal structure. This makes processing and storage of information faster and more reliable. Neural changes during the learning process occur exclusively in adjacent regions. The results of simulation convinced the researchers. "I still regard the robustness of the model as surprising," says Laurenz Wiskott. "Even with incomplete or incorrect cues, a single presentation of a pattern sequence can be reliably stored, remembered and retrieved."

"The model works not only with artificially generated sequences, but also with handwritten numbers and natural images," adds Jan Melchior. "It can also improve itself without additional input by repeatedly replaying what it has learned."

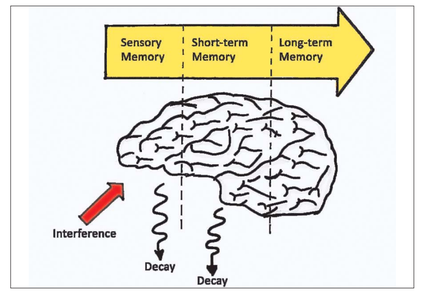

THE WALL

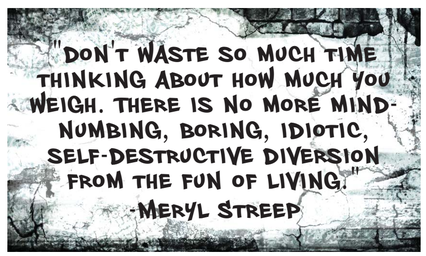

BABY BLUES By Rick Kirkman & Jerry Scott

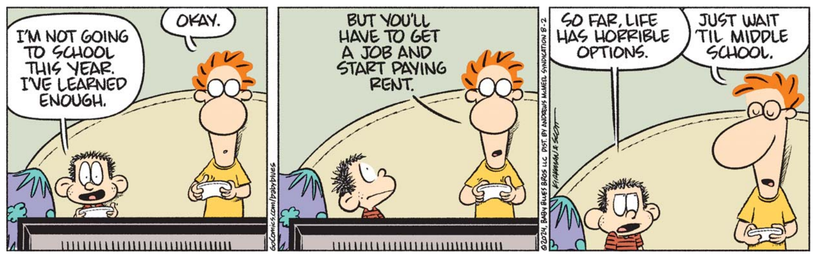

ZITS By Jerry Scott & Jim Borgman

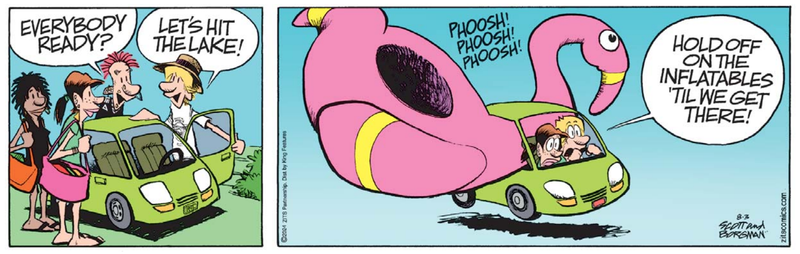

कालाडेरा फैक्टरी हादसा : तीन और मजदूरों की अस्पताल में मौत

हादसे में 19 लोग घायल हुए थे, अब तक चार मजदूरों ने दम तोड़ा

चौमूं/कालाडेरा, (निंस)। कालाडेरा में लोहा ढलाई फैक्टरी के बॉयलर (भट्टी) में गत दिनों ब्लास्ट हुआ था। हादसे में 19 मजदूर झुलस गए थे, जिनमें से 8 मजदूरों का गंभीर हालत में जयपुर के एस. एम. एस अस्पताल में इलाज चल रहा था।

गुरुवार को एक मजदूर सुरेश जाट निवासी हाथनोदा की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। वहीं शनिवार देर रात को दो मजदूर विनोद कुमार गुलिया (31) पुत्र सुवालाल गुलिया निवासी जैतपुरा चौमूं, बबलू कुमार यादव (28) पुत्र जयप्रकाश यादव निवासी कोहलीखल थाना बरहरगंज जिला गोरखपुर उत्तर प्रदेश व रविवार को एक मजदूर चौथूराम पुत्र हरदेव निवासी खोराबिसल थाना मुरलीपुरा जयपुर की इलाज के दौरान मौत हो गई। अब तक हादसे में कुल चार मजदूरों की मौत हो चुकी है। वहीं 4 मजदूरों का अभी भी एस. एम. एस अस्पताल के बर्न वार्ड में इलाज चल रहा है। जैसे ही मजदूरों की मौत की जानकारी मिली तो गोविन्दगढ़ डीवाईएसपी राजेश जांगिड़ व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने एस. एम. एस अस्पताल पहुंचे और मृतक के परिजनों को ढांढस बंधाया और अन्य घायलों की भी कुशलक्षेम जानी व मुख्यमंत्री से परिवार जनों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

चौमूं एसडीएम दिलीप सिंह राठौड़ ने बताया कि चौमूं उपखण्ड के कालाडेरा रीको मे स्थित लोहा ढलाई फैक्टरी में बॉयलर (भट्टी) फटने से जो हादसा हुआ था उसमें अब तक 4 मजदूरों की मौत हो चुकी है। इन मजदूरों के परिवार को पूर्व मृतक मजदूर के परिवार को आर्थिक सहायता के लिए पैकेज दिया गया था वो पैकेज इन मृतकों के परिवार को भी मिलेगा। वहीं जिन लोगों का आयुष्मान योजना में नाम नहीं है उनका सर्वे करवाकर मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजा जाएगा।

गोविन्दगढ़ डीवाईएसपी राजेश जांगिड़ ने बताया कि कालाडेरा रीको में लोहा ढलाई फैक्टरी हादसे में 19 मजदूर घायल हुए थे जिनमें से 8 गम्भीर रूप से घायल मजदूरों का इलाज चल रहा था जिनमें एक मजदूर की पूर्व में मौत हो चुकी थी वहीं शनिवार देर रात को 2 मजदूरों व रविवार को 1 मजदूर की मौत हो गई अभी तक 4 मजदूरों की इलाज के दौरान एस. एम. एस अस्पताल में मौत हो चुकी है। वहीं 4 मजदूरों का अभी भी एस. एम. एस अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं दो मजदूरों का चौमूं के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है, बाकि 9 मजदूरों को छुट्टी दे दी गई है। तीन मृतकों के शव परिवारजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं चौमूं विधायक डॉ.शिखा मील बराला ने भी मृतकों के प्रति संवेदना प्रकट की है।

वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ने चौमूं उपखण्ड के कालाडेरा रिको में स्थित ओम एंटरप्राइजेज कास्टिंग फैक्ट्री में बॉयलर फटने से हुई दुर्घटना में मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत लाभ देय नहीं होने की स्थिति में मुख्यमंत्री सहायता कोष के नियमों में शिथिलता प्रधान कर अपवाद स्वरूप मृतक आश्रितों को दो लाख रूपये एवं घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता स्वीकृत की गई है।

जयपुर के एसएमएस अस्पताल पहुंचकर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा व गोविन्दगढ डीवाईएसपी राजेश जांगिड़ ने जानकारी ली।

- पूर्व विधायक रामलाल शर्मा व गोविन्दगढ डीवाईएसपी राजेश जांगिड़ एसएमएस अस्पताल पहुंचे

बंद पड़े उप स्वास्थ्य केन्द्र में लापता युवती का शव मिला

खेतड़ीनगर के राजकीय स्कूल में संविदा शिक्षक के रूप में कार्य करती थी युवती

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ीनगर थाना क्षेत्र के गोठड़ा पंचायत की बाढ की ढाणी में रविवार को एक युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवती का शव दो साल से बंद पड़े उप स्वास्थ्य केंद्र के कमरे में पड़ा हुआ मिला।

जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर को खेतड़ीनगर पुलिस को सूचना मिली कि बाढ की ढाणी में बने उप स्वास्थ्य केन्द्र में एक लड़की का शव पड़ा हुआ है। थानाधिकारी विजय कुमार चंदेल मय जाब्ते के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। संदिग्ध अवस्था में शव मिलने पर एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया। बताया जा रहा है कि उप स्वास्थ्य केन्द्र कई दिनों से बंद पड़ा हुआ है। थानाधिकारी विजय सिंह ने बताया कि दोपहर को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाई तो सामने आया कि ढाणी की एक युवती लापता हुई थी। जिस पर जानकारी जुटाई तो सामने आया कि बाढ की ढाणी निवासी मीना (22) पुत्री रामनिवास सैनी रात को घर से लापता हो गई थी। इस दौरान परिजनों को मौके पर बुलाकर शिनाख्त करवाई तो परिजनों ने उसकी पहचान कर ली।

मृतका मीना खेतड़ीनगर के राजकीय स्कूल में संविदा शिक्षक के रूप में कार्य करती थी तथा उसके पिता रामनिवास भी मजदूरी करते हैं। मृतका का एक छोटा भाई बीए प्रथम वर्ष में पढ़ाई करता है। घटना की सूचना पर विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी ली। विधायक ने पुलिस को मामले की गहनता से जांच करते हुए त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। घटनास्थल से एफएसएल टीम द्वारा जांच के दौरान आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया गया है। डीएसपी जुल्फीकार अली ने बताया कि प्रथमदृष्टया मामला मर्डर का होना सामने आया है, जिसको लेकर दो पुलिस टीमों का गठन कर वारदात के आरोपियों का सुराग लगाने के निर्देश दिए गए हैं। मृतका के शव को राजकीय उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है, परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

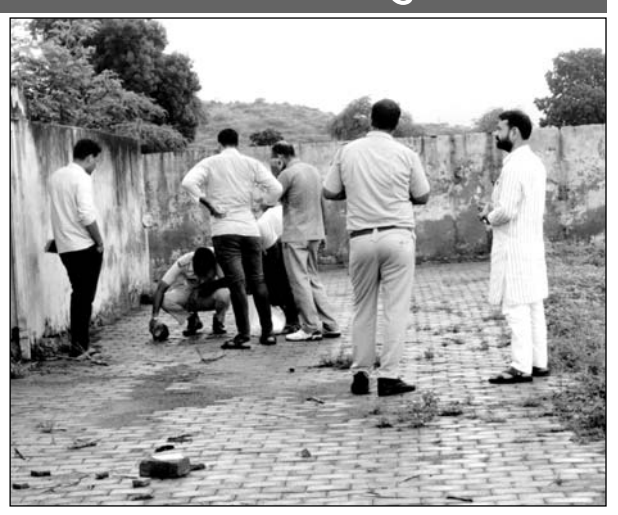

पुलिस और एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया।

सवा लाख रुपए की रिश्वत लेते चिकित्सा अधिकारी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। एसीबी की राजसमंद इकाई ने रविवार को कार्रवाई करते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जुल्फिकार अहमद काजी को 1.25 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है।

एसीबी के महानिदेशक डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी राजसमंद को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई थी, जिसमें सोनोग्राफी मशीन को सील करने, सोनोग्राफी रजिस्टर वापस लौटाने और आगे परेशान नहीं करने की एवज में आरोपी डॉ. काजी रिश्वत की मांग कर रहा था। इसके लिए परिवादी को बार-बार कार्रवाई के लिए धमकाकर परेशान किया जा रहा था। एसीबी उप महानिरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरविजन में एएसपी हिम्मत सिंह चारण ने शिकायत का सत्यापन किया। इस दौरान डॉ. जुल्फिकार अहमद काजी को 1.25 लाख रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई जारी है। साथ ही आरोपी से मामले में एसीबी की टीम पूछताछ कर रही है।

डॉ. जुल्फिकार अहमद काजी संयुक्त निदेशक होने के साथ उदयपुर शहर में पीसीपीएनडीटी के समुचित प्राधिकारी अधिकारी भी थे। ऐसे में इनके पास सभी निजी मेडिकल कॉलेज, बड़े हॉस्पिटल्स और सोनोग्राफी सेंटर को लाइसेंस देने, उनका रिन्यूअल और मॉनिटरिंग का जिम्मा था। जहां इनके खिलाफ शिकायतें मिलती रहह। इसके अलावा इनके खिलाफ जिले की कई प्रमुख जांच को लंबित रखने के भी आरोप लगते रहे हैं। वर्ष 2019 में डॉ. जुल्फिकार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में संयुक्त निदेशक बनाया था। फरवरी 2024 में सरकार ने उन्हें हटाकर डॉ. प्रकाश चन्द्र को संयुक्त निदेशक बना दिया था। इसके विरोध में डॉ. जुल्फिकार हाईकोर्ट से स्टे लेकर वापस पद पर बने रहे। ऐसे में राज्य सरकार ने हाल ही स्टे का निस्तारण करते हुए डॉ. प्रकाश चन्द्र को एपीओ कर दिया। इस पर डॉ. जुल्फिकार अपने पद पर बने रहे।

- चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जुल्फिकार अहमद काजी को गिरफ्तार किया
- सोनोग्राफी मशीन को सील करने, सोनोग्राफी रजिस्टर वापस लौटाने और आगे परेशान नहीं करने की एवज में रिश्वत मांगी थी

रिश्वतखोर चीफ मैनेजर, वरिष्ठ सहायक, सीए सहित चार को जेल

एसीबी ने एक लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था

अजमेर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने टोंक जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक सुल्तान सिंह मीणा, वरिष्ठ सहायक अजय कुमार खंडेलवाल, सीएम जयंतीराज जैन और रिश्वत देने वाले अनुज जैन को अजमेर की एसीबी कोर्ट में पेश किया, जहां से न्यायाधीश ने चारों को जेल भेजने के आदेश दिए।

भीलवाड़ा एसीबी के डीएसपी पारसमल ने बताया कि टोंक जिला उद्योग केंद्र में भ्रष्टाचार की लगातार शिकायतें मिल रही थी। जयपुर, भीलवाड़ा व टोंक की संयुक्त टीम ने गत शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जिन्हें शनिवार देर रात अजमेर एसीबी कोर्ट में पेश किया गया, जहां न्यायाधीश ने जेल भेजने के आदेश दिए। रविवार सुबह चारों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। उन्होंने बताया कि एसीबी टीम द्वारा जांच की गई, जांच में मामला सही पाए जाने पर कार्यवाही अंजाम दी थी। उन्होंने बताया कि आरोपियों द्वारा सरकार की सीएम लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना, एमएसएमई योजना सहित अन्य योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन करने वालों से फाइल स्वीकृति के नाम पर रिश्वत की डिमांड की जाती। टोंक जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक सुल्तान सिंह मीणा ने आवेदन पत्रों की जांच का काम वरिष्ठ सहयक अजय कुमार खंडेलवाल को सौंप रखा था। जबकि खंडेलवाल का मार्च 2024 में बूंदी तबादला हो गया था, लेकिन वह मीणा के निर्देश पर ही काम रहा था। उन्होंने बताया कि यदि कोई आवदेन कर्ता रिश्वत राशि देने में इंकार करता तो उसकी फाइल में दस्तावेज पूरा नहीं होने की कमी बताकर रद्द कर दिया जाता, सभी फाइल सीए जयंतीराज जैन ही देखता था।

एसीबी अधिकारी ने बताया कि आरोपियों द्वारा निवाई की एबीसी रिसोर्ट के तीन करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट पास करने की एवज में डेढ़ लाख की रिश्वत मांगी गई थी। रिसोर्ट के एक तिहाई हिस्सेदार अनुज जैन ने मीणा के सिविल लाइन स्थित आवास पर रिश्वत दी थी। एसीबी ने अजय कुमार खंडेलवाल को भी आरोपी बनाया था। एसीबीटीम को खंडेलवाल के आवास की तलाशी के दौरान घर से 20 लाख रुपए नकद मिले थे।

नौ लाख की अफीम जब्त, दो गिरफ्तार

चूरू, (कासं.)। सरदारशहर थाना क्षेत्र में पुलिस ने 9 लाख रुपए की अवैध अफीम जब्त करके 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। यहां जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आईपीएस ने बताया कि अवैध गतिविधिओं की रोकथाम व अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत रोही खिलेरिया मेघा हाईवे रोड सरदारशहर से रतनगढ पर दौराने नाकाबंदी एक कार को रोककर चैक किया तो कार में दो व्यक्ति सवार थे, जिनके पास 1 किलो 873 ग्राम अवैध अफीम मिली। कार चालक आरोपी नानकसिंह पुत्र जीतसिंह निवासी दलमीर खेडा पुलिस थाना खुइया सरवर तहसील अबोहर जिला फाजिल्का पंजाब व गौरव नागपाल पुत्र दौलतराम निवासी बसंत नगर पुलिस थाना अबोहर जिला फाजिल्का पंजाब को गिरफ्तार कर लिया।

सारस्वत महिला संस्थान चित्तौड़गढ़ ने लहरिया महोत्सव मनाया

जयपुर/ चितौड़गढ़। सारस्वत महिला संस्थान चित्तौड़गढ़ के तत्वाधान में अनंत रिसोर्ट, चितौड़गढ़ में रंगारंग और मनभावक लहरिया महोत्सव का आयोजन किया गया। अंतरराज्य स्तरीय लहरिया महोत्सव में जयपुर अजमेर, भीलवाड़ा, नीमच, मनासा, उदयपुर, कोटा, कनेरा, चित्तौड़गढ़ सहित एक दर्ज़न जिलों की टीमों ने भाग लिया।

महोत्सव का शुभारंभ नगर परिषद सभापति संदीप शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर किया। मुख्य अतिथि के रूप में रतलाम से पुष्पा व्यास, नगर पालिका अध्यक्ष बेग रंजना शर्मा उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन प्रिया शर्मा, सोनाली ओझा एवं ज्योति ओझा द्वारा किया गया। महिला संस्थान चितौड़गढ़ सचिव निशा सारस्वत ने मुख्य अतिथि, निर्णायक एवं सभी टीमों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। निर्णायक की भूमिका में परिधि भटनागर उपस्थित थी। साधना सारस्वत अध्यक्ष सारस्वत महिला संस्थान चितौड़गढ़ में समाज की सभी महिलाओं को मृत्यु के समय दिया जाने वाला लेनदेन बंद करने की शपथ दिलाई। सभी टीमों ने गीत, संगीत और नृत्य के साथ अपना टैलेंट शोकेस किया। प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में सभी बहनें लहरिया परिधान में सुसज्जित होकर आयोजन में शामिल हुई। रंग-बिरंगे लहरिये के परिधानों से सजी महिलाओं ने सावन के गीतों पर जमकर नृत्य किया।

महोत्सव में कई प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। चित्तौड़गढ़ से सरोज ओझा, खुशबू व्यास, खुशबू ओझा ,रजनी व्यास एवं कमला ओझा ने कान्हा और गोपियों का रूप धारण कर मनमोहक स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। सभी टीमों ने सावन थीम पर अपनी प्रस्तुति दी। जयपुर की टीम ने अपनी प्रस्तुति में सामाजिक कुरीतियों को मिटाने एवं पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। सारस्वत महिला संस्थान चितौड़गढ़ की कार्यकारिणी ने नारी सशक्तिकरण थीम पर अपनी प्रस्तुति दी। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः जयपुर भीलवाड़ा एवं कोटा की टीम ने प्राप्त किया।

सारस्वत महिला संस्थान की अध्यक्ष साधना सारस्वत ने बताया कि राजस्थानी संस्कृति और परंपरा वर्षों से चली आ रही है। आज की पीढ़ी ऐसे कार्यक्रमों से दूर हो रही है। युवाओं को ऐसे कार्यक्रम से जोड़ने के लिए लहरिया महोत्सव का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि हर साल सावन में संस्था की ओर से लहरिया महोत्सव का आयोजन किया जाता है। सारस्वत महिला संस्थान कार्यकारिणी के सभी सदस्यों ने अपनी मेजबानी में कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अपनी महत्वपूर्ण भूमिका बखूबी निभाई।

सारस्वत महिला संस्थान चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में लहरिया महोत्सव का आयोजन किया गया।

- महोत्सव में जयपुर अजमेर, भीलवाड़ा, नीमच, मनासा, उदयपुर, कोटा, कनेरा, चित्तौड़गढ़ सहित एक दर्ज़न जिलों की टीमों ने भाग लिया

ठगी के आरोपी कोर्ट में पेश

अजमेर, (कासं)। अजमेर में फर्जी कॉल सेंटरों के माध्यम से देशी व विदेशी नगारिकों से ऑनलाइन ठगी करने वाले सभी आरोपियों को रविवार को गंज पुलिस ने अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें दो दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया। पुलिस मास्टरमाइंड सहित सभी आरोपियों से पूछताछ करेगी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। गंज थाना प्रभारी महावीर सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में फर्जी कॉल सेंटर संचालित कर देशी-विदेशी नगारिकों से ऑनलाइन ठगी करने वाले 18 आरोपियों को रविवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायाधीश ने 2 दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया। थाना प्रभारी ने महावीर सिंह ने बताया कि आरोपियों द्वारा विगत दिनों ही अजमेर में कॉल सेंटर संचालित कर काम शुरू किया था।

'गौसेवा व संतों के आशीर्वाद से ही जनता की सेवा का मौका मिला'

नंदगांव में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने गौऋषि स्वामी दत्तशरणानन्द और सुरजकुंड के महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

जालोर, (निसं)। श्रीगोधाम महातीर्थ पथमेड़ा की शाखा श्री मनोरमा गोलोक नंदगांव केसुआं में चल रहे श्री गोकरुणा चातुर्मास आराधना महोत्सव में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड, राज्यमंत्री ओटाराम देवासी एवं सांसद लुंबाराम चौधरी नंदगांव पहुंचे। वहां उन्होंने गोऋषि स्वामी दत्तशरणानन्द और सुरजकुंड के महाराज सहित नंदगांव परिसर में चातुर्मास कर रहे सैंकड़ों संतों का आशीर्वाद लिया।

समन्वयक कार्यालय में प्रदेशाध्यक्ष राठौड ने आंध्रप्रदेश के ओंगोल से पधारी पुंगनुर नस्ल की वेदलक्षणा गौमाता के दर्शन कर गौपूजन किया। इसके बाद प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने वेदलक्षणा गोमहिमा श्रीभरत चरित्र कथा में पहुंचकर पोथी पूजाकर मलूक पीठाधीश्वर महाराज से आशीर्वाद लिया। नंदगांव परिक्रमा के बाद उन्होंने कहा कि गौसेवा और संतों के आशीर्वाद से ही मुझे प्रदेश की जनता की सेवा करने का मौका मिला है। मेरा प्रयास रहेगा कि पार्टी और जनता की उम्मीद पर में खरा उतरू। राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि गौ सेवा के बीच में मेरा जीवन बीता है और पथमेड़ा, नंदगांव के गौ सेवा के इस प्रकल्प को देखकर मैं बहुत ही प्रभावित हूं। इस अवसर पर गोवत्स विठ्ठल कृष्ण महाराज, संस्था के अध्यक्ष प्रदीप बंसल, महामंत्री अर्जुन सिंह तिवरी सहित संस्था के पदाधिकारी मौजूद रहे।

बीसलपुर से टोडारायसिंह पहुंची कांवड़ यात्रा को केकड़ी प्रशासन ने रोका, धरने पर बैठे कांवड़िये

एक घंटे तक धरना व वार्ताओं का दौर चला, कांवड़ियों की मांग व जनभावनाओं के आगे झुका प्रशासन

मालपुरा, (निसं)। शिव कांवड़ यात्रा समिति के तत्वावधान में रविवार को करीब आठ सौ से अधिक संख्या में केदारनाथ मंदिर से बीसलपुर पहुंचे समिति द्वारा रजिस्टर्ड कांवड़ियों के जत्थे गोकर्णेश्वर महादेव बीसलपुर से पवित्र कांवड़ लेकर टोडारायसिंह पहुंचे तो शहर में मौजूद केकड़ी प्रशासन ने कांवड़ियों के जत्थे को मुख्य बाजार से होकर गुजरने से रोक दिया। प्रशासन के इस निर्णय से गुस्सायें कांवड़िये पवित्र कांवड़ को सिर पर लेकर बीसलपुर रोड पर शंकराचार्य सर्किल पर धरने पर बैठ गये।

कांवड़ियों ने केकड़ी प्रशासन पर धार्मिक व जनभावनाओं से खिलवाड़ करने तथा मालपुरा उपखण्ड मजिस्ट्रेट द्वारा चार साल बाद परम्परागत मार्ग से कांवड़ यात्रा निकालने की दी अनुमति के बावजूद कांवड़ियों को रोके जाने पर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। मौके पर मौजूद केकडी पुलिस अधीक्षक विनित बंसल, टोडारायसिंह एसडीएम दिनेश कुमार, एडीएम व डीवाईएसपी हर्षित कुमार ने कांवड़ियों से समझाईश का प्रयास किया। लेकिन कांवड़िये प्रशासनिक स्वीकृति के मार्ग से ही होकर गुजरने की अपनी मांग पर अड़े रहे। कांवड़ियों के समर्थन में धरना स्थल पर बढ़ती लोगों की भीड़ व प्रदर्शन को गंभीरता से लेते हुये मौजूद अधिकारियों ने केकड़ी जिला कलेक्टर श्वेता चौहान को मामले से अवगत करवाया। एसपी बंसल का कहना था कि केकड़ी जिले से होकर गुजरने वाली यात्रा को प्रशासनिक स्वीकृति केकड़ी जिला प्रशासन से लेनी थी। टोंक जिला व मालपुरा उपखण्ड प्रशासन की स्वीकृति को हम कैसे स्वीकार करें। जिस मार्ग से कांवड़िये गुजरने की मांग कर रहे हैं उस मार्ग से हम स्वीकृति नहीं दे सकते। कांवड़ियों के बढ़ते आक्रोश के बाद जनभावनाओं को देखते हुये केकडी कलेक्टर श्वेता चौहान ने कांवड़ियों की मांग को स्वीकार मुख्य बाजार, माणक चौक,आमा सागर होते हुये मालपुरा रोड पर आने की स्वीकृति जारी की।

आज शाम चार बजे मालपुरा पहुंचने वाली आठवीं कांवड़ यात्रा को चार साल पूर्व बंद किये गये परम्परागत मार्ग दूदू-छाण स्टेट हाईवे से ही मालपुरा शहर में प्रवेश को लेकर मालपुरा शहर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। कांवड़ कोरीडोर मार्ग में एक हजार से अधिक अधिकारी व जवानों का जाप्ता तैनात किया गया है। उक्त मार्ग में आकर मिलने वाले मुख्य रास्तों पर प्रशासन ने बैरीकेटिंग से लॉक कर दिया। जिला कलेक्टर सौम्या झां व एसपी संजीव नैन ने रविवार को मालपुरा पहुंच व्यवस्थाओं का जायजा ले कांवड़ यात्रा की कमान संभाली।

टोडारायसिंह कस्बे में एक घंटे तक कांवड़ियों ने धरना देकर प्रदर्शन किया।

- मालपुरा शहर बना पुलिस छावनी, कांवड़ियों के पहुंचने से एक दिन पूर्व ही शहर के मुख्य रास्ते व गलियों में बैरीकेटिंग से व्यापारी व आमजन में रोष
- कांवड़ कोरीडोर मार्ग में एक हजार से अधिक अधिकारी व जवानों का जाप्ता तैनात किया गया है

स्कूल में कक्षा-कक्ष बनाये जाने की घोषणा

कोटपूतली, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम टापरी स्थित महात्मा गाँधी राजकीय विधालय में समाजसेवी व भामाशाह स्व. ओमकार चनेजा की पुण्य स्मृति में उनके भतीजे समाजसेवी जीवराज मुनीम, हरदान, हजारी, हेमराज व ताराचंद ने कक्षा कक्ष मय बरामदा बनवाये जाने की घोषणा की है।

उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन में टापरी स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विधालय को अंग्रेजी माध्यम में महात्मा गाँधी विधालय योजना के तहत रूपान्तरित करते हुये क्रमोन्नत किया गया था। ताकि ग्रामीण अंचल से आने वाली बालिकायें भी अंग्रेजी माध्यम की आधुनिक शिक्षा स्थानीय स्तर पर अपने गांव में ही ग्रहण कर सकें।

विधालय के विकास में टापरी के भामाशाह चनेजा परिवार द्वारा बढ़-चढकर सहयोग किया जा रहा है। पूर्व में भी उक्त विधालय में स्व. ओमकार चनेजा के भाई स्व. ग्यारसाराम व स्व. मूलाराम की पुण्य स्मृति में दो कक्षा कक्षों का मय बरामदा निर्माण करवाकर विधालय को सुपुर्द किया था।

चौरु सड़क मार्ग पर बरसाती पानी भरने से विद्यार्थी व राहगीर परेशान

चौरु/उनियारा, (निसं)। पंचायत प्रशासन और सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के चलते बारिश के पानी की निकासी नहीं होने से उनियारा उपखंड की ग्राम पंचायत चौरु में बस स्टैंड के पास सड़क मार्ग पर बारिश का पानी भरे रहने से आए दिन दोपहिया वाहन चालक पानी में गिरकर दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार टोंक सवाईमाधोपुर हाईवे मार्ग पर स्थित चौरु बस स्टैंड के पास बारिश का पानी जमा हुआ है जो आमजन के लिए एक तरह आफत बन गया है। लोगों को आवागमन के दौरान यहां से पैदल निकलना भी दुश्वार हो रहा है। इस मार्ग से ही छात्र-छात्राओं को अध्ययन के लिए जाना पड़ता है। चिरंजी लाल सैनी ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मंदिर जाने के लिए छात्र-छात्राओं को इस सड़क मार्ग से गुजरना पड़ता है। शिक्षक व लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है यदि बरसात का पानी ज्यादा भर जाने से राहगीर एवं ग्रामीण और स्कूल विद्यार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं वाहन चालक भी दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। जानकारी में बताया कि विद्यालय जाने के लिए मुख्य रास्ता है इसमें भी इतना पानी भर जाता है कि निकलना भी मुश्किल हो रहा है।

उनियारा उपखंड की ग्राम पंचायत चौरु में बस स्टैंड के पास सड़क पर बारिश का पानी भरे रहने से राहगीर परेशान हैं।

- **लोगों को आवागमन के दौरान यहां से पैदल निकलना भी दुश्वार हो रहा है**

भरे हुए पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं होने के चलते हुए सड़क पर कहीं गड्ढे रूपी जगह होने से निरंतर पानी भरा रहता है। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात का पानी एकत्रित रहने से मच्छरों से मौसमी बीमारियों का भी अंदेशा रहता है। वहीं सरकारी स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है। चौरु ग्राम पंचायत प्रशासन को भी इस संबंध में कई बार अवगत करा दिया गया है। लेकिन कोई कारगर कदम नहीं उठाए जा रहे हैं जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

श्री देवनारायण सेवा समिति का गठन

कोटपूतली, (निसं)। श्री देवनारायण जन कल्याण संस्थान के बैनर तले प्रतिवर्ष आयोजित करवाई जाने वाली भगवान श्री देवनारायण की ध्वज पद यात्रा की तैयारियों के लिये श्री देवनारायण सेवा समिति, कोटपूतली की बैठक का आयोजन रविवार को कस्बा स्थित वीर गुर्जर छात्रावास में हुआ।

संस्थान के जिलाध्यक्ष दयाराम कसाना ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से ग्राम पनियाला निवासी विक्रम रावत को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। जबकि बबलू कसाना व एड. राजाराम कसाना को उपाध्यक्ष, पूतली निवासी एड. सतपाल कसाना व सुन्दरपुरा निवासी एड. ओमप्रकाश कसाना को महामंत्री नियुक्त किया गया। इसके अलावा पनियाला निवासी विजेन्द्र रावत, पप्पुराम मुक्कड़, मोहनलाल गुरूजी व कृष्ण रावत को मंत्री एवं राजेश लोमोड़ को कोषाध्यक्ष पद पर चुना गया। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष की भांति भगवान श्री देवनारायण की 33 वीं विशाल ध्वज पद यात्रा इस वर्ष भी श्री देव धाम जोधपुरिया के लिये निकाली जायेगी।

सार-समाचार

बारिश से आम रास्तों में भरा पानी

निवाई, (निसं)। सिरस कस्बे सहित आसपास के गांवों में रविवार की सुबह 8 बजे से शुरू हुआ तेज बरसात का दौर दोपहर 2 बजे तक जारी रहा। जिससे खेतों व रास्तों में पानी भर गया। रास्तों में पानी भरने से आवागमन बंद हो गया जिससे लोगों को परेशानी उठानी पडी। रेलवे स्टेशन जाने वाले सडक़ पर बने बरसाती नाले के रपट से पानी का बहाव अधिक होने से वाहनों का आवागमन बंद रहा। जीएसएस के पूर्व अध्यक्ष श्यामलाल योगी, पूर्व उप सरपंच कैलाश प्रजापत, रामेश्वर नाथ, शिवचरण योगी व रामजस मीणा ने बताया कि तेज बरसात के बाद रपट पर पानी का बहाव अधिक हो गया। रविवार की शाम को पानी का बहाव अधिक होने से रोडवेज बस का संचालन भी बंद रहा। जिससे यात्रियों को आने जाने में समस्या बनी रही। रपट पर पुलिया नहीं होने से बरसात के मौसम में सिरस का आवागमन बंद हो जाता है। लोगों ने प्रशासन से रपट पर शीघ्र पुलिया बनाने की मांग की है।

तेज बरसात से चेक डेम टूटा

निवाई, (निसं)। दूसरे दिन भी क्षेत्र में तेज बारिश हुई। तेज बारिश होने से पहाड के पीछे बना हुआ वन विभाग को चेक डेम टूट गया जिससे सारा पानी बहकर आसजी के बंधे में चला गया। लगातार बारिश होते रहने से शहर की कॉलोनियों, राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय व सरकारी कार्यालयों में पानी भरा रहा। कई कालोनियां में बरसाती पानी भरा रहने से कॉलोनीवासियों को लगातार परेशानी उठानी पड रही है। शनिवार को मूसलाधार बारिश के बाद रविवार को तेज बारिश हुई। बारिश से शहर के रक्तांचल पर्वत के सारे झरने बह रहे है। मौसम खुशनुमा होने के कारण लोग पहाड के पीछे पहुंचकर झरनों में नहाने का आनन्द लेने के साथ ही पिकनिक भी कर रहे हैं। जल संसाधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार रविवार की शाम 5 बजे तक निवाई मुख्यालय पर 29 एमएम बारिश दर्ज हुई है।

जोधपुरा संघर्ष समिति का धरना जारी

कोटपूतली, (निसं)। अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ जोधपुरा संघर्ष समिति द्वारा दिया जा रहा धरना रविवार को लगातार 612 वें दिन भी मन्दिर प्रांगण में बदस्तूर जारी रहा। सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास ने बताया कि जोधपुरा (मोहनपुरा) के सघन आबादी, बसावटों व माध्यमिक विद्यालय से 82 मीटर की दूरी पर अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट द्वारा पत्थर पीसने के केशर से निकलने वाले धूल धूऐं से गांव में धुंध व कोहरे जैसा वातावरण हो जाता है। ग्रामवासियों को सांस लेने में भी परेशानी महसूस होती है। गांव में चर्म रोग, एलर्जी, दमा व श्वास जैसी बिमारियां आम हो गई है। क्रेशर को आबादी के नजदीक से हटाया जाये या मोहनपुरा के शेष बचे भाग जोधपुरा का पुनर्वास किया जाये की मांग को लेकर धरना दिया जा रहा है। सचिव कैलाश यादव ने कहा कि जब तक समिति की मांगों को पुरा नहीं किया जायेगा, तब तक हम हमारे हक व अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे। इस दौरान समिति उपाध्यक्ष सतपाल यादव, हरभगत कम्पाउंडर, प्रभुदयाल वर्मा, पवन, मदन, लीलाराम यादव, सूबेसिंह मीणा, विजय यादव, निहाल सिंह यादव, कानाराम यादव, जयराम यादव, भूपसिंह धानका, रोहिताश योगी, रामनिवास अध्यापक, विजय यादव, मोहर सिंह योगी समेत महिलायें मौजूद रही।

विधायक ने तिजारा में की जनसुनवाई

तिजारा, (निसं)। विधायक महंत बालकनाथ ने तिजारा कार्यालय पर जनसुनवाई की। इस दौरान पानी ,पुलिस और राजस्व विभाग से जुडी समस्याएं सामने आने पर विधायक ने जल्द समाधान के लिए आश्वासन दिया। मंहत बालक नाथ ने तिजारा विधायक कार्यालय पर आम लोगों के बीच बैठककर एक-एक व्यक्ति की समस्या सुनी और जल्द ही समस्या समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान विधायक ने शिकायतों से संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों को जल्द समस्या समाधान के सख्त निर्देश दिए। जनसुनवाई में पुर्व जिला प्रमुख राजू यादव, देशपाल यादव , मंडल अध्यक्ष बनेसिंह गुर्जर, मंडल अध्यक्ष विनयपाल यादव, विरेन्द्र सैनी, एडवोकेट नीरज यादव, अजयपाल यादव, रामेश्वर सैनी चैयरमेन, रतिराम यादव सरपंच, विक्रम सिंह सरपंच, नीरज यादव, डॉ दिनेश यादव, चंद्रपाल यादव, कंवर सिंह चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधि व लोग मौजूद रहे।

बालयोगी बालकनाथ की चादर रस्म आज

खैरथल, (निसं)। जिले के पेहल में स्थित नाथ संप्रदाय के प्रसिद्ध आश्रम अनंत श्री गोरक्षनाथ आश्रम के संस्थापक महंत प्रभातीनाथ महाराज के ब्रह्मलीन होने के बाद सोमवार को आश्रम के दूसरे महंत के लिए चादर रस्म का आयोजन किया जाएगा। नाथ संप्रदाय के संतों व पंच-पटेलों की सर्वसम्मति से महंत के पद पर ब्रह्मलीन महंत प्रभातीनाथ महाराज के शिष्य बालयोगी बालकनाथ महाराज को आसीन कराया जाएगा। आश्रम के परिसर में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सोमवार को नाथ संप्रदाय की परंपरा के अनुसार विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना सुबह 7 बजे से शुरू कराई जाएगी। इसके बाद सुबह 10 बजे अखिल भारतीय नाथ संप्रदाय के उपाध्यक्ष रोहतक के अस्थल बोहर के बाबा मस्तनाथ मठ के मठाधीश व तिजारा के विधायक महंत बालकनाथ योगी जी के द्वारा नाथ संप्रदाय के संतो सहित चादर रस्म पूरी की जाएगी।

'आमजन की समस्याओं का त्वरित निवारण हो'

अलवर, (निसं)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने आज अम्बेडकर नगर स्थित भाजपा कार्यालय में जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये। मंत्री की जनसुनवाई में 103 फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याएं रखी।

- **वन एवं पर्यावरण मंत्री व अलवर शहर विधायक संजय शर्मा ने की जनसुनवाई**

मंत्री शर्मा ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर कहा कि आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित निराकरण कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने फरियादियों को गंभीरता से सुनकर संबंधित अधिकारियों को दूरभाष से परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक परिवेदना के निस्तारण की सूचना फरियादियों को दी जाए।

मंत्री की जनसुनवाई में यह प्रमुख समस्याएं रही-भूगोर में सडक व नाली बनवाने, देवखेडा अम्बेडकर नगर में कचरा एकत्रण स्थल में परिवर्तन कराने, बिचला सोनावा में पानी की पाइप लाइन डालने से क्षतिग्रस्त सडक को ठीक कराने, प्रेम कुंज कॉलोनी में पेयजल पाइप लाइन को चालू कराने, बेलाका (मुल्तान नगर) में सीसी सडक बनाने, गोपाल टॉकीज के पीछे मौहल्ले में पेयजल आपूर्ति कराने।

एनईबी सैक्टर 2 में विद्युत ट्रांसफार्मर का लोड बढवाने व सीवर लाइन के ढक्कन लगवाने, स्कीम नं. 8 अरावली विहार में नियमित साफ-सफाई कराने, बहादुरपुर मौहल्ला ठाकरवाडी में सरकारी जमीन व आम रास्ते से अतिक्रमण हटवाने, राजगढ में डेरा का बांध व माचाडी बांध में हो रहे रिसाव की मरम्मत कराने, बानसूर के ग्राम भूपसेडा के निवासी द्वारा इंतकाल खुलवाने सहित पेयजल, यूआईटी, नगर निगम, पुलिस, विद्युत एवं स्थानांतरण आदि के मामले रहे।

इस दौरान नगर निगम के महापौर घनश्याम गुर्जर, सतीश यादव, पं. जलेसिंह, गोरधन सिंह सिसोदिया, ऋषिराज शर्मा, डॉ. के.के शर्मा, राजेन्द्र कसाण सहित प्रबुद्ध व्यक्ति, संबंधित अधिकारी एवं फरियादी मौजूद रहे।

173 प्रतिभावान छात्राओं को सम्मानित किया

बौली-बामनवास, (निसं)। रविवार को शैक्षिक सत्र 2023-24 में दसवीं व 12वीं की कक्षा में 80 प्रतिशत या इससे अधिक अंक में उत्तीर्ण प्रदेश की मेधावी प्रतिभावान छात्राओं को बामनवास उपखंड मुख्यालय पर सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया।

रतनलाल, मीठालाल फाउंडेशन के संरक्षक रामदास एवं रुक्मणी मीणा ने प्रतिभावान छात्राओं एवं उनके परिजनों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। प्रत्येक कक्षा में तीन टॉपर्स को नगद पुरस्कार भी वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉक्टर ममता एवं डॉक्टर शिवराज ने शिक्षा, समानता, समरसता, संस्कार और जनकल्याण के महत्व पर बल देते हुए सभी बालिकाओं और उनके परिजनों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

प्रतिभावान छात्रा सम्मान समारोह के आयोजित कार्यक्रम में हेमराज मीणा, रिंकी देवी, नजमा बेगम, जयप्रकाश सेन, रोशन बैरवा, रामकेश माली, राजैश मित्तल, मनीषा तिवारी, बत्तीलाल सैनी, सुबेसिंह खारवाल, चंद्र मोहन नामा, एवं मुकेश गुर्जर सहित अनेको गणमान्य उपस्थित थे।

सर्विस रोड़ की मरम्मत के बाद यातायात हुआ सुगम

कोटपूतली, (निसं)। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल के निर्देश पर एनएचएआई ने युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए पूतली मोड़ के पास वाली सर्विस रोड़ के मरमतीकरण का कार्य पूर्ण किया। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने बताया कि एनएचएआई के द्वारा पूतली कट के पास ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य जारी है।

जिसके कारण यातायात निरन्तर प्रभावित रहता है। इस पर पिछले दिनों हुई भारी बारिश के कारण पूतली मोड़ के पास सर्विस रोड़ भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। जिसके कारण नेशनल हाईवे पर लम्बा ट्रैफिक जाम देखने को मिल रहा था, जिससे आमजन को परेशानी हो रही थी। जनहित से जुड़ी समस्या का तुरन्त संज्ञान लेते हुए एनएचएआई के प्रतिनिधियों को सर्विस रोड़ को तुरंत दुरुस्त करने के निर्देश दिए गये। जिसकी पालना में एनएचएआई ने युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए सर्विस रोड़ को दुरुस्त करने का कार्य करते हुए आमजन को राहत प्रदान की। इसके साथ ही सर्विस रोड़ के अलावा आसपास बने गड्ढों को भी भरकर दुरुस्त करवाया गया। सर्विस रोड़ को दुरुस्त करने के बाद ना केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि आमजन को भी इससे राहत मिल सकेगी। उल्लेखनीय है कि जिला कलेक्टर व एसपी ने विगत रोज अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने के लिये कोटपूतली व बहरोड़ सहित विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया था।

- **जिला कलेक्टर के निर्देशन में युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए मात्र 48 घंटे में दुरुस्त हुई सर्विस रोड़**

पूतली मोड़ के पास वाली सर्विस रोड़ का मरम्तीकरण कार्य पूर्ण।

तिरंगा रैली में उमड़ा देश भक्ति का ज्वार

अलवर, (निसं)। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत जिले में आयोजित किए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिले के समस्त उपखण्ड कार्यालयों, पंचायत समितियों एवं नगर निकायों में बाइक एवं ट्रैक्टर के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों में तिरंगा रैली का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में आमजन की उत्साहपूर्ण सहभागिता से देश भक्ति का ज्वार उमड़ पड़ा।

जिला कलक्टर आशीष गुप्ता ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिलेभर में 15 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होगा जिसके तहत 12 अगस्त को जिला मुख्यालय पर कम्पनी बाग से इंदिरा गांधी स्टेडियम तक एवं ब्लॉक स्तर पर सभी उपखण्ड क्षेत्रों में हर घर तिरंगा रन/मैराथन का आयोजन किया जाएगा एवं जिले के समस्त ओद्योगिक इकाईयों में श्रमिकों द्वारा हर घर तिरंगा कार्यक्रम एवं तिरंगा शपथ का आयोजन करवाया जाएगा। 13 अगस्त को जिला मुख्यालय पर नवीन उच्च माध्यमिक विद्यालय से एसएमडी विद्यालय तक एवं जिले सभी उपखण्ड क्षेत्रों में स्थित राजकीय एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर हर घर तिरंगा रैली व हर घर तिरंगा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाएगा। साथ ही जिले की समस्त पंचायत समितियों एवं नगर निकाय क्षेत्रों में तिरंगा रंगों के साथ रंगोली बनाया जाना व महिला हर घर तिरंगा यात्रा का आयोजन कराया जाएगा। 14 अगस्त को जिला मुख्यालय पर प्रताप ऑडिटोरियम में हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत तिरंगा मेला व सास्कृतिक कार्यक्रम एवं तिरंगा सेल्फी तथा तिरंगा कैनवास अभियान आयोजित किया जाएगा एवं जिले के समस्त राजकीय कार्यालयों एवं समस्त राजकीय एवं निजी विद्यालयों में तिरंगा शपथ व तिरंगा सेल्फी प्रतियोगिता आयोजित होगी।

15 अगस्त को जिला मुख्यालय इंदिरा गांधी स्टेडियम में एवं सभी उपखण्ड मुख्यालयों पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में तिरंगा सेल्फी एवं तिरंगा कैनवास अभियान तथा हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत मेले का आयोजन होगा। उन्होंने समस्त प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि समस्त गतिविधियों का सफल क्रियान्वयन करवाया जाना सुनिश्चित करे।

वाटर कूलर मय टंकी लगाया

शाहपुरा, (निसं)। गर्मी के मौसम को देखते हुए शाहपुरा के गुप्ता परिवार ने सेड का बास में रविवार को राजकुमार देवआयुष सिंह के मुख्य अतिथि व नगर पालिका के अध्यक्ष बंशीधर सैनी की अध्यक्षता व समाजसेवी दिलीप बन्ना, संतोष माधाणी, भगवान सहाय बेनीवाल, राम प्रकाश नाई, जिला प्रवक्ता सुभाष जोशी व भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष महेश मित्तल के विशिष्ट अतिथि में आमजन के पीने के लिए वाटर कूलर मय टंकी सहित का शुभारंभ फीता काटकर अतिथियों द्वारा किया गया। गुप्ता परिवार के प्रदीप गुप्ता, समाजसेवी मोहनलाल खुटेटा, कमल किशोर गुप्ता व पदम गुप्ता ने बताया कि अपने पिताजी स्वर्गीय कैलाश चंद गुप्ता दादाजी लक्ष्मी नारायण गुप्ता की याद में आमजन के लिए वार्ड नंबर 17 स्थित सेठ का बास में वाटर कूलर का उद्घाटन किया।

मारपीट की जांच अब उप पुलिस अधीक्षक एससी एसटी प्रकोष्ठ करेंगे

अलवर, (निसं)। अखिल भारतीय जनवाडी महिला समिति (एडवा) की मांग पर पुलिस अधीक्षक अलवर ने अलवर कला कॉलेज प्राचार्य अशोक आर्य एवं इनकी सरकारी शिक्षक पत्नी वसुंधरा जाति जाट के खिलाफ दर्ज एनईबी थाने में दर्ज मारपीट, गाली गलोंच, बेअदवी, धमकी, सोने के कुंडल छीनने के मुकदमे की जांच अब उप पुलिस अधीक्षक एससी एसटी प्रकोष्ठ को दे दी गई है।

22 मई 2024 को अशोक आर्य एवं इनकी पत्नी के खिलाफ एनईबी थाना,अलवर में दर्ज मुकदमे में उल्लेख है कि चांदोली गाँव के हाल निवासी एनईबी विस्तार के एक दलित मजदूर किशनलाल जाटव, इनकी बेटी एवं पत्नी की 20-21 मई 2024 को अशोक आर्य एवं इनकी पत्नी वसुंधरा ने पीडितों की बेरहमी से पिटाई, बेइज्जती की,धमकी दी,कानों में पहने सोने के कुंडल छीन लिए जिनकी प्रथम सूचना रिपोर्ट पर एनईबी थाने में आईपीसी की धारा 323, 341, 354 , 504 , 506 में मुकदमा दर्ज किया गया था। पीड़ितों के कहने के बाद भी एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज नहीं किया। आरोपी वसुंधरा जोकि जाति से जाट है ने खुद की जातिगत पहचान को छिपाया। सब कुछ जानते हुए भी एनईबी पुलिस ने भी आरोपियों का सहयोग किया,वसुंधरा की जाति को छिपाने की भरसक कोशिश की। पीड़ितों को गुमराह कर,डराकर 23 जून की रात को करीब 11 बजे पुलिस ने जबरन थाने में समझौता लिखवा लिया जिस समझौते की भाषा पीड़ितों को ही फंसाने की है और आरोपियों को दोषमुक्त करने की है। यह इसलिए कि पीड़ित गरीब हैं,कानून के जानकार नहीं है।

4 करोड़ 10 लाख की लागत से बनी सड़क का लोकार्पण

श्रीमाधोपुर, (निसं)। यूडीएच मंत्री, क्षेत्रीय विधायक झाबर सिंह खर्रा ने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों का लोकार्पण तथा शिलान्यास कर क्षेत्रवासियों को सौगात दी।

जानकारी के अनुसार यूडीएच मंत्री खर्रा ने दोपहर में गौशाला से बाईपास रोड़ तक दो लाईन से चार लाईन तक बनी 4 करोड़ 10 लाख की लागत से सड़क का शिलान्यास किया। इसके बाद उन्होंने ने कल्याणपुरा श्रीमाधोपुर में कल्याणपुरा से डेरावाली तक 60 लाख की लागत से बनने वाली 2.57 किलोमीटर की नवीनीकरण सड़क का अटल सेवा केन्द्र में शिलान्यास किया। सभी जगहों पर मंत्री का क्षेत्रवासियों ने गर्मजोशी के साथ साफा एवं माला पहनाकर सम्मान किया। उन्होंने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री एक पेड़ मां के नाम अभियान पर जोर देकर अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आव्हान किया। साथ ही में कहा कि आज से विकास कार्यों की सौगात शुरू हो गई है। अभी सरकार का पहला बजट जारी हुआ है जिसमें श्रीमाधोपुर में पेयजल, सीवरेज जैसे बड़े कार्यों को करवाने के लिए अच्छा बजट मिला है। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष बनवारीलाल यादव, एसडीएम अनिल कुमार,पीडब्लूडी एक्सईएन, एईएन सुबे सिंह सैनी, पालिका उपाध्यक्ष औंकार सिंह राठौड़, नगरपालिका ईओ छगनलाल यादव, तहसीलदार जगदीश प्रसाद बैरवा, शहर भाजपा मंडल अध्यक्ष कमल जैन, देहात मंडल अध्यक्ष सुरेश कुड़ी, पूर्व पालिकाध्यक्ष तनसुख कुमावत, पार्षद श्रवण आचार्य, रविन्द्र ओसवाल, रोशन बिजारणियां,पवन सोलावाला, प्रकाश जैन, थानाधिकारी जयसिंह बसेरा सरपंच प्रतिनिधि रामदेव सिंह समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

- **कल्याणपुरा में बनने वाली 60 लाख की लागत से सड़क का शिलान्यास**
- **यूडीएच मंत्री खर्रा ने दी विकास कार्यों की सौगात**

यूडीएच मंत्री, क्षेत्रीय विधायक झाबर सिंह खर्रा ने विकास कार्यों का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया।

'5 साल में 50 करोड़ से ज्यादा पौधे लगाए जाएंगे'

अलवर, (निसं)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा ने आड़ा-पाड़ा स्थित हनुमान मंदिर, मोती डूंगरी हनुमान मंदिर व डढ़ीकर स्थित सपना एनजीओ परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान व हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधेरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

मंत्री शर्मा ने आडापाडा हनुमान मंदिर व मोती डूंगरी हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अधिकाधिक वृक्षारोपण करने के पुनीत कार्य के रूप में प्रारम्भ किए गए एक पेड मां के नाम अभियान एवं राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे हरियालो राजस्थान अभियान को सफल बनाने में देश व प्रदेश का जनजन अपना योगदान दे रहा है उसी प्रकार प्रकृति भी अच्छी वर्षा से पूरा साथ दे रही है।

उन्होंने कहा कि पौधे लगाने का यह सबसे उपयुक्त अवसर है प्रत्येक व्यक्ति को धरती मां व अपनी मां के सम्मान में पौधे अवश्य लगाने चाहिए। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा अभियान के तहत आमजन की भागीदारी से आगामी 5 वर्षों में 50 करोड से अधिक पौधे लगाए जाएंगे।

वीर हनुमान धाम के एनिकट पर चली पानी की चादर

बारिश से सामोद वीर हनुमान धाम में बने एनिकट पर भी पानी की चादर चली।

चौमू/कालाडेरा, (निंस)। चौमूं शहर व उपखण्ड के अधिकांश गांव कालाडेरा, टांकरडा, सामोद, हाथलोदा, म्हारकलां वीर हनुमान धाम, मालेश्वर धाम, सहित आस-पास के गांवों में रविवार को भी झमाझम बारिश का दौर जारी है।

तेज बारिश के कारण चौमूं उपखण्ड के सामोद पर्वत पर विराजे वीर हनुमान धाम की पहाड़ियों पर भी तेज झरने बहने के साथ मन्दिर की सीढ़ियों में भी पानी की तेज आवक हुई। वहीं सामोद वीर हनुमान धाम में बने एनिकट पर भी पानी की चादर चली। सामोद वीर हनुमान धाम मन्दिर आले वाले श्रद्धालुओं को बारिश के दौरान सावधानी बरतनी चाहिए पानी के तेज बहाव क्षेत्र के पास जाने से बचना चाहिए और बारिश के दौरान सुरक्षित धर्मशाला में रुकना चाहिए।

सामोद के बंदौल में स्थित महामाया माता के मन्दिर में जाने वाली रास्ते पर भी कई जगह तेज बारिश के पानी के कारण कटाव लगने के साथ जगह-जगह रास्ते अवरुद्ध भी हो गए। वहीं चौमूं शहर के सुभाष सर्किल पर सड़क पर पानी का जल भराव होने व पानी की निकासी नहीं होनी के कारण शहर के व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महारकंला गांव के मलेश्वर महादेव मन्दिर की पहाड़ियों पर प्राकृतिक झरनों में पानी की आवक तेज होने के कारण से नाले उफान पर है। वहीं मालेश्वर से कावड़ लाने वाले शिव भक्तों को सावधानी रखनी चाहिए।

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन

पावटा, (निसं)। विधायक कुलदीप धनकड ने रविवार को भांकरी निज आवास पर जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन कर विराटनगर विधानसभा क्षेत्र से आए लोगों की समस्याओं को सुन मौके पर ही अधिकारियों से बातचीत कर समस्याओं का निस्तारण किया। इसके बाद हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन कर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशानुसार विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के पांचों मण्डलों के पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधिगणों की मौजूदगी में पांचों मण्डलों का कार्यक्रम तय करते हुए बताया कि तिरंगा बाइक यात्रा 12 अगस्त सोमवार को प्रात 9 बजे तीन मण्डल विराटनगर मण्डल, बाणगंगा मण्डल, त्रिवेणी मण्डल के कार्यकर्ताओं द्वारा अलवर तिराहा से बिलवाडी होते हुए श्री गणेश मंदिर विराटनगर पहुंचेगी। वहीं 13 अगस्त को प्रात: 9 बजे पावटा व प्रागपुरा मण्डल के कार्यकर्ताओं द्वारा श्री हिरामल मंदिर मण्ढा से शुरू होकर प्रागपुरा पहुंचेगी। इस दौरान 14 व 15 अगस्त को भाजपा कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा घर-घर पहुंचकर पूरे विधानसभा क्षेत्र में हर घर पर तिरंगा लगाकर देशभक्ति कार्यऋम को सफल बनाने की योजना बनाई गई। वही पावटा ब्लॉक शिक्षा विभाग के मंत्रालयिक कर्मचारियों द्वारा विधायक कुलदीप धनखड का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया।

19 घंटे चले रेस्क्यू के बाद झरने में डूबे युवक का शव बरामद

पावटा, (निसं)। पावटा उपखंड क्षेत्र के प्रागपुरा थाना क्षेत्र में शनिवार दोपहर भैरू क्यारा में तीन दोस्त पावटा निवासी राकेश, महेंद्र व मुकेश बरसाती झरने से बने तालाब में नहाने गये थे। जहां नहाते समय तीनों में एक युवक मुकेश पुत्र सीताराम जाती बलाई उम्र 20 साल निवासी मस्जिद के पास मौहल्ला पावटा अचानक झरने के नीचे नहाते समय बह गया और तालाब में डूब गया साथी युवकों ने डूबे युवक को काफी तलाश किया लेकिन युवक नहीं मिला। जिस पर साथ गए दोनों युवकों के हाथ पाव फूल गये व घटना की सूचना प्रागपुरा थाना पुलिस को दी गई।

एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस टीम ने संयुक्त रेस्क्यू किया।

- दूदू में मांझी नदी में बहे दो युवकों के शवों को भी बरामद किया
- एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस टीम जुटी थी रेस्क्यू में

घटना की सूचना पर प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार मय टीम मौके पर पहुंच ग्रामवासियों के सहयोग से मृतक की तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा है। जिस पर एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस टीम जयपुर, सिविल डिफेंस टीम कोटपुतली को सूचित किया गया। वहीं इस दौरान वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर रोहित सांखला, उपखंड अधिकारी पावटा कपिल उपाध्याय, तहसीलदार प्रवीण सैनी ने भी मौके पर पहुंच घटना का जायजा लिया। एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस टीमों के पहुंचने के बाद शनिवार पूरी रात रेस्क्यू ऑपरेशन चला लेकिन रेस्क्यु टीम को सफलता नहीं मिली। ऑक्सीजन की कमी और लगातार हो रही तेज बारिश के कारण, युवक को खोजने में दिक्कत हो रही थी। प्रागपुरा थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि करीब 19 घंटे के बाद सफलता मिली। जिसके बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली। पुलिस प्रशासन टीम मृतक 20 वर्षीय युवक मुकेश का शव पावटा सीएचसी लेकर पहुंची जहाँ मृतक युवक का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौपा गया।

इसी प्रकार पुलिस थाना फागी के अन्तर्गत ग्राम मण्डप की रपट से मांझी नदी में बहे 2 युवकों के डूबने की सूचना एसडीआरएप राजस्थान कन्ट्रोल रूम जयपुर को मिलने पर कन्ट्रोल रूम द्वारा एसडीआरएफ बटालियन मुख्यालय, गाडोता में तैनात रेस्क्यू टीम एच-03 के प्रभारी कानि. रामजीलाल को अविलम्ब घटनास्थल के लिए रवाना होने के निर्देष दिए। रेस्क्यू टीम प्रभारी 09 जवानों की टीम तथा आपदा राहत उपकरणों के साथ रात्रि 11 बजे घटनास्थल पर पहुंचे। टीम कमाण्डर ने स्थिति का जायजा लिया तथा एसडीआरएफ कमाण्डेन्ट को बताया कि क्षेत्र में हो रही अति वृष्टि के कारण पुलिस थाना फागी जिला दूदू के अन्तर्गत सायं के समय ग्राम मण्डप की रपट से मांझी नदी में दो युवक बह गये थे, उक्त युवकों के शवों की तलाश हेतू स्थानीय प्रशासन एवं सिविल डिफेन्स की टीम के द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे है, किन्तु अभी तक सफलता प्राप्त नहीं हुई है। टीम कमाण्डर के निर्देश पर रेस्क्यू टीम के जवानों ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। सबसे पहले टीम ने मोटर बोट को तेज गति से चलाकर नदी के किनारों पर दोनों युवकों के शवों को तलाश किया। उसके बाद बांस, बिलाई तथा रेस्क्यू रोप की सहायता से गहन सर्च किया। रात्रि 12:15 बजे अन्धेरा होने के कारण स्थानीय प्रशासन के निर्देशानुसार सर्च ऑपरेशन प्रात: तक स्थगित कर दिया गया। प्रात: 9 बजे घटनास्थल पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। अथक परिश्रम तथा कडी मेहनत से टीम को सायं 04:30 बजे घटनास्थल से 100 मीटर की दूरी पर पहली सफलता मिली। टीम ने मांझी नदी में बहे युवक सीताराम पुत्र बनवारी लाल स्वामी उम्र 21 वर्ष ग्राम रतनपुरा पुलिस थाना फागी जिला दूद के शव को बरामद कर स्थानीय प्रशासन को सुपुर्द किया। दूसरे युवक की तलाश हेतू दोनों टीमों द्वारा पुन: सर्च ऑपरेशन षुरू किया गया। सांय 05:30 बजे घटनास्थल से 200 मीटर की दूरी पर दूसरी सफलता मिली। टीम ने मांझी नदी में बहे दूसरे युवक देशराज पुत्र भंवरलाल गुर्जर उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम कंवरपुरा पुलिस थाना फागी जिला दूदू के शव को बरामद कर स्थानीय प्रशासन को सुपुर्द किया।

बारिश के पानी की निकासी की प्रशासन से मांग

टोंक, (निसं)। पीपलू उपखंड क्षेत्र की सोहेला ग्राम पंचायत क्षेत्र में प्रशासन की लापरवाही के कारण बारिश का पानी आमजन के लिए जी का जंजाल बना हुआ है। पीपलू उपखंड प्रशासन व सोहेला ग्राम पंचायत प्रशासन मात्र दिखावे और फोटो खिंचवाने के अलावा कुछ नहीं कर पा रहा है।

- जनता ने परेशान होकर टोंक जिला कलेक्टर को दूरभाष पर शिकायत की

मामला सोहेला उप स्वास्थ्य केन्द्र जाने वाले रास्ते का है, जहां पर बरसाती पानी भर जाने से जनता ने परेशान होकर टोंक जिला कलेक्टर सौम्या झा को दूरभाष पर सूचना देकर शिकायत की, जिस पर जिला कलेक्टर ने पीपलू नायब तहसीलदार हर्षवर्धन को मौका मुआयना देखकर पानी निकासी करवाने के लिए निर्देश दिये। जहां मौके पर नायब तहसीलदार पीपलू ,सोहेला ग्राम विकास अधिकारी,सरपंच जेसीबी मशीन लेकर पानी की निकासी करने पहुंचे। मकान के बाहर से जेसीबी मशीन से नाली बनाकर पानी निकासी तो करवा दी गई, परन्तु आगे पानी की निकासी को लेकर कोई रास्ता नहीं होने व ठोस कदम नहीं उठाने के कारण पानी को नाले तक नही पहुंचा सके। इसी प्रकार दूसरा मामला दलित बस्ती ग्राम पंचायत क्षेत्र के सरदारपुरा गांव (सरकीपुरा) का है, जहां आये दिन पानी भरने से आमजन पेरशान है। इस मामले को लेकर ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत व उपखण्ड प्रशासन को कई बार समय समय पर अवगत करवाया। पैदल चलने वाले स्कूली बच्चों और ग्रामीणों व वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणवासियों ने टोंक जिला कलेक्टर से पानी निकासी व कीचड़ से हमेशा के लिए निजात दिलवाने की मांग की है।

पानी के निकास मार्ग अवरूद्ध

चाकसू, (निसं)। प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों की अनदेखी के कारण बरसाती पानी के परम्परागत आवक एवं निकास मार्ग अवरूद्ध होने के कारण जगह जगह पानी भराव की समस्या हो गई है।

कस्बे के धार्मिक स्थल खॉल के बालाजी आश्रम के पास गोलीराव तालाब की सिंचाई के लिए निर्मित प्राचीन नहर को नगरपालिका के कचरा ढोने वाले वाहनों ने कचरे से पाट दिया है। इसका प्रभाव सार्वजनिक मोक्षधाम हीरालाल का तिबारा पूरी तरह पानी से लबालब भरा हुआ है। खॉल के बालाजी के विकसित पार्क में लगें हुए पेड़ - पौधों पानी से भरे हुए हैं। कुछ समय पहले ही नगरपालिका ने नरेगा महिला कार्मिकों के माध्यम से बालाजी आश्रम, मोक्षधाम हीरालाल का तीबारा क्षेत्र में मुख्यमंत्री भजनलाल के हरियालों राजस्थान कार्यक्रम के तहत सैकड़ों की संख्या में पौधे लगाए गए थे, सभी पानी की डूब में आ गये है।

फुलेरा में विशाल कांवड़ यात्रा निकाली

फुलेरा, (निसं)। कस्बे में रविवार को दोपहर हजारों धर्मप्रेमियों के द्वारा विशाल कावड़ यात्रा निकल गई। गौरतलब है कि उक्त कावड़ यात्रा क्षेत्र के निकट स्थित सांभरलेक के पवित्र तीर्थ स्थल देवयानी सरोवर से प्रात: हजारों की संख्या में कांवड़ियों ने गाजे-बाजे के साथ ही कलाकारों द्वारा विभिन्न दृश्यों की झांकियां सजाई गई। जिन्होंने रास्ते में जगह-जगह पर विभिन्न प्रकार के करतब दिखाकर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कांवड़ यात्रा के दौरान कलाकारों द्वारा विभिन्न दृश्यों की झांकियां सजाई।

इसके साथ ही क्षेत्र में विशाल कावड़ यात्रा का धर्म-प्रेमियों ने जगह-जगह पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। उक्त कावड़ यात्रा देवयानी सरोवर से रवाना होकर इरोलाव स्टैण्ड होते हुए भादरपुरा रेलवे फाटक से पांच बत्ती चौराहा, रेलवे ऑवरब्रिज से अम्बेडकर सर्किल, गांधी चौक, गणगौरी बाजार, हलवाई बाजार, इन्दिरा मार्केट से होते हुए ज्योतिबा फुले सर्किल, बालाजी बायपास, जोबनेर रोड़ होते हुए स्वर्गाश्रम पर पहुंची। जहां पर सभी कांवड़ियों ने एक साथ मिलकर बारी-बारी से भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इसके बाद वहीं विशाल भण्डारे का आयोजन कर प्रसादी वितरण की गई। इस अवसर पर हजारों की संख्या में धर्म-प्रेमी महिला-पुरुष, बालक बालिकाएं उपस्थित रहीं।

राजगढ़ क्षेत्र में भारी बारिश से जल स्त्रोत हुए ओवर फ्लो

राजगढ़, (निसं)। कस्बे सहित आसपास के क्षेत्र में चौथे दिन निरंतर बारिश के जारी रहने के चलते अधिकांश जल स्त्रोतों में ओवरफ्लो हो गया। टहला के मानसरोवर बांध एवं पर्यटक स्थल झरना बांध सहित अन्य स्तरों पर चादर चलने से रविवार के अवकाश का लोगों ने भरपूर आनंद उठाया। भारी संख्या में महिला पुरुषों एवं बच्चों का जमावड़ा लगा रहा।

राजगढ़ क्षेत्र के अलेवा धाम, एवं अन्य स्थानों पर झरनों के बहने के कारण प्राकृतिक सौंदर्य का लोगों ने लुफ्त उठाया। रविवार को वर्षा के कारण पोस्ट ऑफिस के समीप निवासी रोशन जागा के मकान की दीवार टूट जाने के कारण परिवार को अंबेडकर भवन गंगा बाग में शिफ्ट किया गया है। दूसरी ओर ढिगांवडा ग्राम में ओम प्रकाश जोशी को सरपंच कमलेश मीणा ने अन्य मकान में अस्थाई तौर पर शिफ्ट किया। तहसीलदार विनोद कुमार शर्मा एवं नायब तहसीलदार छोटे लाल मीणा ने बताया कि पुलिस थाना के समीप जोहड़ के पानी भराव को जेसीबी मशीन की सहायता से सही किया गया।

राजगढ़ के झरना बांध पर चादर चली।

- 51 मिमी बारिश दर्ज, मानसरोवर बांध एवं झरना पर चली चादर

इधर रविवार को राजगढ़ कस्बे में 51 मिमी बारिश रिकार्ड की गई। इधर राजगढ़ कस्बे सहित आसपास पानी भराव के केन्द्रों एवं जल स्त्रोतों में पानी की भारी आवक हुई है। ऐतिहासिक महत्व के प्रताप बांध, ठेकड़ीन, बाघोला सहित अन्य बांध में पानी आने का क्रम जारी है।

डिग्गी में श्रीजी का लक्खी मेला शुरू, पहले ही दिन लगी लम्बी कतारें

मालपुरा, (निसं)। जन-जन की आस्था के केन्द्र व छोटी कांसी के नाम से सुप्रसिद्ध प्रदेश के प्रमुख तीर्थ स्थल डिग्गी में रविवार को 59वें लक्खी मेले का शुभारम्भ हुआ। उपखण्ड अधिकारी कपिल शर्मा व प्रशासनिक अधिकारियों ने मेला कन्ट्रोल रूम का फीता काट मेले का शुभारम्भ किया एवं 11 से 15 अगस्त तक आयोजित होने वाले लक्खी मेले के उद्घाटन समारोह में एडीएम सुरेश चौधरी, एएसपी रामकुमार कस्वा, डीएसपी महेन्द्र मीणा, पंचायत समिति उपप्रधान मूलशंकर शर्मा, पंचायत समिति विकास अधिकारी सतपाल कुमावत, डिग्गी थानाधिकारी कप्तान सिंह, तहसीलदार राहुल पारीक मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा मेला शुभारम्भ की घोषणा की गई।

मेले के पहले ही दिन प्रदेश के कोने-कोने से हजारों की संख्या में पहुंचे कल्याण भक्तों की मंदिर से चौपड चौराहे तक लम्बी कतारें लग गई। घंटों तक कतारों में लगे कल्याण भक्तों ने श्रीजी के जयकारे लगाते हुये मंदिर में प्रवेश कर भगवान विष्णु के अवतार कल्याणधणी की मनमोहक झांकी के दर्शन कर हाजरी लगाई। लक्खी मैले मे हजारो की संख्या मे सजी नाना प्रकार की दुकानो पर कल्याण भक्तो ने जमकर खरीददारी की। जगह-जगह लगे भण्डारो मे कल्याण भक्तों की सेवा चाकरी में लोग जुटे रहे। सुरक्षा के लिये 700 से अधिक अधिकारी व जवान तैनात किये गये। मंदिर व कस्बे में लगे 70 सीसीटीवी कैमरों से मेला व्यवस्थाओं की निगरानी के लिये ट्रस्ट कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया। डीजे की धुनो पर नाचते-गाते कल्याण भक्त पहुंच रहै है डिग्गी।

सार-समाचार

भगवान पारसनाथ के चढ़ाया निर्वाण लाडू

निवाई, (निसं)। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अग्रवाल मंदिर में मुनि अनुसरण सागर महाराज के पावन सानिध्य में भगवान पारसनाथ का निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष सुनील भाणजा ने बताया कि 23 वें तीर्थंकर भगवान पारसनाथ पर निर्वाण लाडू श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अग्रवाल मंदिर, श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, श्री दिगंबर जैन नसियां मंदिर, बपूई वालों का चैतालय सहित सभी जिनालयों में पारसनाथ भगवान का निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। अग्रवाल मंदिर में श्रद्धालु सुशील कुमार, राहुल कुमार आरा मशीन परिवार ने लाडू चढ़ाया। इसी प्रकार बड़ा मंदिर में निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। उन्होंने बताया कि रविवार को सर्व प्रथम सुबह शांतिनाथ भगवान एवं पारसनाथ भगवान का अभिषेक एवं शांति धारा के साथ भगवान पारसनाथ की पूजन की गई। उन्होंने बताया कि 48 दिवसीय भक्तामर विधान का भी आयोजन हुआ जिसमें सोधर्म इन्द्र हेमचन्द व हर्षितकुमार संघी द्वारा 48 अघ्र्य चढ़ाए गए। इस अवसर पर मुकेश बनेठा, पवन बोहरा, सुशील जैन, नरेश जैन बड़ागांव, प्रेमचंद जैन, विष्णु बोहरा, हितेश छाबड़ा, अशोक जैन, रमेश जैन व नवरतन जैन सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

तिरंगा रैली 14 अगस्त को

चौमूं /कालाडेरा, (निसं)। चौमूं शहर के रेनवाल रोड स्थित रजवाड़ा गार्डन में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा क्षेत्र चौमूं में हर घर तिरंगा अभियान को लेकर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं का पार्टी का दुपट्टा ओढ़कर स्वागत किया गया। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आ ान पर आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत कार्यकर्ताओं को हर घर तिरंगा अभियान को लेकर प्रत्येक बूथ पर घर-घर तिरंगा फहराने का आ ान किया। उन्होंने 14 अगस्त को प्रात: 10 बजे चौमूं में गढ़ गणेश मंदिर से तिरंगा रैली का आयोजन किया जाएगा। तिरंगा रैली को लेकर कार्यकर्ताओं को अलग- अलग जिम्मेदारिया सौंपी। इस मोके पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष गजानंद कुमावत, देहात मण्डल कालाडेरा अध्यक्ष बनवारी शर्मा, बाँसा मण्डल अध्यक्ष श्रीराम शर्मा, गोविन्दगढ़ मण्डल अध्यक्ष गोपाल डेनवाल, प्रधान रामस्वरूप यादव, पूर्व प्रधान महेश मीणा, डॉ जितेन्द्र कुमावत, पूर्व उपाध्यक्ष कालूराम जाट सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

नशा मुक्ति को लेकर शपथ कार्यक्रम आज

कोटपूतली, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के पाँचवें वर्ष में प्रवेश के उपलक्ष्य में 12 अगस्त से शपथ ग्रहण सहित विभिन्न स्पर्धायें आयोजित होंगी। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल के निर्देशानुसार विभाग के जिला अधिकारी रमेश कुमार दहमीवाल ने बताया कि 12 अगस्त को सम्पूर्ण देश में नशा मुक्ति की शपथ कार्यक्रम होगें। जिला प्रशासन एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वाधान में राजपूताना कॉलेज में नशे के विरूद्ध शपथ ग्रहण कार्यक्रम होगा। संस्थान परिसर में वृक्षारोपण भी किया जायेगा। इसके अलावा जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों के संस्था प्रधान व नशे के विरूद्ध कार्यक्रम चलाने वाली संस्था भी 12 से 15 अगस्त के मध्य शपथ एवं खेलकूद प्रतियोगिता, निबन्ध, लेखन आदि सह शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित करेगी।

बच्चों ने गांव में तिरंगा रैली निकाली

टोंक, (निसं)। टोंक ब्लॉक की ग्राम पंचायत पालड़ा में स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अहमदपुरा के विद्यार्थियों में देश प्रेम का जुनून नजर आया, जिसे उन्होंने गांव में "तिरंगा रैली" निकालकर व्यक्त किया। प्रधानाध्यापक सुरेश बुंदेल ने बताया कि केन्द्र और राज्य स्तर से प्राप्त निर्देशों के अनुसार "हर घर तिरंगा- 2024" अभियान के अन्तर्गत स्कूल के बच्चों ने देशभक्ति के नारे लगाते हुए तिरंगा रैली निकाली और अभिभावकों से अपने अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। इस दौरान एसएमसी अध्यक्ष संजय मीणा, रामदयाल माली, महेश जाट, अनिता शर्मा, मैना शर्मा, हरिराम जाट, अनिता चौधरी, खान सिंह चौपड़ा आदि शिक्षक मौजूद रहे।

हंसराज को पीएचडी की उपाधि

टोंक, (निसं)। टोंक उपखण्ड के गांव छाण निवासी डॉ. हंसराज चौधरी पुत्र भंवर लाल जाट को पीजीआई चंडीगढ़ में 37वें दीक्षांत समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ ने पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया है। डॉ. हंसराज जेएनवी छान से 2004 बैच के पासआउट हैं। तब से, वह पीजीआई चंडीगढ़ चले गए जहां उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की और 12 वर्षों से अधिक समय तक पीजीआई में सेवा की। वह वर्तमान में एक वैज्ञानिक के रूप में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में कार्यरत हैं। अब तक, डॉ चौधरी ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिकाओं में 30 से अधिक शोध लेख प्रकाशित किए हैं। उन्होंने यह पुरस्कार अपने माता-पिता, परिवार, भाई और शिक्षकों को समर्पित किया।

221 यूनिट रक्त एकत्रित किया

दूदू, (निसं)। जिला मुख्यालय के मोजमाबाद रोड स्थित एक निजी गार्डन में रविवार को आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाकर 221 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया शिविर के दौरान युवाओं के साथ-साथ महिलाओं ने भी पहुंचकर रक्तदान कर पुण्य का काम किया इस दौरान पार्षद पुरुषोत्तम स्वामी समाजसेवी विकास दाधीच कमल चौधरी जिला परिषद सदस्य मनोहर लाल बेरवा सहित लोगों ने शिविर को सफल बनाने का प्रयास किया रक्तदान दाताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

भाटी नर्सेज जिलाध्यक्ष बने

कोटपूतली, (निसं)। राजस्थान राज्य नर्सेज एसोसिएशन संगठन द्वारा सवाई मानसिंह चिकित्सालय जयपुर में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत हरिसिंह भाटी को जयपुर जिला शाखा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रदेशाध्यक्ष चंद्रकांत शर्मा ने बताया कि भाटी की कार्यकुशलता, निष्ठा, नर्सेज के प्रति समर्पण को देखकर नर्सेज द्वारा जिलाध्यक्ष चुना गया है। भाटी इससे पूर्व में जिला महामंत्री जयपुर के पद पर भी रह चुके है। इस मौके पर समस्त नर्सेज ने भाटी को शुभकामनायें प्रेषित की।

बाबा रामदेव भंडारा 13 अगस्त से

टोंक, (निसं)। ग्राम सोहेला में बाबा रामदेव सेवा समिति द्वारा 17वें विशाल भंडारे की शुरुआत 13 अगस्त मंगलवार से विधिवत पूजा अर्चना के साथ शुरू किया होगा। समिति के सदस्य पूर्व सरपंच रामदास बेरवा ने बताया कि भंडारे का समिति सदस्यों व ग्रामवासीयों के सहयोग से शुभारंभ किया जायेगा।

रेलवे पेंसनर्स सोसायटी की मासिक बैठक

फुलेरा, (निसं)। रेलवे पेंसनर्स सोसायटी शाखा फुलेरा की सामूहिक गोठ एवं नियमित मासिक बैठक का आयोजन क्षेत्र के निकटवर्ती जोबनेर कालख बांध पर शाखा अध्यक्ष रमेश चन्द वर्मा की अध्यक्षता एवं राम गोपाल सैनी के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम के प्रारंभ में रामगोपाल शर्मा के द्वारा गणेश वन्दना गायन प्रस्तुत किया गया। इसके बाद वहीं कार्यक्रम में आगन्तुक अतिथियों का माला साफा पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया गया। इसी क्रम में संस्था में जुड़कर बने नये सदस्यों का भी माला पहना कर स्वागत किया गया। इसके अलावा वहीं शाखा सचिव लाल चन्द कुमावत ने इस माह की प्रगति रिपोर्ट सभा के समक्ष रखी, साथ ही वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश सहाय शर्मा, श्याम लाल सैनी, एस.के.माथुर, सी.पी.त्रिपाठी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अपने विचार रखे। इसी क्रम में शाखा की सांस्कृतिक टीम ने मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी। जिसमें मुख्य रूप से राधा देवी, मंजु देवी, विजय गोपाल दाधीच सहित अन्य रेलवे पेंसनर्स एवं उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया।

कोटपुतली में निरन्तर बारिश से पुराने भवनों पर मंडराया खतरा

कोटपूतली, (निसं)। क्षेत्र में जारी निरन्तर बारिश ने जहां आवागमन ठप करने के साथ-साथ जल भराव की बड़ी समस्या खड़ी कर दी है। वहीं रास्तों पर जाम एवं बारिश के पानी से गड्ढे भरने जैसी परिस्थितियां भी परेशानी का सबब बन रही है।

इसी प्रकार लगातार हो रही बारिश से कस्बे में पुराने भवनों के गिरने का खतरा भी मंडरा रहा है। जिसका नजारा रविवार को कस्बे के वार्ड नं. 39 में देखने को मिला। जहां लगातार हो रही बारिश से एक पुराना मकान भरभरा कर गिर गया। गनीमत यह रही कि आसपास किसी भी व्यक्ति के मौजूद ना होने से कोई घायल या हताहत नहीं हुआ। जिससे बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि पूराने मकान की नींव में पानी जमा हो जाने से यह घटना हुई है।

- कस्बे के वार्ड नं. 39 में भरभरा कर गिरा मकान, बड़ा हादसा टला

उल्लेखनीय है कि कस्बे के पूराने मौहल्लों में बड़ी संख्या में ऐसे वर्षो पूराने मकान व भवन आदि है जो सालों से खाली एवं वीरान पड़े है। ऐसे में मरम्मत के अभाव में उक्त भवनों के गिरने का खतरा लगातार बना रहता है जो कि बारिश के दिनों में ओर भी गहरा जाता है। नगर परिषद द्वारा इस ओर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया जा रहा है। यहां तक की विभिन्न वार्डो में स्थित ऐसे पूराने भवनों की कोई भी सूची परिषद प्रशासन के पास नहीं है। वार्डवासियों का कहना है कि नगर परिषद को ऐसे खाली व सुनसान भवनों को चिन्हित कर उनके मालिकों की पहचान कर नोटिस भेजकर इन्हें गिराने की कार्यवाही करनी चाहिये।

वार्ड नं. 39 में एक पुराना मकान भरभरा कर गिर गया।

विद्यालय को दान की आवश्यक सामग्रियां

पावटा, (निसं)। राजस्थान चिल्ड्रन हॉस्पिटल के संस्थापक और राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आँतेला में शिशु रोग विशेषज्ञ के रूप में कार्यरत डॉ. गोकुल गिठाला ने अपने पिता स्वर्गीय प्रभात गिठाला की स्मृति में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा को एक लाख इक्यावन हजार कीमत के प्रयोगशाला एवं विद्यालय प्रयोग हेतु 5 अलमारी, 50 कुर्सियां, चार बडी टेबल और 5 कमरों हेतु मैट विद्यालय प्रधानाचार्य जयसिंह यादव को भेंट की। विद्यालय प्रधानाचार्य जयसिंह यादव ने बताया कि डॉ. गोकुल गिठाला का परिवार समय-समय पर विद्यालय एवं अन्य संस्थाओं को आवश्यक सामग्री भेंट करता रहता है। जिसमें उनकी माता मुय प्रेरणा स्त्रोत रहती हैं। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा के पूर्व छात्र रहे डॉ. गिठाला अपने विद्यार्थी जीवन से ही पढाई में अव्वल रहने के साथ-साथ समाज में जरूरतमंद लोगों की सहायता करते रहे हैं। इस संपूर्ण प्रक्रिया में स्थानीय विद्यालय के श्रीराम यादव उप प्राचार्य का महत्वपूर्ण योगदान प्रेरक के रूप में रहा।

कावड़ यात्रा के दौरान डीजे को लेकर हुआ विवाद

चाकसू, (निसं)। रविवार को फागी रोड गोलीराव तालाब के पास गलता जी जयपुर से चाकसू के दलप्तपुरा जा रही कावड़ यात्रा में डीजे को लेकर कावड़ियों और समुदाय विशेष के एक पक्ष के कुछ लोगों के साथ हल्का विवाद हो गया जो पुलिस प्रशासन की तत्काल कार्यवाही व स्थानीय दोनों पक्षों के जिम्मेदार लोगों की समझाइश से हाथों-हाथ सुलझ गया।

- पुलिस की तत्काल कार्यवाही से मामला सुलझा

थाना प्रभारी कैलाश दान ने बताया कि फागी रोड गोलीराव तालाब के पास समुदाय विशेष के लोगों ने पानी की छबील लगा रखी थी इस दौरान गलता जयपुर से चाकसू के दलप्तपुरा के लिये कावड़ यात्रा आ रही थी जिसमे तेज आवाज में डीजे बज रहा था जिसे लेकर समुदाय विशेष के एक पक्ष के कुछ युवाओं से कावड़ियों का विवाद हो गया जिसकी इतला पुलिस को दी जो तुरंत मोके पर पहुंची और दोनो पक्षो को शांत किया। वही पुलिस व क्षेत्र के जिम्मेदार लोगों ने दोनों पक्षो को समझाइश करके मामले को हाथों -, हाथ निबटारा कर दिया जिससे बड़ा विवाद होने से टल गया बाद में कावड़ यात्रा को उनके स्थान के लिये रवाना कर दिया। वहीं ऐतियात के तौर पर पुलिस ने घटना स्थल पर सुरक्षा कर्मी तैनात कर दिये है किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में आगे की कार्यवाही की रिपोर्ट नही दी गयी।

एक मैच के निलंबन के कारण मुझे सेमीफाइनल मैच से बाहर होने का मलाल है। ये काफी अहम मैच था। पूरा देश और मेरे साथी खिलाड़ी मेरे साथ थे। टीम ने कभी भावनात्मक रूप से बाहर होने नहीं दिया। मेरा ध्यान बस अगले मैच पर था। – **अमित रोहिदास**

भारतीय हॉकी खिलाड़ी, अपने बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बखोदिर जलोलोव

उज्बेकिस्तान के बखोदिर जलोलोव ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों के 92 प्लस किग्रा वर्ग के मुक्केबाजी फाइनल में स्पेन के अयूब गदफा डिसी एल आइसाउई को हराया। रोलैंड-गैरोस स्टेडियम में देर रात बखोदिर जलोलोव ने शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए स्पेन के मुक्केबाज को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। बखोदिर जलोलोव का यह ओलंपिक में दूसरा स्वर्ण पदक है। मुकाबला जीतने के बाद जलोलोव ने कहा, यह उज्बेकिस्तान के लिए इतिहास है और मैं भावुक हूं क्योंकि दो बार ओलंपिक चैंपियन बनना मेरा सपना था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

विनेश फोगाट से पहले एना बारबोसु खिलाड़ी को मिला सीएएस से न्याय

नई दिल्ली, 11 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 शुरू से ही किसी ना किसी कारण चर्चा में रहा। वहीं ओलंपिक 2024 में भारतीय स्टार रेसलर विनेश फोगाट को 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण फाइनल से बाहर कर दिया गया था।

ऐसे में उनसे मेडल छिन गया। जिसके बाद विनेश ने कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स में केस किया, जिसकी सुनवाई हो चुकी है लेकिन फैसला आने में अभी भी समय लगेगा। दरअसल, सीएएस ने पहले फैसला 11 अगस्त के लिए टाला था जिसके बाद एक बार फिर फैसला टालते हुए 13 अगस्त का दिन फैसले के लिए तय किया गया है। लेकिन इससे पहले ने

रोमानिया की जिम्नास्ट एना बारबोसु को अच्छी खबर दी है। जिम्नास्टिक के फ्लोर इवेंट में एना ने हारकर भी ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। साथ ही कोर्ट ने अमेरिका की जिम्नास्ट जॉर्डन चाइल्स से ब्रॉन्ज मेडल छीन लिया है। बता दें कि, इवेंट में जॉर्डन तीसरे और एना चौथे नंबर पर रही थीं।

बता दें कि, इवेंट के फाइनल राउंड में जॉर्डन ने 13.766 स्कोर के साथ तीसरे नंबर पर रहते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। जबकि एना का स्कोर 13.700 रहा था और वो चौथे नंबर पर रही जिस कारण वह बाहर हो गई थीं। एक तरह से उन्हें हार मिली थी। के फैसले केबाद रिजल्ट को पूरी तरह से बदला गया। मैच में हार के बाद एना बारबोसु और उनकी टीम ने में केस दायर किया था। उन्होंने कहा कि जॉर्डन चाइल्स को गलत तरीके से पॉइंट्स दिए गए हैं। जिस कारण वो तीसरे नंबर पर रहीं।

पेरिस ओलंपिक खेलों में सर्वाधिक 40 स्वर्ण पदक के साथ चीन का दबदबा रहा

पेरिस, 11 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में चालीस स्वर्ण पदक के साथ चीन ने दबदबा कायम रखा वहीं अमेरिका 38 स्वर्ण पदक के साथ दूसरे स्थान रहा। वहीं कुल पदकों के मामले में अमेरिका 124 पदकों के साथ एकमात्र शतकवीर रहा। चीन ने पेरिस खेलों में सर्वाधिक 40 स्वर्ण, 27 रजत और 24 कांस्य पदकों सहित कुल 91 पदक जीते है। इसी तरह अमेरिका 38 स्वर्ण, 44 रजत और 42 कांस्य सहित कुल सर्वाधिक 124 पदक के साथ पदक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा।

इसके बाद तीसरे स्थान पर जापान ने 20 स्वर्ण , 12 रजत एवं 13 कांस्य पदक के साथ कुल 45 पदक जीते। चौथे पायदान पर रहते हुए ऑस्ट्रेलिया ने कुल 53 पदक जीते जिनमें 18 स्वर्ण , 19 रजत एवं 16 कांस्य पदक है।

इसी तरह मेजबान फ्रांस 16 स्वर्ण , 25 रजत एवं 22 कांस्य पदक के साथ पांचवे स्थान पर रहा। भारत ने एक रजत एवं पांच कांस्य पदक जीते है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को सात पदक मिले थे। छठे स्थान पर रहते हुए नीदरलैंड ने 15 स्वर्ण , सात रजत एवं 12 कांस्य पदक के साथ कुल 34 पदक जीते। ग्रेट ब्रिटेन 14 स्वर्ण 22 रजत एवं 29 कांस्य पदक के साथ 65 पदक जीतकर सातवें स्थान पर, दक्षिण कोरिया 13 स्वर्ण, नौ रजत एवं 10 कांस्य पदकों के साथ कुल 32 पदकों के साथ आठवें स्थान पर रहा। इटली 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं 15 कांस्य पदकों के कुल 40 पदक जीतकर नौवें स्थान एवं जर्मनी 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं आठ कांस्य के साथ कुल 33 पदक जीतकर दसवें स्थान पर रहा।

भारत पदक तालिका में कुल छह पदकों के साथ 71वें स्थान पर रहा है। भारत के लिए पेरिस 2024 में निशानेबाजी में मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग में कांस्य पदक जीतकर देश को पहला पदक दिलाया। इस तरह वह ओलंपिक निशानेबाजी में भारत की पहली पदक विजेता बन गईं। फाइनल में वह दक्षिण कोरिया की ओह ये जिन और किम येजी से पीछे रहीं।

मनु भाकर ने पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन खेलों में इतिहास रच दिया और वह एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं। महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के कुछ दिनों बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन दोनों ने टीम पदक के लिए दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वियों को हराया।

इसी तरह निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने पेरिस 2024 में भारत के लिए तीसरा पदक जीता। इसी के साथ भारत ने ओलंपिक में किसी एक संस्करण में देश के लिए शूटिंग में सबसे अधिक पदक जीते। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन तीन पदकों ने लंदन 2012 में निशानेबाजी में जीते गए भारत के दो पदकों के प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। हालांकि, यह ओलंपिक में 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन शूटिंग इवेंट में पहला पदक था।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर ओलंपिक में अपना लगातार दूसरा पदक जीता। यह भारतीय हॉकी का 1968, 1972 और 2020 खेलों के बाद चौथा ओलंपिक कांस्य पदक था और उनका कुल मिलाकर 13वां ओलंपिक पदक। पेरिस में भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह कुल दस गोल किए। मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुष भाला फेंक फाइनल में अपने टोक्यो 2020 खिताब का बचाव करने से ज़रूर चूक गए।

आईओसी ने अभिनव बिंद्रा को किया ओलंपिक ऑर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली, 11 अगस्त। भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय समिति ने ओलंपिक ऑर्डर अवॉर्ड से सम्मानित किया। पेरिस में जारी 142वें आईओसी सक्ष के दौरान उन्हें इस अवॉर्ड से नवाजा गया। उनसे पहले भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 1983 में इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को ओलंपिक आंदोलन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय समिति ने ओलंपिक ऑर्डर अवॉर्ड से सम्मानित किया। पेरिस में जारी 142वें आईओसी सक्ष के दौरान उन्हें इस अवॉर्ड से नवाजा गया। उनसे पहले भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 1983 में इस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

था। बीजिंग 2008 ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में टॉप स्थान हासिल करके भारत के पहले ओलंपिक व्यक्तिगत गोल्ड मेडलिस्ट बने बिंद्रा को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने सम्मानित किया। बिंद्रा ने कहा कि, जब मैं छोटा था तो ये ओलंपिक रिंग्स ही थे, जिन्होंने मेरे जीवन को अर्थ दिया।

आईओसी खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष बिंद्रा ने कहा कि ये पुरस्कार उन्हें और भी अधिक मेहनत करने और ओलंपिक आंदोल में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा, और दो दशक से अधिक समय तक अपने ओलंपिक सपने को पूरा करने में सक्षम होना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। खिलाड़ी के तौर पर अपने करियर के बाद, ओलंपिक आंदोल में योगदान देने की कोशिश करना मेरे लिए बहुत बड़ा जुनून रहा है।

सभी राजनीतिक दल विनेश को राज्यसभा भेजने पर फैसला लें : अजय

भिवानी, 11 अगस्त। जननायक जनता पार्टी (जजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला ने रविवार को कहा कि सभी राजनीतिक दलों को पहलवान विनेश को राज्यसभा भेजने पर सर्वसम्मति से फैसला लेना चाहिए और इसके लिए जजपा तैयार है। भिवानी जिले के गाँवों में जनसंपर्क अभियान के दौरान श्री चौटाला ने कहा कि विनेश का विषय देश की भावना से जुड़ा है इसलिए इस पर राजनीति करना उचित नहीं है। जजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी हर रोज नई-नई घोषणाएं करके जनता को गुमराह कर रहे है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कांग्रेस भी चुनाव के समय झूठी घोषणाएं करके जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। ओलिम्पिक में फाइनल में पहुँचने के बाद वज़न मामूली ज्यादा होने के कारण अयोग्य करार दी गई पहलवान विनेश को राज्यसभा भेजने की बात सबसे पहले नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कही थी। उन्होंने कहा था कि यदि कांग्रेस के पास बहुमत होता तो विनेश को राज्यसभा भेजते। उन्होंने यह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के उस बयान पर प्रतिक्रिया स्वरूप कहा था जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि विनेश को वह सब सुविधाएं और सम्मान हरियाणा सरकार देगी जो रजत पदक विजेता को दी जाती हैं।

नीरज का आलीशान घर, लग्जरी गाड़ियों और बाइक के लिए अलग पार्किंग

नई दिल्ली, 11 अगस्त। भारत के स्टार जैवलिन थ्रो खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में देश के लिए सिल्वर मेडल जीता। आजादी के बाद नीरज देश के पहले एथलीट हैं जिन्होंने दो मेडल जीते हैं। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड मेडल जीता था। ओलंपिक चैंपियन बनने के बाद नरीज पर करोड़ों रुपये की बरसात हुई। नीरज ने इन पैसों से अपने गांव में आलीशान घर बनाया है। ये घर किसी एक्टर या नेता के घर से कम नहीं है। वहीं नीरज के घर का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। नीरज के घर के बाहर नेमप्लेट पर लिखा हुआ है। साथ ही वासुधेव कुंटबकम लिखा है। वहीं घर के अंदर घुसते ही पार्किंग नजर आएगी। इस पार्किंग में कई लग्जरी गाड़ियां हैं, इसमें महिंद्रा थार, रेंर रोवर, मशर्टेग जैसी कारें शामिल हैं। जबकि इसके अलावा बाइक्स के लिए अलग से पार्किंग है। नीरज चोपड़ा के घर के आंगन में ही एक बड़ा मंदिर भी है। पूरे घर में पेड़ पौधे हैं और हर तरफ हरियाली है। घर के पीछे की ओर बैठक बनी हुई है। यहां ऊपर डिजाइनर लाइट्स लगी हैं साथ ही नीचे सफेद रंग के सोफे हैं और बगल में एक पूल टेबल भी है। जमीन पर हरी घास भी नजर आ रही है। नीरज के बहुमंजिला के घर के सबसे ऊपर तिरंगा लगा हुआ है।

पेरिस ओलंपिक खेलों में अमेरिका नंबर वन

पेरिस, 11 अगस्त। पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में पदकों का शतकवीर अमेरिका ने 126 पदकों के साथ अपना नंबर वन का रूतबा कायम रखा। वहीं 91 पदकों के साथ चीन दूसरे स्थान पर है। अमेरिका ने 40 स्वर्ण, 44 रजत और 42 कांस्य सहित कुल सर्वाधिक 126 पदक जीते है और वह पदक तालिका में शीर्ष पर। वहीं चीन सर्वाधिक 40 स्वर्ण, 27 रजत और 24 कांस्य पदकों सहित कुल 91 पदक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इसके बाद तीसरे स्थान पर जापान ने 20 स्वर्ण , 12 रजत एवं 13 कांस्य पदक के साथ कुल 45 पदक जीते। चौथे पायदान पर रहते हुए ऑस्ट्रेलिया ने कुल 53 पदक जीते जिनमें 18 स्वर्ण , 19 रजत एवं 16 कांस्य पदक है।

इसी तरह मेजबान फ्रांस 16 स्वर्ण , 25 रजत एवं 22 कांस्य पदक के साथ कुल 64 पदकों के पांचवे स्थान पर रहा। छठे स्थान पर रहते हुए नीदरलैंड ने 15 स्वर्ण , सात रजत एवं 12 कांस्य पदक के साथ कुल 34 पदक जीते। ब्रिटेन 14 स्वर्ण 22 रजत एवं 29 कांस्य पदक के साथ 65 पदक जीतकर सातवें स्थान पर, दक्षिण कोरिया 13 स्वर्ण, नौ रजत एवं 10 कांस्य पदकों के साथ कुल 32 पदकों के साथ आठवें स्थान पर रहा। इटली 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं 15 कांस्य पदकों के कुल 40 पदक जीतकर नौवें स्थान एवं जर्मनी 12 स्वर्ण, 13 रजत एवं आठ कांस्य के साथ कुल 33 पदक जीतकर दसवें स्थान पर रहा। भारत पदक तालिका में कुल छह पदकों के साथ 71वें स्थान पर रहा है। भारत ने एक रजत एवं पांच कांस्य पदक जीते है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को कुल सात पदक मिले थे।

भारत के लिए पेरिस 2024 में निशानेबाजी में मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग में कांस्य पदक जीतकर देश को पहला पदक दिलाया। इस तरह वह ओलंपिक निशानेबाजी में भारत की पहली पदक विजेता बन गईं। फाइनल में वह दक्षिण कोरिया की ओह ये जिन और किम येजी से पीछे रहीं। मनु भाकर ने पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन खेलों में इतिहास रच दिया और वह एक ही संस्करण में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं। महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के कुछ दिनों बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन दोनों ने टीम पदक के लिए दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वियों को हराया।

इसी तरह निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने पेरिस 2024 में भारत के लिए तीसरा पदक जीता। इसी के साथ भारत ने ओलंपिक में किसी एक संस्करण में देश के लिए शूटिंग में सबसे अधिक पदक जीते। उन्होंने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इन तीन पदकों ने लंदन 2012 में निशानेबाजी में जीते गए भारत के दो पदकों के प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया। हालांकि, यह ओलंपिक में 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन शूटिंग इवेंट में पहला पदक था। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर ओलंपिक में अपना लगातार दूसरा पदक जीता। यह भारतीय हॉकी का 1968, 1972 और 2020 खेलों के बाद चौथा ओलंपिक कांस्य पदक था और उनका कुल मिलाकर 13वां ओलंपिक पदक। पेरिस में भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह कुल दस गोल किए।

मौजूदा विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुष भाला फेंक फाइनल में अपने टोक्यो 2020 खिताब का बचाव करने से ज़रूर चूक गए लेकिन 89.45 मीटर का थ्रो करके रजत पदक जीता, जो उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो है। वह ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले स्वतंत्र भारत के पहले ट्रैक एंड फील्ड एथलीट बन गए। अमन सहरावत ने पेरिस 2024 में पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती स्पर्धा में भारत के लिए लगातार दूसरा ओलंपिक पदक जीता। भारतीय पहलवान ने कांस्य पदक मुकाबले में प्यूर्टो रिको के डेरियन क्रूज को 13-5 से हराया। कांस्य पदक मैच से पहले अमन ने पेरिस ओलंपिक में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, जिसमें पूर्व विश्व चैंपियन अल्बानिया के ज़ेलिमखान अबकारोव पर जीत भी शामिल थी। 21 साल 24 दिन के अमन सहरावत ओलंपिक में भारत के सबसे कम उम्र के पदक विजेता रहे।

पहली ग्रांट से रिपेयर होगा जीएनडीयू का एस्ट्रो टर्फ : औजला

अमृतसर, 11 अगस्त। पंजाब के अमृतसर से कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने रविवार को कहा कि वह पहली ग्रांट आने पर श्री गुरु नानक देव युनिवर्सिटी (जीएनडीयू) में 25 लाख के खर्च से एस्ट्रो टर्फ की मरम्मत कराएंगे और हर साल एक टर्फ बनाया जाएगा ताकि खिलाड़ी मन लगाकर खेल सकें। औजला ने आज ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर वापिस आयी नैशनल हॉकी टीम का श्री गुरु राम दास जी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्वागत करते हुए कहा कि इन खिलाड़ियों ने बेहद उत्साह के साथ पंजाब का और देश का नाम ऊंचा किया है। उन्होंने खिलाड़ियों के लिए एक करोड़ की घोषणा होने पर कहा कि पिछली बार कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार में भी पहले विजेता टीम के लिए एक करोड़ की घोषणा की थी लेकिन मैंने खुद जोर देकर उसे दो करोड़ 51 लाख रु कराया था। उन्होंने कहा कि वह खुद खिलाड़ी रहे हैं और जानते हैं कि दिन रात की मेहनत के बाद ही जीत हासिल हो पाती है। औजला ने कहा कि पंजाब में नशे के दरिया को रोकने के लिए खेलों को प्रोमोट करना बेहद जरूरी है। इसीलिए जब हरियाणा खिलाड़ियों को ढाई करोड़ दे रहा है तो पंजाब के खिलाड़ियों को भी ढाई करोड़ मिलने चाहिए। उन्होंने कहा कि यह खिलाड़ी हर किसी के लिए मिसाल के रुप में उभरे है और इन्हें देखकर ही युवकों को प्रेरणा लेनी चाहिए। आने वाली पीढ़ी को खेलों के प्रति रुचि दिखानी चाहिए ताकि वह अपनों का और देश का नाम रोशन कर सकें।

बीस भारतीय एथलीटों को ओलंपिक में ध्वजवाहक बनने का सम्मान मिला

पेरिस, 11 अगस्त। भारत की ओर से ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय ध्वजवाहक बनने वाले पहले एथलीट पुरमा बनर्जी के बाद अब तक बीस एथलीटों को यह सम्मान मिला है। हॉकी खिलाड़ियों को सबसे अधिक छह बार यह सम्मान हासिल हुआ है। बेल्जियम के हुये एंटवर्प ओलंपिक 1920 में 400 मीटर धावक पुरमा बनर्जी को पहला भारतीय ध्वजवाहक बनने का सम्मान मिला था। ग्रीष्मकालीन खेलों में एक देश का ध्वजवाहक राष्ट्र के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है और इसे ओलंपिक आदर्शों के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। यह भविष्य के लिए एक प्रेरणा या रोल मॉडल हो सकता है। वर्षों से भारत के लिए ओलंपिक ध्वजवाहक अपने-अपने खेलों के अग्रणी खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने कई बार अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया है। उनकी पहचान भारत के महान खिलाड़ियों के रूप में होती है। आजाद भारत में लंदन ओलंपिक 1948 के पहले ध्वजवाहक होने का सम्मान भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के प्रेरणादायक पहले कप्तान डॉ. तालीमरीन एओ को मिला। लेकिन इनमें से केवल आठ ही ऐसे एथलीट्स हैं, जिन्होंने ओलंपिक में पदक जीता। देश के एकमात्र पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा रियो ओलंपिक 2016 में भारत के ध्वजवाहक थे। यह उनका आखिरी ओलंपिक भी था। ध्वजवाहकों में अन्य स्वर्ण पदक विजेताओं में 1932 ओलंपिक हॉकी टीम के कप्तान लाल चंद भोकरी, जादूगर ध्यान चंद, दिग्गज बलबीर सिंह सीनियर और जफर इकबाल भी शामिल हैं।

मनु भाकर-सरबरोज सिंह को मिला सरकारी नौकरी का ऑफर

नई दिल्ली, 11 अगस्त। भारत को पेरिस ओलंपिक 2024 में शूटिंग से तीन मेडल मिले। भारत को सरबजोत सिंह और मनु भाकर ने ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। मनु और सरबजोत सिंह ने हाल ही में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुलाकात की। इन दोनों को हरियाणा सरकार ने नौकरी का ऑफर दिया है। लेकिन दोनों ही नौकरी करने से इंकार कर दिया है। सरबजोत और मनु ने नौकरी का ऑफर न स्वीकार करने का कारण भी बताया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री के मीडिया कॉर्डिनेटर मुकेश वशिष्ठ ने इस मसले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि, इन दोनों खिलाड़ियों को नौकरी जॉइन करना मुश्किल है। ये दोनों मेडल के लिए खेल रहे हैं। मनु और सरबजोत सिंह का कहना है कि वे दोनों गोल्ड मेडल के लिए खेल रहे हैं, न की नौकरी के लिए, मनु और सरबजोत को खेल विभाग में डिप्टी डायरेक्टर की पोस्ट ऑफर की गई थी, इन दोनों से पहले और भी एथलीट्स को

नौकरी का ऑफर मिल चुके हैं। अगर मेडल टैली पर नजर डालें तो इसमें चीन सबसे ऊपर है। चीन ने कुल 90 मेडल जीते हैं, इसमें 39 गोल्ड, 27 सिल्वर और 24 ब्रॉन्ज हैं। दरअसल, मेडल टैली में सबसे ज्यादा गोल्ड जीतने वाला देश सबसे ऊपर रहता है। यूएसए दूसरे नंबर पर है। उसने 38 गोल्ड समेत 122 मेडल जीते हैं। इसमें 42 सिल्वर और 42 ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। ऑस्ट्रेलिया 18 गोल्ड मेडल के साथ 18 सिल्वर और 14 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं।

विश्व स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि को बढ़ाया : अवश्ती

सोलन, 11 अगस्त। हिमाचल प्रदेश के मुख्य संसदीय सचिव संजय अवस्थी ने कहा कि राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने न केवल विश्व स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि को बढ़ाया है अपितु विभिन्न स्तरों की प्रतिस्पर्धाओं में खिलाड़ियों को दी जानी वाली डाईट मनी में भी वृद्धि की है। अवस्थी रविवार को अर्कफ विधानसभा क्षेत्र के राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में 14 वर्ष से कम आयुवर्ग की तीन दिवसीय खण्ड खेल-कूद प्रतियोगिता के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे।

अवस्थी ने कहा कि खेल व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ राष्ट्र एवं प्रदेश की छवि को सशक्त बनाने का बेहतर माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को बेहतर खेल अधोसंरचना एवं प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। ओलपिंक्स खेलों की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने पर दी जानी वाली पुरस्कार राशि तीन करोड़ रुपए से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपए, रजत पदक जीतने पर पुरस्कार राशि दो करोड़ रुपए से बढ़ाकर तीन करोड़ रुपए तथा कांस्य पदक जीतने पर पुरस्कार राशि को एक करोड़ रुपए से बढ़ाकर दो करोड़ रुपए किया गया है। उन्होंने कहा कि एशियन खेलों और राष्ट्र मण्डल खेलों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि में भी वृद्धि की गई है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न स्तरों की प्रतिस्पर्धाओं में खिलाड़ियों को दी जाने वाली डाईट मनी में आशातीत वृद्धि की गई है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य न केवल खिलाड़ियों के मनोबल को बढ़ाना है अपितु उन्हें भविष्य की चिंता से मुक्त भी करना है।

अवस्थी ने अध्यापकों और छात्रों से आग्रह किया कि एक खेल में उत्कृष्ट बनें ताकि उनकी प्रतिभा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का नाम रोशन कर सके। उन्होंने कहा कि लक्ष्य निर्धारित कर किए जाने वाले कार्यों में सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि हार से निराश न हों अपितु हार से सबक लेकर अपनी गल्तियों को सुधारते हुए जीत प्राप्त करना का प्रयास करें।

मुख्य संसदीय सचिव ने कहा कि खिलाड़ी समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत होते है और नशे के विरुद्ध खिलाड़ियों के सामूहिक प्रयास युवाओं को नशे से दूर रखने में सहायक होंगे। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि हिमाचल को नशा मुक्त बनाने में प्रदेश सरकार के प्रयासों को सहयोग दें।

अवस्थी ने राजकीय छात्र वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला अर्कफ में शौचालय निर्माण के लिए 23 लाख रुपए प्रदान करने तथा छत की मुरम्मत के लिए प्राकलन अनुसार धनराशि प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजकों को 21 हजार रुपए देने की घोषणा भी की।

उन्होंने इस अवसर पर सभी को विश्वास दिलाया कि अर्कफ विधानसभा क्षेत्र का समुचित विकास उनकी प्राथमिकता है और विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। आज से आरम्भ हुई इस तीन दिवसीय खण्ड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में 18 विद्यालयों के 210 छात्र भाग ले रहे हैं। कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, बैडमिंटन और मार्चपास्ट इत्यादि खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

डॉ. मनीष अग्रवाल अध्यक्ष व अरुण प्रताप सिंह बने सचिव

मुकेश अग्रवाल बने वरिष्ठ उपाध्यक्ष, ललित गुप्ता सहित चार उपाध्यक्ष बने, जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के चुनाव सम्पन्न

जयपुर, 11 अगस्त। रविवार को संडे होटल में संपन्न हुये जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के चुनावों में डा. मनीष अग्रवाल अध्यक्ष पद पर तथा अरुण प्रताप सिंह मानद सचिव पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुये। जबकि सीए मुकेश अग्रवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुये। ललित गुप्ता, सुब्रत सेन, आशीष जैन व अनिरुद्ध सिंह राजावत उपाध्यक्ष चुने गये।

इन चुनावों में जिला क्रीड़ा परिषद् की ओर से राजेश कुमार टेलर, जयपुर जिला ओलम्पिक संघ की ओर से भंवर लाल शर्मा, राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ की ओर से चंद्रवीर सिंह राजावत पर्यवेक्षक के रुप में मौजूद थे। चुनाव अधिकारी रिटायर्ड खेल अधिकारी महेश चंद सैनी थे। यह चुनाव राजस्थान स्पोर्ट्स एक्ट-2005 व नेशनल

स्पोर्ट्स डेवलपमेंट कोड-2011 के प्रावधानों के तहत हुए है। निवर्तमान सचिव यश प्रताप सिंह ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का माला पहनाकर स्वागत किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष डा. मनीष अग्रवाल ने कहा कि जल्दी ही कार्यकारिणी की बैठक आयोजित कर आगामी टूर्नामेंटों की रूपरेखा तैयार की जायेगी। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी : अध्यक्ष: डा. मनीष अग्रवाल। वरिष्ठ उपाध्यक्ष: मुकेश अग्रवाल। उपाध्यक्ष: ललित गुप्ता, सुब्रत सेन, आशीष जैन, अनिरुद सिंह राजावत। मानद सचिव: अरुण प्रताप सिंह। कोषाध्यक्ष: लोकेश शर्मा। संयुक्त सचिव: महिवर्दन सिंह, विनोद बालोदिया, पीयूष तिवारी, हर्षवर्धन सिंह सोलंकी। कार्यकारिणी सदस्य: दीपक गुप्ता, मोहित शर्मा, दीपेंद्र प्रधान, अभिनव पालीवाल।

प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री सभी अधिकारियों एवं जिला सचिवों को जिलों का दौरा करने तथा आपदा राहत के त्वरित इंतजाम करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि, जान-माल के नुकसान से बचाना एवं सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत पहुंचाने के निर्देश दिए

मु.मंत्री भजनाल शर्मा ने आपदा प्रबंधन की समीक्षा बैठक में कहा कि अतिवृष्टि की स्थिति का जायजा लेने के लिए प्रभारी सचिव जिलों का दौरा करें

- **मुख्यमंत्री ने विभागों की संयुक्त टीमें गठित करने तथा बचाव एवं राहत कार्य में गति लाने के निर्देश दिये।**

जयपुर, 11 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों के संबंध में मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चाधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में हर संभव और त्वरित राहत पहुंचाने तथा बचाव-राहत कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आपदा प्रबंधन गतिविधियों को अधिक सक्रिय बनाने के लिए निर्देश दिए।

शर्मा ने बैठक में निर्देश दिए कि प्रभारी सचिव अपने प्रभार वाले जिलों का दौरा कर अतिवृष्टि की स्थिति का जायजा लें और जिला प्रशासन के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में तुरंत राहत पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस प्रशासन की पूर्ण सतर्कता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित विभागों की संयुक्त टीमें गठित कर तत्काल राहत कार्यों में गति लाई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बचाव व राहत कार्यों को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर रहे एवं जलभराव क्षेत्रों का दौरा कर पानी निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें तथा प्रभावित क्षेत्रों में पानी, बिजली सहित बुनियादी सुविधाओं की शीघ्र बहाली की जाए। साथ ही उन्होंने भोजन, पेयजल, दवाइयों की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु मुस्तैदी से कार्य करें एवं आमजन में जागरूकता हेतु एडवाइजरी जारी की जाए।

शर्मा ने कहा कि राज्य एवं जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम की व्यवस्था को चाक-चौबंद रखा जाए। साथ ही, मौसम विभाग के आने वाले दिनों के पूर्वानुमान के आधार पर आवश्यक ऐहतियाती उपाय किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त बांधों और नहरों की स्थिति की लगातार निगरानी की जाए।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू.आर.साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन आनन्द कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन टी. रविकान्त, आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण मंजू राजपाल, चैयरमैन डिस्कॉम्स भानू प्रकाश एटूरू सहित आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश को बनायेंगे ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने भीलवाड़ा नगर निगम सहित बजट घोषणाओं के लिए आभार सभा को म्संबोधित किया

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए हर क्षेत्र-हर वर्ग सौगातें दी गई हैं।**

जयपुर, 11 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने निवास पर भीलवाड़ा नगर परिषद को नगर निगम में क्रमोन्नत करने सहित भीलवाड़ा और जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र से संबंधित बजट घोषणाओं के लिए आयोजित आभार सभा को संबोधित करते हुए कहा कि, राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों की आकांक्षाओं के अनुरूप विकसित राजस्थान के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि परिवर्तित राज्य बजट 2024-25 विकसित राजस्थान की धुरी हैं। इसमें प्रदेशवासियों से प्राप्त विभिन्न सुझावों को शामिल करते हुए राज्य के विकास का रोडमैप तैयार किया गया है तथा हर क्षेत्र और हर वर्ग को सौगातें दी गई हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास के लिए बिजली और पानी सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताएं होती है। इसलिए हमारी सरकार इन क्षेत्रों के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को बढावा देने एवं ऊर्जा उत्पादक इकाइयां स्थापित करने के लिए विभिन्न एमओयू किये गये हैं। हमारा लक्ष्य वर्ष 2027 तक राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। शर्मा ने कहा कि प्रदेशवासियों को शुद्ध पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी के साथ ही शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता तथा दक्षिण राजस्थान के जिलों के लिए देवास परियोजना का धरातल पर क्रियान्यवन कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली-पानी की पर्याप्त उपलब्धता से राज्य में कृषि, उद्योग एवं पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा जिससे विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भीलवाड़ा शहर का विस्तार तेजी से हो रहा है। हमने भविष्य की जरूरतों को समझते हुए भीलवाड़ा नगर परिषद को नगर निगम में क्रमोन्नत करने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि परिवर्तित राज्य बजट में भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। इनमें भीलवाड़ा में 132 केवी जीएसएस एवं बीएसपी नगर में 33/11 केवी जीएसएस का निर्माण तथा 8 करोड़ रुपये से भीलवाड़ा-देवगढ़ वाया पांसल, पिथास बागोर, बोराणा जगदीश सड़क चौड़ाईकरण कार्य शामिल हैं। शर्मा ने कहा कि भीलवाड़ा में टैक्सटाइल पार्क स्थापित करने के साथ ही 12 करोड़ रुपये से मानसरोवर झील के विकास कार्य भी करवाये जायेंगे। इसके अतिरिक्त उदयपुर, चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा में पेयजल तथा सिंचाई के लिए 30 करोड़ रुपये की परियोजना एवं जयपुर-भीलवाड़ा ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण की डीपीआर बनायी जानी भी प्रस्तावित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए भी राज्य बजट में कई प्रावधान किए गए है। लगभग 71 करोड़ रुपये की लागत से क्षेत्र की विभिन्न सड़कों का निर्माण उन्नयन एवं चोड़ाईकरण कार्य कराये जायेंगे। साथ ही पीपलूंद में औद्योगिक क्षेत्र तथा पण्डेर में औद्योगिक पार्क स्थापित किया जायेगा। शर्मा ने कहा कि जहाजपुर-शाहपुरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को उप जिला चिकित्सालय में तथा अमरगढ़ एवं सरदार नगर (बनेड़ा) के उप स्वास्थ्य केन्द्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में क्रमोन्नत किया जायेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए जहाजपुर-शाहपुरा में कन्या महाविद्यालय, कोटडी में नवीन महाविद्यालय तथा सरसिया में जनजाति बालिका छात्रावास खोला जायेगा। इसके अतिरिक्त गुढ़ा में 33/11 केवी जीएसएस का निर्माण भी करवाया जायेगा।

कार्यक्रम में जहाजपुर और भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से आये लोगों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को साफा एवं दुपट्टा पहनाकर उनका अभिनंदन किया एवं शौर्य के प्रतीक के रूप में तलवार भेंट की। इस अवसर पर जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा एवं भीलवाड़ा नगर परिषद के सभापति राकेश पाठक सहित विभिन्न जन प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

'अडानी ग्रुप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महीने बाद एक ब्लॉगपोस्ट में आरोप लगाया, सेबी ने अडानी के मॉरीशस और विदेश स्थित फर्जी कंपनियों के कथित अघोषित जाल में आश्चर्यजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है।

अडानी समूह ने अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के नवीनतम आरोपों को दुर्भावनापूर्ण और चुनिंदा सार्वजनिक सूचनाओं से छेड़छाड़ करने वाला बताते हुए रविवार को कहा कि उसका बाजार नियामक सेबी की अध्यक्ष या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है।

'बांग्लादेश के रणनीतिक द्वीप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मेरी सत्ता कायम रहती। उन्होंने कहा, लेकिन मैंने अपने देश के लोगों का ख्याल रखा। शेख हसीना ने लोगों से यह भी अपील की कि वह उग्रवादियों के बहकावे में न आएं। गौरतलब है कि मई में हसीना ने बांग्लादेश और म्यांमार के कुछ हिस्सों को विभाजित करके पूर्वी तिमोर की तरह एक ईसाई राज्य बनाने की साजिश का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया कि अगर वह किसी विदेशी देश को बांग्लादेश में एयरबेस स्थापित करने की अनुमति देती हैं तो उन्हें बेहद आसानी से एक बार फिर पीएम चुन लिया जाएगा। हालांकि उन्होंने उस वक्त देश का नाम नहीं बताया था। शेख हसीना ने अपने बयान में कहा कि अगर वह देश में रुकी होतीं तो और ज्यादा मौतें हो जातीं। इतना ही नहीं, प्रदर्शन भी काफी उग्र होता और इससे नुकसान भी काफी होता। उन्होंने बांग्लादेशवासियों से कहा कि मैं आपकी लीडर बनी, क्योंकि आपने मुझे चुना था। बता दें कि शेख हसीना के इस्तीफे के बाद बांग्लादेश में 300 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। इसके चलते अभी तक वहां पर मरने वालों की संख्या बढ़कर 560 हो चुकी है। हसीना ने कहा कि उनके शब्दों का गलत इस्तेमाल करके छात्रों को भड़काया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैंने कभी भी प्रदर्शनकारी छात्रों को रजाकर कहकर नहीं बुलाया। हसीना ने कहा कि किस तरह से साजिश की गई है, इसको देखना है तो आप मेरे भाषण का पूरा वीडियो देखिए।

हरियाणा: जमीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी के अनुसार रानियां में श्री जीवननगर नामधारी धाम स्थित है। नामधारी सिख समुदाय के दो धाम हैं, एक धाम श्री भैणी साहिब लुधियाना में है, जिसे सतगुरु उदय सिंह संभालते हैं। दूसरा धाम सिरसा के रानियां में है, जिसे ठाकुर दलीप सिंह संभालते हैं। रविवार को सतगुरु उदय सिंह के अनुयायी डेरा जीवन नगर से सटी 12 एकड़ जमीन पर कब्जा करने की नीयत से आए थे। जमीन श्री जीवन नगर नामधारी धाम से सटी है। कब्जा लेने की कोशिश का पता चलते ही दूसरा पक्ष वहां पहुंच गया, जिसके बाद दोनों पक्षों में जमकर झगड़ा शुरू हो गया। सतगुरु उदय सिंह के 250 अनुयायियों ने डेरे पर हमला कर दिया। दोनों तरफ से हथियार निकल गए और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई। इस घटना में 6 लोगों को गोलियां लगी हैं।

वहीं खूनी झड़प की जानकारी मिलने के बाद जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो पुलिस पर भी गोलियां चला दी गई। एसएचओ की गाड़ी पर भी गोलियां बरसाई गई और ड्राइवर बाल-बाल बच गया। पुलिस वाले किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भागे। इसके बाद सिरसा के एसपी विक्रांत भूषण भारी पुलिस फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को वहां से खदेड़ा लेकिन पुलिस को शक है कि अभी भी हथियार बंद खेतों में छुपे हुए हैं, जिन की तलाश में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

सिरसा पिछले कई दिनों से तनाव में है। हाल ही में सिरसा के जगमालवाली स्थित मस्ताना शाह बलोचिस्तान आश्रम के संत महाराज बहादुर चंद वकील साहब का एक अगस्त को निधन हो गया था। उनकी गद्दी पर दो पक्षों की दावेदारी थी और डेरा प्रमुख के अंतिम संस्कार के दौरान दो पक्षों में गोलीबारी हुई थी।

इसे देखते हुए रस्म पगड़ी के दौरान भी हिंसा की आशंका को लेकर प्रशासन ने सिरसा में इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया गया था। सिरसा में इंटरनेट सेवा ठप कर दी गई थी। अब इस घटना ने सरकार और जिला प्रशासन की चिंता और बढ़ा दी है और जिले में कानून-व्यवस्था कायम रखना चुनौती बन गई है।

बाणगंगा नदी में नहाने गये सात युवकों की डूबने से मौत

बताया जा रहा है कि सभी युवक पानी में नहाने के दौरान रील बना रहे थे, सभी मृतक 14 वर्ष से 22 वर्ष आयु तक के बताए हैं

- **बयाना क्षेत्र में होकर बहने वाली इस बाणगंगा नदी में करीब तीन दशक बाद बरसाती पानी का ऐसा तेज बहाव आया है।**
- **घटना की सूचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम ने रैस्क्यू अभियान चलाकर बच्चों को पानी से निकलवाकर समीप के स्वास्थ्य केन्द्र झील का बाड़ा पहुंचाया।**
- **जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया तथा परिजनों से मिलकर नियमानुसार सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया।**

भरतपुर, 11 अगस्त (निसं)। जिले के बयाना उपखण्ड के पिदावली ग्राम के पास बाणगंगा नदी में वर्षा के पानी में नहाने के लिए गये श्रीनगर गांव निवासी सात बच्चों की डूब जाने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सभी युवक पानी में नहाने के दौरान रील बना रहे थे। सभी मृतक 14 वर्ष से 22 वर्ष आयु तक के बताए हैं। जानकारी के अनुसार, बयाना क्षेत्र में होकर बहने वाली इस बाणगंगा नदी में करीब तीन दशक बाद बरसाती पानी का ऐसा बहाव आया है। इस समय इस नदी में तीन से चार फीट पानी का जल स्तर बताया है किंतु इस नदी में कई जगह खनन माफियाओं की ओर से बड़े पैमाने पर मिट्टी का अवैध खनन किए जाने से गहरे गहरे गड्ढे हो गए हैं जिनमें काफी गहरा पानी भर जाने से और ऐसे गड्ढे में ही यह बच्चे डूब जाने से यह हादसा हुआ बताया है। इस घटना के बाद गांव में हाहाकार मच गया। कई दशकों बाद बयाना क्षेत्र में बाण गंगा नदी में पानी आया था। इस घटना की सूचना मिलने पर प्रशासन द्वारा त्वरित टीम भेजी गई। एस.डी.आर.एफ. की टीम ने रैस्क्यू अभियान चलाकर बच्चों को पानी से निकलवाकर समीप के स्वास्थ्य केन्द्र झील का बाड़ा पहुंचाया गया, जहां जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया तथा परिजनों से मिलकर नियमानुसार सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया।

बयाना उपखण्ड के पिदावली गांव के पास बाणगंगा नदी में बने गड्ढे में नहाने गये बच्चों के डूबने की सूचना मिलने पर प्रशासन द्वारा एस.डी.आर.एफ. टीम भेजकर रैस्क्यू किया गया जिनमें से तीन बच्चों को झील का बाड़ा लेकर गये तथा चार बच्चों को भरतपुर आर.बी.एम. अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने सातों को मृत घोषित कर दिया। जिला कलेक्टर के निर्देश पर उपखण्ड प्रशासन द्वारा नियमानुसार सहायता प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भिजवाया गया है। उपखण्ड अधिकारी बयाना ने बताया कि ग्राम श्रीनगर निवासी पवन (20) पुत्र उदय सिंह जाटव, सौरभ (14) पुत्र तानसिंह जाटव, भूपेन्द्र (18) पुत्र दशरथ जाटव, शांतनु (18) पुत्र खैमसिंह उर्फ खेमचन्द जाटव, लक्खी (20) पुत्र प्रीतम सिंह जाटव, पवन (22) पुत्र शुगर सिंह जाटव की डूबने से मौत हुई है।

मोदी ने ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की और कहा कि आम जनता का जैविक कृषि पर भरोसा बढ रहा है। उन्होंने कहा कि लोग जैविक खाद्य पदार्थों का उपभोग कर रहे हैं और इनकी मांग करते है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों को नई किस्मों के बारे में किसानों को जानकारी देने के लिए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। मोदी ने नई फसल किस्म विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों की सराहना की।

कार्यक्रम में शामिल किसानों ने कहा कि नई किस्मों से उनके खर्चों में कमी आएगी और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव पडेगा। किसानों ने प्राकृतिक कृषि को बढावा देने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र की जागरूकता बढाने में महत्वपूर्ण भूमिका है। वैज्ञानिकों ने बताया कि वे प्रधानमंत्री के सुझावों के अनुरूप काम कर रहे है।

बाद में केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संवाददाताओं से कहा कि आज किसानों के लिए ऐतिहासिक दिन है जब 61 फसलों की 109 किस्में जारी की गई हैं। उन्होंने कहा कि इनसे किसानों की आय बढेगी, पैदावार में इजाफा होगा और लागत घटेगी। चौहान ने कहा कि इन फसलों के बीज जलवायु अनुकूल है और खराब मौसम में भी बेहतर पैदावार दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि ये किस्में पोषक तत्वों से भरपूर हैं।

'हिन्दुओं को खत्म करने साजिश हो रही है'

आर.एस.एस. के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बांग्लादेश में हिन्दुओं के खिलाफ हो रही हिंसा पर बड़ा बयान दिया

- **होसबाले ने कहा कि दुनिया के कई स्थानों पर हिंदुओं के मानवाधिकार चिंताजनक स्तर पर पहुंच गए हैं और इस संबंध में आवाज उठानी होगी।**
- **होसबाले ने दावा किया, हिंदू किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि खुद की सुरक्षा के लिए एकजुट हो रहे हैं।**
- **गौरतलब है कि बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई है, जिसमें मुख्यतः हिंदुओं को निशाना बनाया गया।**

नई दिल्ली, 11 अगस्त। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बांग्लादेश में हिंसा पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने रविवार को दावा किया कि विभिन्न देशों से हिंदुओं का सफाया करने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने हिंसाग्रस्त बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्धों और अन्य अल्पसंख्यकों की रक्षा करने की जरूरत पर जोर दिया। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के क्षेत्रीय कार्यालय धर्मश्री भवन का आज उद्घाटन हुआ।

इस अवसर पर होसबाले ने कहा कि दुनिया के कई स्थानों पर हिंदुओं के मानवाधिकार चिंताजनक स्तर पर पहुंच गए हैं और इस संबंध में आवाज उठानी होगी।

आरएसएस के दूसरे नंबर के नेता ने दावा किया कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में हिंदू जिस देश में रहते हैं, उसके विकास में योगदान दे रहे हैं। वे नियमों और विनियमों का पालन करते हैं। साथ ही, शांति से रहते हैं जो कि गर्व की बात है। होसबाले ने कहा, 'फिर भी, विभिन्न देशों से हिंदुओं का सफाया करने की कोशिशें हो रही हैं। हम देख रहे हैं कि बांग्लादेश में क्या हो रहा है। भारत सरकार अपनी तरफ से कोशिश कर रही है।'

आरएसएस नेता ने कहा, 'बांग्लादेश में हिंदुओं, बौद्धों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा की जानी चाहिए। हमें अपनी आवाज उठानी होगी। कई देशों में हिंदुओं के मानवाधिकार चिंताजनक स्तर पर पहुंच गए हैं।' उन्होंने दावा किया कि हिंदू किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि खुद की सुरक्षा के लिए एकजुट हो रहे हैं।

सभा को संबोधित करते हुए विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने भी बड़ी बात कही। उन्होंने चारों दिशाओं में शत्रुतापूर्ण पड़ोसियों के कारण भारत के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों को रेखांकित किया और हिंदू एकता पर जोर दिया।

अडानी के शेयरों के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घोटाले में जेपीसी जांच नहीं होगी, तब तक मोदी जी अपने मित्र की मदद करते रहेंगे और देश की संवैधानिक संस्थाएं तार-तार होती रहेंगी।"

हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को आरोप लगाया कि सेबी की अध्यक्ष बुच और उनके पति के पास कथित अडानी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट 'विदेशी फंड' में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने अडानी पर अपनी पिछली रिपोर्ट के 18 महीने बाद एक 'ब्लॉगपोस्ट' में कहा, सेबी ने अडानी के मॉरीशस और विदेश स्थित इकाइयों के कथित अघोषित जाल में आश्चर्यजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है।

सेबी प्रमुख बुच और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि उनकी वित्तीय स्थिति (विनिमय) एक खुली किताब की तरह है। वहीं अडानी समूह ने रविवार को कहा कि हिंडनबर्ग के नए आरोप सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचनाओं का दुर्भावनापूर्ण, शरारती और छेड़छाड़ करने वाला चयन है तथा उसका बाजार नियामक सेबी की अध्यक्ष या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है।

कानोता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गहराई करीब 17 फीट है। ऐसे में जरा सी लापरवाही लोगों की जान मुसीबत में डाल सकती है।

खेतड़ी : महाराणा माता मंदिर के पास बने तालाब में नहाने उतरे तीन युवक डूबे

सांवलोद के रहने वाले तीनों युवक की मौत हुई

- **तालाब बीते कई महीनों से खाली था लेकिन बीते कई दिनों से हो रही बारिश के कारण तालाब में पानी की अच्छी आवक हो चुकी है।**

खेतड़ी, 11 अगस्त (निसं)। सिंघाना थाना क्षेत्र के महाराणा गांव में माता के मंदिर के पास बने तालाब में डूबने से रविवार शाम को तीन युवकों की मौत हो गई। तीनों मृतक महाराणा के पड़ोसी गांव सांवलोद के रहने वाले थे, जो नहाने के लिए महाराणा माता मंदिर के पास बने तालाब पर आए थे।

घटना शाम करीब साढ़े चार बजे की बताई जा रही है। युवकों के डूबने पर वहां नहा रहे अन्य लोगों ने पुलिस को सूचना दी तो सिंघाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा ग्रामीणों की मदद से तीनों युवकों को तालाब से बाहर निकाला गया है। थानाधिकारी कैलाश चंद यादव ने बताया कि महाराणा माता मंदिर के पास बने तालाब में तीन युवकों के डूब जाने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे। अभी दो युवकों के शव को निकाल लिया गया है तथा एक युवक की तलाश की जा रही है। तीनों युवक सांवलोद के रहने वाले होने की जानकारी सामने आई है। परिजनों के बारे में जानकारी जुटाकर युवकों की जानकारी जुटाई जा रही है। महाराणा की पहाड़ी पर ऐतिहासिक माता का मंदिर बना हुआ है। इसके अलावा मंदिर में सीढ़ी चढ़ने से पहले बने मुख्य द्वार के पास तालाब बना हुआ है। तालाब पिछले काफी दिनों से खाली था लेकिन क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हो रही बरसात से तालाब पानी से भर गया है। तीनों युवक अपने गांव से महाराणा माता के मंदिर में आए थे।

इस दौरान तालाब में पानी देख नहाने के लिए उतर गए। इस दौरान पानी में डूबने से तीनों की मौत हो गई है। घटना की सूचना पर प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी जुटाई जा रही है। थानाधिकारी ने बताया कि तीनों मृतकों की पहचान अनूज पुत्र दलीप नेहरा, बुलकेश पुत्र यादराम तथा अनूज पुत्र पूर्णमल के रूप में हुई है। तीनों मृतकों के शव को खेतड़ीनगर के के.सी.सी. अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है, जहां सुबह परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

मृतक अनूज का पिता पूर्णमल मजदूरी करता है, बड़ा भाई विनोद गाड़ी ड्राइवर है, दूसरे नंबर के भाई की चार साल पहले मृत्यु हो गई थी, मृतक अनुज तीन भाइयों में सबसे छोटा था। दो बड़ी बहनें शादीशुदा हैं।

अनुज पुत्र दलीप नेहरा अपने माता-पिता के इकलौता बेटा था। वह बीए प्रथम वर्ष में बुहाना के राजकीय कालेज में पढ़ाई कर रहा था। बुलकेश पुत्र यादराम तीन भाईयों में सबसे छोटा था। बड़ा भाई पहाड़ी में मजदूरी करता है। दूसरे नंबर का पढ़ाई तथा तीसरे नंबर का बुलकेश बारहवीं पास कर कालेज में एडमिशन लेने वाला था। मृतक का पिता यादराम भी मजदूरी करता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908